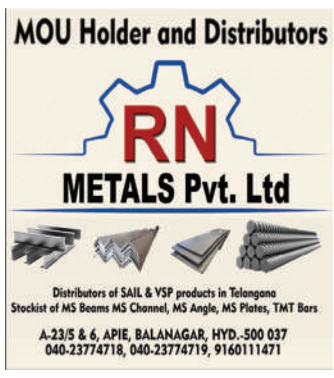

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 03 जनवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-03

ओल्ड सिटी कब बजेगी ?

मेट्रो प्रोजेक्ट अधर में – सम्पत्ति मालिक कोर्ट में

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

औवेसी भाइयों की दखलंदाजी के कारण पुराने शहर के विकास का सपना न केवल सपना बनकर रह जाता है, बल्कि हर काम में टाँगअडाई की वजह से थोडा-बहुत विकास होता भी है तो उसमें देरी इतनी हो जाती है कि उस कार्य का लाभ लोगों के लिए ज्यादा मायने नहीं रखता। चाहे मामला तत्कालीन संयुक्त आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित 24 साल पुरानी चारमीनार पैदल यात्रीकरण परियोजना को रद्द कर 2022 में तेलंगाना सरकार की चारमीनार ऐतिहासिक क्षेत्र पुनर्जीवन योजना शुरू करने का हो, हर बार राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण पुराने शहर के अरमानों पर पानी फिरा है। ओल्ड सिटी में मेट्रो का रुट भी इन भाइयों के कारण कई बार बदलना पडा था। ओल्ड सिटी मेट्रो प्रोजेक्ट एक बार फिर देरी की ओर बढ़ रहा है। प्रोजेक्ट की घोषणा हुए एक साल और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू हुए 8 महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आवश्यक संपत्तियों का अधिग्रहण करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हालांकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इसे अपनी प्रतिष्ठित परियोजना बता रहे हैं, लेकिन धरातल पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है।

महात्मा गाँधी बस स्टेशन (MGBS) से चंद्रायनगुट्टा तक 7.5 किलोमीटर लंबे इस मेट्रो मार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण की धीमी गति के कारण निर्माण कार्य शुरू होने में कम से कम तीन महीने की और देरी हो सकती है। कांग्रेस सरकार पुराने शहर के विकास के लिए इस परियोजना को महत्वपूर्ण बता रही है, लेकिन अब तक की प्रगति को देखते हुए ये वादे केवल कागजी नजर आ रहे हैं। इस परियोजना के लिए कुल 800 से अधिक संपत्तियों की पहचान की गई थी, जिनमें से अब तक केवल 400 संपत्तियों का ही ▶10पर

चारमीनार पेडेस्ट्रियन प्रोजेक्ट में देरी से नाराज

विधानसभा में चर्चा के दौरान ओवैसी ने चारमीनार के पास तीन साल पहले शुरू किए गए पेडेस्ट्रियन प्रोजेक्ट (Pedestrian Project) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सवाल किया कि इतने साल बीत जाने के बाद भी यह प्रोजेक्ट पूरा क्यों नहीं हुआ और प्रशासन इस पर चुप्पी क्यों साधे हुए है? उन्होंने आरोप लगाया कि विकास की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली सरकार पुराने शहर की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को नजरअंदाज कर रही है।

भावुक ओवैसी भड़के

मूसी साफ करो गरीबों के घर नहीं

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विधानसभा में मूसी नदी के कायाकल्प और सफाई परियोजना पर चल रही चर्चा के दौरान, AIMIM के सदन नेता चंद्रायनगुट्टा के मजलिस विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस सरकार से गरीब और असहाय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भावुक अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास के नाम पर निर्दोष परिवारों को उजाड़ना उचित नहीं है।

अकबरुद्दीन ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि मूसी नदी की सफाई परियोजना नदी के किनारे रहने वाले गरीब परिवारों के जीवन को तबाह करने वाली नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विकास कार्य मानवीय दृष्टिकोण और जिम्मेदारी के साथ किए जाने चाहिए। ▶10पर

मूसी में दुनिया के सबसे बड़े 'बापू'

पुराना शहर होगा सबसे बेहतरीन : रेवंत

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार महत्वाकांक्षी मूसी नदी जीर्णोद्धार परियोजना के अंतर्गत गांधी सरोवर (बापू घाट), लंगर हाउस में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करेगी।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में प्रश्न काल में एक सवाल के जवाब में कहा कि बापू घाट का बहुत ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि यह मूसी और ईसा नदियों का संगम स्थल है, जहां महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन किया गया था।

इस बात पर बल देते हुए कि मानव सभ्यता हमेशा नदी घाटियों के किनारे ही फली-फूली है, उन्होंने काकातीयों से लेकर निजाम युग तक हैदराबाद की जल प्रबंधन विरासत पर बात की।

श्री रेड्डी ने याद दिलाया कि 1908 की विनाशकारी बाढ़ के बाद, निज़ाम सरकार ने स्थायी समाधान के रूप में उस्मान सागर और हिमायत सागर जलाशयों का निर्माण किया, जो आज भी हैदराबाद की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि आलोचनाओं के बावजूद उनकी सरकार ने इन जलाशयों के प्रदूषण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाये।

सरकार ने वैश्विक शहरों में नदी तट विकास मॉडल का अध्ययन किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लंदन, न्यूयॉर्क, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे वैश्विक शहरों में नदी तट विकास मॉडल का अध्ययन किया है और पाया है कि सभी विश्व स्तरीय शहर अपने नदी घाटियों की रक्षा करते हैं। गुजरात में साबरमती नदी तट और उत्तर प्रदेश में गंगा के जीर्णोद्धार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ऐसी पहलों के खिलाफ नहीं है और मूसी नदी के लिए भी इसी तरह की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपना रही है।

मूसी नदी में गंभीर प्रदूषण का जिक्र करते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि औद्योगिक अपशिष्ट, पशुओं के शव और अनुपचारित मलजल के कारण नदी के निचले इलाकों, विशेषकर नालगोंडा जिले में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो गयी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नदी में स्वच्छ जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञ परामर्श के साथ विस्तृत योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं।

गोदावरी नदी के पानी को मोड़ने की योजना

सरकार मूसी नदी की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए गोदावरी नदी के पानी को मोड़ने की योजना बना रही है, जिसमें से 15 टीएमसी पेयजल के लिए और पांच टीएमसी पानी नदी में निरंतर स्वच्छ प्रवाह बनाये रखने के लिए उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एशियाई विकास बैंक ने परियोजना के लिए 4,000 करोड़ रुपये का ऋण देने पर सैद्धांतिक सहमति दी है, जबकि केंद्र ने गांधी सरोवर के विकास को मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परियोजना के लिए रक्षा भूमि आवंटित करने पर अस्थायी सहमति दी है।

गांडीपेट से गौरेली तक 55 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की योजना

श्री रेड्डी ने गांडीपेट से गौरेली तक 55 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की योजना की भी घोषणा की और कहा कि हैदराबाद का मूल केंद्र पुराना शहर दुनिया के बेहतरीन शहरी केंद्रों में से एक बनेगा। उन्होंने कहा कि अगले दो दशकों में शहरीकरण 75 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। उन्होंने इस पर विधायकों से रचनात्मक सुझाव भी मांगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प हैदराबाद को विश्व स्तरीय शहर में परिवर्तित करना है। उन्होंने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, इसे सुझावों के लिए सभी विधायकों के साथ साझा किया जाएगा।

हैदराबाद में नया ज़िला ?

रंगारेड्डी को भी दो हिस्सों में बांटने की तैयारी

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ग्रेटर हैदराबाद के अधिकार क्षेत्र में जिलों के पुनर्गठन की व्यापक योजना बना रही है। राजस्व अधिकारी वर्तमान में हैदराबाद और मल्काजगिरि जिलों की सीमाओं को बदलने के लिए डेटा एकत्र कर रहे हैं, जबकि अब्दुल्लापुरमेट मंडल पर निर्णय अभी लंबित है।

राज्य सरकार का लक्ष्य नवनियुक्त 'फ्यूचर सिटी' पुलिस कमिश्नरेट और पुनर्गठित हैदराबाद, साइबराबाद एवं मल्काजगिरि पुलिस कमिश्नरेट की सीमाओं को जिलों की राजस्व सीमाओं के साथ संरेखित करना है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रशासनिक सुविधा के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की सीमाएं एक समान होनी चाहिए। वर्तमान में हैदराबाद, मल्काजगिरि और रंगारेड्डी जिलों की सीमाओं में बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं:

हैदराबाद जिला: वर्तमान के 16 मंडलों में से तिरुमलगिरी और मारेडपल्ली को मल्काजगिरि जिले में स्थानांतरित किया जा सकता है।

अमीरपेट मंडल: बेगमपेट क्षेत्र को मल्काजगिरि का हिस्सा बनाया जा सकता है। हैदराबाद जिले की सीमाएं अब राजेंद्रनगर और शमशाबाद मंडलों तक बढ़ेंगी, लेकिन केवल वहीं तक जहां तक ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम का दायरा है।

मेडचल-मल्काजगिरि और अब्दुल्लापुरमेट का नया स्वरूप

पुनर्गठन के बाद, मल्काजगिरि जिला अपनी पुलिस कमिश्नरेट की सीमाओं के अनुसार विस्तारित होगा। रंगारेड्डी जिले के हयातनगर और सरूरनगर मंडलों को मेडचल-मल्काजगिरि जिले में विलय करने की योजना है।

इस बदलाव के बाद, मल्काजगिरि लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले एलबी नगर (रंगारेड्डी जिला) और कंटोनमेंट (हैदराबाद जिला) विधानसभा क्षेत्र अब मेडचल जिले के प्रशासनिक नियंत्रण में आ जाएंगे। हालांकि, अब्दुल्लापुरमेट मंडल पर पेंच फंसा हुआ है; चूंकि यह मल्काजगिरि पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आता है लेकिन ऋक्कचउ की सीमा से बाहर है, इसलिए इस पर अंतिम निर्णय अभी बाकी है।

रंगारेड्डी जिले के विशाल भौगोलिक क्षेत्र, आईटी कंपनियों की भरमार और बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए इसे शहरी और ग्रामीण जिलों में विभाजित करने का प्रस्ताव है।

शरंगारेड्डी अर्बन: साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के पूरे क्षेत्र को शहरी जिला बनाया जाएगा। ▶10पर

आरएसएस कोई अर्धसैनिक संगठन नहीं, समाज को जोड़ना ही हमारा उद्देश्य: मोहन भागवत

भोपाल, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि संघ कोई अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) संगठन नहीं है। उन्होंने कहा कि संघ की वर्दी, शाखाओं में होने वाले शारीरिक अभ्यास और दंड संचालन को देखकर यदि कोई इसे पैरामिलिट्री संगठन मानता है, तो यह एक बड़ी गलतफहमी है। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य समाज को संगठित करना और उसमें ऐसे गुण व संस्कार विकसित करना है, जिससे भारत भविष्य में फिर कभी किसी विदेशी शक्ति के अधीन न हो। हम वर्दी पहनते हैं, मार्च निकालते हैं और दंड अभ्यास करते हैं, लेकिन अगर कोई इसे पैरामिलिट्री संगठन समझता है, तो यह पूरी तरह गलत है। संघ एक अनोखा संगठन है, जिसे समझना आसान नहीं है।

मोहन भागवत ने आरोप लगाया कि आरएसएस के खिलाफ एक झूठा नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग सही जानकारी तक पहुंचने के लिए गहराई में नहीं जाते, बल्कि सतही स्रोतों पर निर्भर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोग मूल स्रोतों तक जाने के बजाय विकिपीडिया जैसे प्लेटफॉर्म देखकर राय बना लेते हैं। वहां लिखी हर बात सच नहीं होती। जो लोग विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी लेंगे, वे संघ को सही रूप में समझ पाएंगे।आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संघ को अक्सर किसी प्रतिक्रिया या विरोध के रूप में जन्मा संगठन बताया जाता है, जबकि यह धारणा पूरी तरह गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ किसी के विरोध में नहीं बना और न ही वह किसी से प्रतिस्पर्धा करता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0

न्यूनतम : 15^0

अमेरिकी मल्टीनेशनल बोइंग से बांग्लादेश खरीदेगा 14 विमान, बीबीए का फैसला

ढाका, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश ने अमेरिकी मल्टीनेशनल बोइंग से 14 विमान खरीदने का सैद्धांतिक रूप से फैसला किया है। इनमें आठ बोइंग 787-10 ड्रीमलाइनर, दो बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर और चार बोइंग 737-8 मैक्स विमान शामिल हैं।

बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस (बीबीए) ने अपनी वार्षिक आम बैठक में अपने बेड़े के विस्तार योजना के तहत बोइंग विमान खरीदने का फैसला किया। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने बताया कि यह फैसला मंगलवार को किया गया। बैठक में कहा गया कि बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस ने अपने बेड़े के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए प्रतिद्वंद्वी एयरबस को छोड़कर अमेरिकी मल्टीनेशनल बोइंग से 14 विमान खरीदने का सैद्धांतिक फैसला किया। इस बैठक में बिमान के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन और विमानन और पर्यटन सलाहकार शेख बशीर उद्दीन मौजूद रहे।

बिमान की महाप्रबंधक (जनसंपर्क) बोसरा इस्लाम ने बताया कि बिमान की टेक्नो-फाइनेंस कमेटी की सिफारिशों के अनुसार कीमत बातचीत और अन्य शर्तों के अधीन 14 बोइंग विमानों की खरीद को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी गई। अंतरिम सरकार ने पहले अमेरिका के साथ व्यापार घाटे को कम करने के प्रयासों के तहत बोइंग से विमान खरीदने का वादा किया था। सूत्रों का कहना है कि जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बोइंग के साथ अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर चौड़े-बॉडी वाले विमान हैं। यह लंबी दूरी के अंतरराष्ट्रीय रूट के लिए डिजाइन किए गए हैं। बोइंग 737-8 एक नैरो-बॉडी वाला विमान है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर छोटी क्षेत्रीय और घरेलू उड़ानों के लिए किया जाता है। बोसरा इस्लाम ने कहा कि यह फैसला फ्लीट मॉडर्नाइजेशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद है कि इससे बांग्लादेश और अमेरिका के बीच एविएशन संबंध मजबूत होंगे।

न्यूज ब्रीफ

अरबपति मौत को टालने और बुढ़ापे को हराने झोंक रहे बेहिसाब दौलत झोंक

वाशिंगट। अमरता और लंबी उम्र का सपना आज वैश्विक राजनीति से लेकर टेक्नोलॉजी और विज्ञान की दुनिया तक में गंभीर चर्चा का केंद्र बन चुका है। बीते दिनों चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सौ साल से अधिक जीने और अंग प्रत्यारोपण जैसी तकनीकों पर हुई बातचीत ने इस बहस को और हवा दे दी। लेकिन यह दिलचस्पी सिर्फ वैश्विक नेताओं तक सीमित नहीं है। दुनिया के सबसे अमीर टेक अरबपति भी मौत को टालने और बुढ़ापे को हराने के लिए अपनी बेहिसाब दौलत झोंक रहे हैं। सिलिकॉन वैली के कई दिग्गज मानते हैं कि जैसे तकनीक से दुनिया बदली जा सकती है, वैसे ही विज्ञान के दम पर उम्र भी बढ़ाई जा सकती है।इस दौड़ में ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन, अमेजन के जेफ बेजोस, गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज और ओरेकल के संस्थापक लैरी एलिसन जैसे नाम शामिल हैं। सैम ऑल्टमैन ने 'रेट्रो बायोसाइंसेज' नामक स्टार्टअप में करीब 18 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसका लक्ष्य इंसानी जीवन में कम से कम 10 साल जोड़ना है। ऑल्टमैन खुद भी स्वस्थ जीवनशैली के साथ मेटफॉर्मिन जैसी दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो उम्र बढ़ने की रफ्तार को धीमा करने से जोड़ी जा रही है। ओरेकल के संस्थापक लैरी एलिसन ने 1997 में 'एलिसन मेडिकल फाउंडेशन' की स्थापना की थी, जिसने उम्र से जुड़ी रिसर्च में अब तक सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं गूगल के लैरी पेज ने 'कैलिको लैब्स' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य बुढ़ापे और उससे जुड़ी बीमारियों के रहस्यों को समझना है। अमेजन के जेफ बेजोस भी 'ऑल्टोस लैब्स' में निवेश के जरिए कोशिकाओं को फिर से जवान बनाने की तकनीक पर दांव लगा चुके हैं। सोशल मीडिया दिग्गज मार्क जकरबर्ग और उनकी पत्नी प्रिसिला चान भी इस दिशा में सक्रिय हैं। 'चान जकरबर्ग इनिशिएटिव' और 'ब्रेकथ्रू प्राइज' के जरिए वे वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, ताकि भविष्य में 100 साल से अधिक जीना आम बात बन सके। इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं टेक उद्यमी ब्रायन जॉनसन, जो अपनी जैविक उम्र कम करने के दावों के लिए चर्चा में रहते हैं।

अवामी लीग को चुनाव से बाहर करने से देश के अंदर और दुनिया भर में घिरी युनूस सरकार

ढाका। फरवरी 2026 में प्रस्तावित आम चुनाव से पहले बांग्लादेश की राजनीति में भारी उथल-पुथल दिख रही है। देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी आवामी लीग को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने के फैसले ने न सिर्फ घरेलू राजनीति में बवाल मचाया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस मुद्दे पर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे और आवामी लीग के प्रमुख रणनीतिकार सजीब वाजेद ने अंतरिम सरकार और मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वाजेद का कहना है कि आवामी लीग को चुनाव से बाहर करना किसी सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश है। उनके अनुसार, अंतरिम सरकार निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने से डर रही है, इसलिए जानबूझकर एक मजबूत और लोकप्रिय राजनीतिक दल को मैदान से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने इस लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के खिलाफ बताया है। अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि 12 फरवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव में आवामी लीग हिस्सा नहीं ले सकेगी। अंतरिम सरकार का तर्क है कि पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा हुआ है और चुनाव आयोग ने उसका पंजीकरण निलंबित किया है। मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफिकुल आलम ने कहा कि सरकार की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट है और प्रतिबंध हटाने पर किसी तरह के पुनर्विचार का सवाल ही नहीं उठता।

एआई टूल्स बाहरी जजमेंट के डर को कम करने में सहायकः शोध

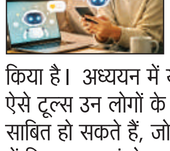

सिडनी। चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट्स मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक यानी स्टिग्मा को कुछ हद तक कम करने में मददगार हो सकते हैं, लेकिन इन्हें पेशेवर चिकित्सा या काउंसलिंग का विकल्प नहीं माना जा सकता। ताजा अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है। अध्ययन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऐसे टूल्स उन लोगों के लिए खास तौर पर उपयोगी साबित हो सकते हैं, जो आमने-सामने जाकर मदद लेने में झिझक या संकोच महसूस करते हैं। ऑस्ट्रेलिया की एडिथ कोवन यूनिवर्सिटी (ईसीयू) द्वारा किए गए इस अध्ययन में 73 ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जिन्होंने किसी न किसी मानसिक दुविधा या परेशानी के दौरान चैटजीपीटी का उपयोग किया था। शोधकर्ताओं ने यह समझने की कोशिश की कि एआई चैटबॉट्स का इस्तेमाल मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े स्टिग्मा पर किस तरह असर डालता है। ईसीयू में मास्टर ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी के छात्र स्कॉट हन्ना के अनुसार, अध्ययन के नतीजों से पता चलता है कि एआई टूल्स बाहरी जजमेंट के डर को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं ।

ईरान में महंगाई के खिलाफ भड़की चिंगारी से अशांति पवित्र शहर कोम में खामेनेई शासन के खिलाफ गूंजे नारे

तेहरान (ईरान), 02 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में महंगाई और डॉलर के मुकाबले गिरती ईरानी मुद्रा रियाल की कीमत के खिलाफ शुरू प्रदर्शन देश के कई हिस्सों में फैल गया। विरोध प्रदर्शन के पांचवें दिन कोम में कम से कम तीन लोगों को गोली मारकर हत्या कर दी गई। राजधानी तेहरान के ग्रैंड बाजार से रविवार को भड़की चिंगारी की लपटों से देश जल उठा है। इससे पवित्र शहर कोम भी अछूता नहीं रहा। पांच दशक में पहली बार इस शहर में खामेनेई शासन के खिलाफ नारे गूंजने लगे हैं।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, आंदोलन के पांचवें दिन फूलदशहर, दारियुश अंसारी बख्तियारवंद, कुहदाश्त, अमीर-हेसाम खोदायरीफर्द, अजना, शायन असदुल्लाही में हुई झड़पों में कम से कम चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। ईरान के पवित्र शहर कोम में अशांति फैल गई है। कोम शिया मौलवियों और इस्लामिक गणराज्य का एक मुख्य गढ़ है। यहां भारी सुरक्षा के बावजूद बेखौफ प्रदर्शनकारियों ने अयातुल्ला अली खामेनेई शासन के खिलाफ नारेबाजी की। सुरक्षा कर्मचारियों की गोलीबारी में कम से कम तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

तेहरान, मशहद, इस्फ़हान, लोरेस्टान, खुज़ेस्तान और छोटे शहरों में रातभर प्रदर्शनकारी सड़कों पर नारेबाजी करते रहे। पिछले पांच दशक में यह पहली बार है कि लोगों ने खामेनेई शासन के खिलाफ बगावत शुरू कर दी है। मध्य ईरान के कज्विन और पवित्र शहर कोम में प्रदर्शनकारियों ने 'यह आखिरी लड़ाई है' जैसे नारे लगाए। उत्तरी ईरान में रातभर प्रदर्शनकारियों ने तानाशाह मुर्दाबाद के नारे लगाए।

रिपोर्ट के अनुसार, विपक्षी समूह नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस ऑफ ईरान ने बताया कि गुरुवार सुबह तेहरान, मारवदश्त, केरमानशाह, डेल्फान और अराक समेत कई शहरों में सड़कों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़पें जारी रहीं। चहारमहल और बख्तियारी प्रांत के लोरदेगान में रात भर गोलीबारी हुई है। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से संबद्ध फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, भीड़ ने सरकारी इमारतों पर पत्थर फेंके। प्रदर्शनकारियों ने गवर्नर ऑफिस, न्यायपालिका, शहीद फाउंडेशन, शुक्रवार की नमाज कॉम्प्लेक्स और कई बैंकों को निशाना बनाया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इस दौरान कई इमारतों को नुकसान हुआ। झड़पों में दो लोग मारे गए।

कुर्द अधिकार समूह हेंगाओ ने बताया कि लोरदेगान में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों गोलीबारी की। कुहदाश्त में अधिकारियों ने कहा कि झड़पों में बासिज स्वयंसेवी अर्धसैनिक बल का एक सदस्य मारा गया और 13 अन्य घायल हो गए। अमेरिका स्थित मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी कहा कि तेहरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में ली गई छह महिलाओं को एविन जेल के महिला वार्ड में भेज दिया गया है।

नेपालः महाधिवेशन स्थगित करने की घोषणा से नेपाली कांग्रेस में खलबली

काठमांडू। महामंत्री गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा द्वारा गुरुवार को पार्टी के नियमित महाधिवेशन को स्थगित करने की घोषणा किए जाने के बाद नेपाली कांग्रेस में खलबली मच गई है। महामंत्रियों ने गुरुवार शाम संयुक्त वक्तव्य जारी कर विशेष महाधिवेशन को स्थगित करने की घोषणा के बाद पार्टी सभापति शेरबहादुर देउवा ने कार्यवाहक सभापति पूर्णबहादुर खड्का और नेता रमेश लेखक के साथ चर्चा की। देउवा ने गुरुवार शाम अपने महाराजगंज स्थित निवास पर खड्का और लेखक को बुलाकर महामंत्रियों के इस कदम पर विचार-विमर्श किया। चर्चा में शामिल नेता रमेश लेखक ने बताया कि महामंत्रियों के कदम को गंभीरता से लेते हुए पार्टी के भीतर आंतरिक परामर्श शुरू कर दिया गया है। देउवा ने कहा, 'किसी भी हालत में विशेष महाधिवेशन नहीं होना चाहिए। इससे पार्टी में विभाजन आएगा। मैंने नियमित महाधिवेशन कराने की ही बात कही थी और उसी के अनुसार तिथि भी तय की गई थी। प्रयास करते-करते भी यह संभव नहीं हो सका। नियमित अधिवेशन न हो पाने में मेरा क्या दोष है इसी विषय पर आज भी वे पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा कर रहे हैं।

भारत विरोधी नैरेटिव फैलाकर बलूचों के विद्रोह को दबाने में जुटे मुल्ला मुनीर

इस्लामाबाद, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान पाकिस्तान के हाथ से धीरे-धीरे निकल रहा है। बलूचों का विद्रोह लगातार बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र अलग देश के रूप में स्थापित हो सकता है। इसके बावजूद पाकिस्तान, बलूचों के साथ संवाद और उनके गायब युवाओं को वापस लाने के बजाय, भारत विरोधी नैरेटिव फैला रहा है। पाकिस्तान का मानना है कि भारत को दोषी ठहराकर और कथित भारतीय हस्तक्षेप को उजागर करके बलूच विद्रोह को दबाया जा सकता है।

भारतीय शीर्ष खुफिया सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर, वहीं पुरानी रणनीति अपना रहे हैं, जिसमें बलूचिस्तान में विद्रोह को भारत से जोड़ा जाता है। उनका उद्देश्य पाकिस्तान सेना की स्थिति मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय व घरेलू स्तर पर सुरक्षा की छवि बनाए रखना है। मुनीर बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि उनकी सेना भारत समर्थित एजेंटों की योजनाओं को विफल कर देगी और हिंसा फैलाने वाले तत्वों को दबाएगी।

खुफिया सूत्रों का मानना है कि मुनीर का फोकस अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अधिक घरेलू दर्शकों पर है। पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सेना की गिरती साख से जूझ रहा है। बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगियां, कथित फर्जी मुठभेड़ और विकास परियोजनाओं में बाधा जैसी घटनाओं ने सेना की वैधता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बाद भारत-विरोधी बयानबाजी जनता का ध्यान जमीनी मुद्दों से हटाने और सेना को बलूचिस्तान का संरक्षक दिखाने का माध्यम बनती है।

हालांकि, भारतीय सूत्रों का कहना है कि यह रणनीति घरेलू दर्शकों को भटका सकती है, लेकिन वास्तविक जमीनी हालात में कोई बदलाव नहीं लाती। बलूचों का असंतोष और विद्रोह लगातार फैल रहा है, और केवल भारत विरोधी बयानबाजी से पाकिस्तान की पकड़ मजबूत नहीं होती। असीम मुनीर की यह रणनीति सेना की कमजोर होती पकड़ को स्थायी रूप से मजबूत करने के बजाय अस्थायी ध्यानाकर्षण का साधन प्रतीत होती है।

बलूचिस्तान में हो रही हिंसा को लेकर मानवाधिकार संगठन चिंतित

क्वेटा। बलूचिस्तान में हो रही हिंसा को लेकर मानवाधिकार संगठन लगातार चिंताएं जाहिर कर रहा है। वहीं, मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने ज्यादातर शिकायतों को बेबुनियाद और मनगढ़ंत बताया है। बीवाईसी ने कहा कि जिस तरह से बलूचिस्तान की कई अदालतों से लगातार बेल ऑर्डर रिलीज किए गए हैं, उससे एक बात साफ है कि पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से दर्ज किए गए ज्यादातर मामले झूठे हैं। कोर्ट ने जिस तरह से आरोपियों को बेल दिया है, वह दिखाता है कि दर्ज की गई शिकायतें बेबुनियाद, मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित हैं। मानवाधिकार संगठन का कहना है कि बीवाईसी के प्रमुख आयोजक, महरंग बलूच, और दूसरे नेताओं, जिनमें बीबर्ग बलूच, शाहजी बलूच, गुलजादी बलूच, और बीबो बलूच शामिल हैं, को पिछले दस महीनों से गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है। संगठन ने कहा कि बीवाईसी नेताओं को शुरू में तीन महीने के लिए मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर (3-एमपीओ) के तहत हिरासत में रखा गया था। यह एक ऐसा कानून है, जो सरकार के पब्लिक ऑर्डर के लिए संभावित खतरों के आकलन के आधार पर निवारक निरोध की इजाजत देता है।

किसान को खेत जोतते समय मिली 4000 साल पुरानी कब्र, कांस्य युग की बताई जा रही

पहले भी इस जगह हुई थी खुदाई, मिली थी मानव खोपड़ी जो शोध के लिए लंदन भेजी थी

लंदन, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

स्कॉटलैंड के एक सुनसान द्वीप आइल ऑफ ब्यूट के रूबोडाच इलाके में खेत जोतते समय एक किसान को जमीन के नीचे 4000 साल पुरानी कब्र मिली, जो कांस्य युग यानी ब्रॉन्ज एज की बताई जा रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि यह कब्र कोई नई खोज नहीं थी, बल्कि इसे करीब 160 साल पहले भी खोजा गया था। समय के साथ यह जगह लोगों की यादों से मिट गई और दोबारा खेत में तब्दील हो गई। अब जब आधुनिक तकनीक के साथ फिर से खुदाई हुई, तो इसमें दफन इतिहास ने कई राज उजागर कर दिए।

जानकारी के मुताबिक इस स्थान पर 1863 से पहले खुदाई में पत्थर से बना एक सिस्ट यानी चैंबर मिला था। उस समय यहां से एक मानव खोपड़ी निकाली गई थी, जिसे शोध के लिए लंदन भेजा गया था। हालांकि, बाकी कंकाल वहीं जमीन में छोड़ दिए गए और धीरे-धीरे लोग इस स्थान को भूल गए। सालों तक खेती होती रही और यह प्राचीन कब्र मिट्टी के नीचे दब गई। साल 2022 में जब एक किसान खेत में हल चला रहा था, तो उसे फिर से हड्डियां दिखाई दीं। इसके बाद पुरातत्व विभाग को सूचना दी और विशेषज्ञों की टीम ने दोबारा खुदाई की।

रिपोर्ट के मुताबिक एओसी आर्कियोलॉजी ग्रुप की जांच में सामने आया कि कब्र में एक नहीं, बल्कि दो लोगों के अवशेष मौजूद हैं। वैज्ञानिक परीक्षण से पता चला कि इनमें एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। जांचकर्ता के मुताबिक पुरुष की उम्र मौत के समय 35 से 50 साल के बीच रही होगी। उसका कद करीब 5 फुट 6 इंच था और वह शारीरिक रूप से स्वस्थ प्रतीत होता है, जिससे संकेत मिलता है कि वह अपने समय में अच्छा जीवन जी रहा था। दूसरा कंकाल एक युवा महिला का पाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों को एक साथ दफन नहीं किया गया था।

स्विट्जरलैंड को रुला गया नए साल का पहला दिन, लाक्षागृह बन गया क्रांस-मोंटाना का रिजॉर्ट

बर्न (स्विट्जरलैंड), 02 जनवरी (एजेंसियां)।

स्विट्जरलैंड को नए साल का पहला दिन आंसुओं से तरबतर कर गया। यहां के क्रांस-मोंटाना के अल्पाइन रिजॉर्ट के एक बार में लगी आग में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और 115 लोग झुलस गए। स्विस संघीय और कैंटोनल अधिकारियों ने इसे देश की सबसे बुरी त्रासदी बताया है। यह रिजॉर्ट नए साल के जश्न में डूबे लोगों के लिए लाक्षागृह साबित हुआ। भू-तल (बेसमेंट) में बनाए गए इस बार में लपटें उठती रहीं। लोग बाहर निकलने के लिए इधर-उधर भागते रहे। कोई रास्ता नहीं मिला। झुलसे लोग गिरते रहे। देखते ही देखते पूरा बार धुआं-धुआं हो गया।

ली न्यूज और बीएफएम टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, वैलिस पुलिस ने कहा है कि रात की 1:30 बजे का समय रहा होगा। अचालक अलार्म बजने लगा। बार में धुआं भरने की सूचना पर आपातकाल सेवा केंद्रों से संपर्क किया गया।

पुलिस की गाड़ियां कुछ ही मिनटों में पहुंच गईं। उसके बाद दमकल विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचीं। झुलसे लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। सुबह 4:14 बजे एक हेल्पलाइन नंबर (0848 112 117) शुरू किया गया। राहत और बचाव अभियान में लगभग 140 कर्मचारी, 13 हेलीकॉप्टर और 42 एम्बुलेंस का प्रयोग किया गया। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय परमेलिन ने इसे अभूतपूर्व त्रासदी बताया और पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संघीय सरकार की एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अभी भी अपनी जान बचाने के लिए लड़ रहे हैं। वैलिस कैंटोनल सरकार के अध्यक्ष मथियास रेनार्ड ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। पुलिस प्रमुख फ्रेडरिक गिस्लर ने कहा कि सबसे पहली प्राथमिकता मृतकों की पहचान करना है।

वालिस की अटॉर्नी-जनरल बीट्राइस पिलौड ने कहा कि आग बेसमेंट में बनेकॉन्स्टेलेशन बार में लगी। उन्होंने बताया कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि वहां से बाहर निकलने के लिए कोई आपात द्वार नहीं था। एक अधिकारी ने कहा कि यह टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी कि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया या नहीं। इस संबंध में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अभी तक हताहत और झुलसे लोगों की राष्ट्रीयता की पुष्टि नहीं की गईहै। माना जा रहा है कि पीड़ितों में इतालवी और फ्रांसीसी दोनों नागरिक शामिल हैं। इटली के विदेशमंत्री ने कहा कि कम से कम 15 इतालवी नागरिक झुलसे हैं और लगभग 16 लापता हैं। जांच से इतर अधिकारियों का अनुमान है कि आग शायद फेस्टिव बॉटल स्पार्कलर्स (एक तरह के पटाखे) की वजह से लगी। इन्हें फाउंटेन स्पार्कलर्स भी कहा जाता है। फेस्टिव बॉटल स्पार्कलर्स का उल्लेख बार के वेन्यू में किया गया था। फाउंटेन स्पार्कलर्स यहां के नाइट क्लब में काफी आम हैं। जांचकर्ताओं ने अभी तक कारण की पुष्टि नहीं की है। उल्लेखनीय है कि क्रांस-मोंटाना स्विट्जरलैंड के दक्षिण-पश्चिम में स्थित प्रसिद्ध हिल स्टेशन और स्की रिसॉर्ट टाउन है। यह रोन घाटी के ऊपर धूप वाले पठार पर समुद्र तल से लगभग 1,500 मीटर की ऊंचाई पर है। बर्न से यहां की दूरी (सड़क मार्ग) करीब दो घंटे है।

दिल्ली शब्दोत्सव 2026 : सीएम रेखा गुप्ता बोलीं– विदेश में देश को नीचा दिखाने वालों ने भारत को समझा ही नहीं

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली शब्दोत्सव 2026 के भव्य मंच से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देश, संस्कृति और भारतीयता पर बात की। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई भारतीय नेता या व्यक्ति विदेश जाकर अपने ही देश के बारे में हल्के शब्दों का इस्तेमाल करता है, तो यह दर्शाता है कि वह इस देश की मिट्टी और संस्कृति से जुड़ा नहीं है और उसने भारत को सही मायने में समझा ही नहीं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, अगर कोई अपने ही देश के लिए विदेश में जाकर नकारात्मक बातें करता है, तो इसका कोई औचित्य नहीं है। दिल्ली शब्दोत्सव को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में किसी सरकारी मंच से ऐसा भव्य आयोजन पहले कभी नहीं हुआ। आज का भारत अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य से एक साथ संवाद करता हुआ दिखाई दे रहा है। वैदिक काल से लेकर डिजिटल युग तक भारत ने जो ऐतिहासिक यात्रा तय की है, उसका साक्षी यह शब्दोत्सव बनने जा रहा है।

उन्होंने कहा, न झुका है, न झुकेगा, अमर था, अमर रहेगा मेरा भारत महान।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में इस तरह का आयोजन होना खास मायने रखता है, क्योंकि यहां देश के कोने-कोने से लोग आकर जुड़ते हैं। यह जुड़ाव

भविष्य की ओर बढ़ते भारत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की जड़ें इतनी मजबूत रही हैं कि देश ने बार-बार खुद को खड़ा किया है। आज भी ऐसे आयोजनों की जरूरत है जो लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ संस्कृति से जुड़ाव भी उतना ही जरूरी है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन उन सवालों का भी जवाब है जो हर भारतीय माता-पिता के मन में होते हैं कि आधुनिकता की राह पर चलते हुए अपने बच्चों को संस्कृति से कैसे जोड़े रखें। उनके अनुसार, शब्दोत्सव भारतीय विविधता का सजीव उदाहरण है।

सीएम ने दिल्ली में मनाए जाने वाले विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार और पूर्वांचल का छठ पर्व दिल्ली में पूरे धूमधाम से मनाया गया। महाराष्ट्र का गणेश चतुर्थी उत्सव, गुजरात का डांडिया, कांवड़ यात्रा और दीपावली पर कर्तव्य पथ पर सवा लाख दीप जलाना, ये सभी कार्यक्रम दिल्ली की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन में 40 पुस्तकों का विमोचन किया गया, जो साहित्य को मजबूत करने की दिशा में एक सुंदर प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी अपने विचारों को नहीं छोड़ा और हमेशा विवेक का हाथ थामे रखा।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह भारतीयता के पुनर्जागरण का काल है। भारत आज विश्व पटल पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में खड़ा है, जहां विकास के साथ-साथ विरासत को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन संस्कृति को छोड़े बिना।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह आयोजन पहली बार जरूर हो रहा है, लेकिन आखिरी बार नहीं। अगले वर्ष भी दिल्ली शब्दोत्सव को और भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा।

इंदौर दूषित पानी मामला : 15 मौतों के बाद सरकार सख्त, अपर आयुक्त हटाए गए, कलेक्टर को नोटिस

इंदौर,02 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर में दूषित पेयजल से हुई 15 मौतों के मामले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त को तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही प्रभारी अधीक्षण यंत्री से जल वितरण कार्य विभाग

का प्रभार वापस लेने और जिला कलेक्टर (डीएम) को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जानकारी देते हुए कहा आज सुबह मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ इंदौर के दूषित पेयजल प्रकरण में राज्य शासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव (नगरीय प्रशासन एवं विकास) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर भी चर्चा की। इंदौर नगर निगम आयुक्त और अपर आयुक्त को इस सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस जारी करने, अपर आयुक्त को तत्काल इंदौर से हटाने और प्रभारी अधीक्षण यंत्री से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस लेने के निर्देश दिए। इंदौर नगर निगम में आवश्यक पदों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ति करने के निर्देश भी दिए। इंदौर में दूषित पेयजल प्रदाय से हुई दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत प्रदेश के अन्य स्थानों के लिए भी हम सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए हैं।इस दृष्टि से सभी 16 नगर निगमों के महापौर, अध्यक्ष तथा आयुक्त एवं जिला कलेक्टर, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व अन्य संबंधित मुख्यालय स्तर के अधिकारियों की आज सायं वर्चुअल बैठक बुलाई है, जिसमें पूरे प्रदेश की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

मार्च 2026 तक 500 के नोट बंद होने की खबर फर्जी, पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया झूठा

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर फैल रही एक झूठी खबर का खंडन किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मार्च 2026 तक एटीएम से 500 रुपए के नोट देना बंद कर देगा। सरकार ने साफ कहा है कि यह दावा पूरी तरह गलत है। सरकार की फैक्ट-चेक एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ''आरबीआई मार्च 2026 तक एटीएम से 500 रुपए के नोट बंद कर देगा। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक मार्च 2026 तक 500 रुपए के नोटों का प्रचलन बंद कर देगा। यह दावा फर्जी है।'' एजेंसी ने कहा कि आरबीआई ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है और न ही कोई घोषणा की है। पीआईबी फैक्ट चेक ने यह भी स्पष्ट किया कि 500 रुपए के नोट पूरी तरह वैध हैं और अभी भी

चलन में हैं। लोगों से कहा गया है कि वे ऐसी अफवाहों पर भरोसा न करें और किसी भी खबर को साझा करने से पहले सरकारी स्रोतों से उसकी जांच जरूर करें। पिछले साल अगस्त में भी एक ऐसा ही व्हाट्सएप मैसेज वायरल हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि आरबीआई ने बैंकों को 30 सितंबर तक एटीएम के जरिए 500 रुपए के नोट जारी करना बंद करने का आदेश दिया है। उस समय भी सरकार ने इस खबर को गलत बताया था।

उस फर्जी मैसेज में यह भी कहा गया था कि मार्च 2026 तक 90 प्रतिशत एटीएम और सितंबर 2026 तक 75 प्रतिशत एटीएम से 500 रुपए के नोट मिलना बंद हो जाएगा। पीआईबी फैक्ट चेक ने तब भी साफ किया था कि केंद्रीय बैंक ने ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया है। फैक्ट चेक यूनिट ने लोगों को चेतावनी दी है कि इस तरह की गलत खबरें लोगों को धोखा देने के लिए फैलाई जाती हैं। किसी भी आर्थिक या बैंक से जुड़ी जानकारी को सिर्फ सरकारी और भरोसेमंद स्रोतों से ही जांचना चाहिए।

इंदौर में मौतें नहीं हत्या हुई है, एफआईआर दर्ज हो : जीतू पटवारी

भोपाल,02 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर कांग्रेस ने एक बार फिर हमला बोला है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन मौतों को सीधे तौर पर हत्या करार दिया है और प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की है। वहीं यूथ कांग्रेस ने इंदौर की घटना पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार की ओर से जो बयान आ रहे हैं, वह पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश है।

जहरीला पानी पीने से 15 लोगों की मौत हुई है अगर इसके लिए किसी को दोषी ठहराया जाए तो स्वाभाविक तौर पर इसके लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार सबसे घातक हथियार है। ये हत्याएं हुई हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि अधिकारियों में और महापौर में समन्वय की कमी है और सीएम मोहन यादव ने भी कहा कि अधिकारियों की कमी है। वहीं, महापौर ने भी अधिकारियों द्वारा उनकी बात न सुने जाने का आरोप लगाया है। जीतू पटवारी का आरोप है कि भाजपा अधिकारियों के सहारे अपने भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है। अधिकारी भी भ्रष्टाचार के हिस्सेदार हैं, भाजपा नेता अधिकारियों को टारगेट कर रहे, ये अपने पाप को छुपा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है, महापौर पर एफआईआर होना चाहिए। जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उस पर एफआईआर होना चाहिए। इसके साथ गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज किया जाना चाहिए।

जीतू पटवारी ने इंदौर की जरूरत और विकास पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इंदौर जितना टैक्स देता है उसके मुताबिक इस क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भोपाल की युवा कांग्रेस इकाई ने इंदौर की घटना के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छोटे तालाब के गंदे पानी में नाव पर बैठकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुतले को दूषित पानी पिलाया और उसी पानी में पुतले को डुबाकर विरोध जताया।

अगर गलत इस्तेमाल हो तो ईवीएम लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकती है : हरीश रावत

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने ईवीएम को लेकर कहा कि हम लोग और कांग्रेस पार्टी तकनीक के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन, अगर गलत इस्तेमाल किया जाए तो ईवीएम लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का यह बयान उस वक्त आया है, जब कर्नाटक के एक सर्वे में ईवीएम पर 83 फीसदी से ज्यादा लोगों ने भरोसा जताया है।

नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ईवीएम हम ही लाए थे, लेकिन अगर सत्ताधारी पार्टी उसका दुरुपयोग करना चाहे और चुनाव आयोग सरकार के साथ मिल जाए, तो ईवीएम लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकती है। हमको ईवीएम से ज्यादा ईवीएम को संचालित करने वालों और जिनकी देखरेख में संचालित हो रही हैं, उनकी मंशा पर शंका है। मुद्दा ईवीएम खुद नहीं है, बल्कि उन्हें चलाने वालों और देखरेख करने वालों की नीयत है। हम तकनीक के खिलाफ नहीं हैं।केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अगस्त

2027 तक भारत की पहली बुलेट ट्रेन शुरू करने की घोषणा पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अच्छी बात है, लेकिन बहुत देर कर दी। अभी तो बुलेट ट्रेन घूंघट में ही है। जब आएगी, तो उस समय इसके विषय में प्रतिक्रिया देंगे, लेकिन इतना जरूर चाहेंगे कि ये 1 या 2 स्थानों को नहीं, बल्कि हमारे जितने कॉमर्शियल इलाके दिल्ली सहित हैं, ये सब बुलेट ट्रेन के साथ जुड़ने चाहिए।

बांग्लादेशी क्रिकेटर को केकेआर की टीम में शामिल किए जाने पर हो रहे विवाद पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, जिस तरह से हिंदुओं को मारा जा रहा है, उससे हर भारतीय दुखी और गुस्से में है।उन्होंने कहा कि चाहे पाकिस्तान हो या बांग्लादेश, उनसे कैसे निपटना है, किस हद तक, किन मुद्दों पर और किस तरह के रिश्ते बनाए रखने हैं, यह केंद्र सरकार को तय करना चाहिए। हाथ मिलाने को लेकर एक बात कही गई। अब मीडिया में ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं, जिनमें जयशंकर पाकिस्तान की संसद के स्पीकर से हाथ मिलाते दिख रहे हैं। अगर खिलाड़ियों के लिए पाबंदियां हैं, तो राजनीतिक नेताओं के लिए भी साफ गाइडलाइंस होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि इसके लिए एसओपी भी होनी चाहिए। क्या करना है और क्या नहीं करना है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने अर्पित राठौर को किया गिरफ्तार, 14 लाख नकद जब्त

जालंधर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। डायरेक्टोरेट ऑफ एनफोर्समेंट (ईडी), जालंधर जोनल ऑफिस ने 31 दिसंबर 2025 को अर्पित राठौर के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसे बाद में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में तलाशी के दौरान गिरफ्तार किया गया। यह मामला एस. पी. ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट से जुड़ा है और प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत है। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक रिकॉर्ड, डिजिटल डिवाइस और 14 लाख रुपए की बेहिसाब नकदी बरामद और जब्त की गई। ईडी ने बीएनएसएस, 2023 के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, लुधियाना द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। इसी ग्रुप से जुड़े साइबर अपराध या डिजिटल अरेस्ट से संबंधित नौ अतिरिक्त एफआईआर को भी जांच में शामिल किया गया।ईडी की जांच में पता चला कि एस. पी. ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट के दौरान, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के अधिकारी बनकर धोखेबाजों ने उनसे 7 करोड़ रुपए वसूले। इसी ग्रुप ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर धोखाधड़ी घोटालों के जरिए दूसरों से 1.73 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की।जांच में पता चला है कि फंड आरोपी रूमी कलिता और अर्पित राठौर द्वारा संचालित कई म्यूल खातों के जरिए भेजे गए थे। गुवाहाटी के रहने वाले रूमी कलिता और कानपुर के अर्पित राठौर इन गतिविधियों में शामिल हैं। यह भी पता चला कि रूमी कलिता ने अतानु चौधरी के साथ उनकी कंपनी मेसर्स फ्रोजनमैन वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स और दूसरी कंपनी रिग्लो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खातों का इस्तेमाल अवैध कमाई को वैध करने के लिए किया।

नौ डिजिटल अरेस्ट मामलों से मिले फंड फ्रोजनमैन वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स के खातों में जमा किए गए, जबकि दो मामलों से मिली रकम रिग्लो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के खाते में डाली गई। इन रकमों को बाद में 200 से ज्यादा म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया, जिससे कमाई को दूसरी जगह भेजा जा सके।

कांग्रेस राज में बागवान बेहाल, एचपीएमसी की बदइंतजामी ने तोड़ी किसानों की कमर : संदीपनी भारद्वाज

शिमला,02 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने एचपीएमसी के माध्यम से समय पर खाद सामग्री उपलब्ध न होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में प्रदेश का बागवान आज बुरी तरह परेशान है और सरकार की कथित बागवान उत्थान की सभी गारंटियां पूरी तरह फेल साबित हो चुकी हैं। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि बागवानों को लोकमित्र केंद्रों और तहसीलों के चक्कर काटने को मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन अंततः उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। एचपीएमसी के भंडार खाली पड़े हैं और सेब बागवानी

के इस अहम समय में स्प्रे ऑयल व अन्य आवश्यक खाद सामग्री उपलब्ध न होना सरकार की घोर लापरवाही और नाकामी को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार कागजों में योजनाएं और घोषणाएं करती है, लेकिन जमीन पर बागवानों को उसका कोई लाभ नहीं मिल रहा। समय पर खाद और स्प्रे न मिलने से फसलों पर विपरीत असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है, जिससे बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि बागवान पहले ही मौसम की मार, बढ़ती लागत और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझ रहा है, ऊपर से कांग्रेस सरकार की नाकामी ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एचपीएमसी जैसी संस्थाओं को पूरी तरह पंगु बना दिया गया है और सरकार का कोई भी विभाग जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

संदीपनी भारद्वाज ने प्रदेश सरकार से मांग की कि एचपीएमसी के भंडारों में तुरंत खाद सामग्री उपलब्ध करवाई जाए और बागवानों को राहत दी जाए।

शाहरुख खान तय करें वे भारत के साथ हैं या देशविरोधी ताकतों के : प्रवीण

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को शाहरुख खान की आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में खरीदे जाने पर विवाद गहरा गया है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अब शाहरुख को फैसला लेना है कि वे भारत के साथ खड़े हैं या फिर देशविरोधी ताकतों के साथ। फैसला तो उन्हें ही लेना होगा। दरअसल बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की खबरों के बाद प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने शाहरुख खान के बांग्लादेशी क्रिकेटर को टीम में लेने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि या तो वे स्पष्ट करें कि वे हमारे साथ हैं या स्वीकार करें कि यह विश्वासघात है। सांसदों के प्रोटोकॉल के लिए नियम पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि मैंने सिर्फ इतना कहा है कि भारत सरकार ने सांसदों के प्रोटोकॉल के लिए नियम बनाए हैं। हो सकता है कि कुछ अधिकारियों को इस प्रोटोकॉल के बारे में पता न हो। इसलिए मैंने सुझाव दिया कि उन्हें अपने सीनियर अधिकारियों से सलाह लेनी चाहिए ताकि वे समझ सकें कि पार्लियामेंट प्रोटोकॉल में क्या-क्या होता है, ताकि पार्लियामेंट ऑफिस से आने वाले किसी भी कम्युनिकेशन को गंभीरता से लिया जाए।भाजपा नेता प्रदीप भंडारी के एक्स पोस्ट में राहुल गांधी की एक तस्वीर

साझा करने पर भाजपा सांसद ने कहा कि चाहे राहुल गांधी हों या दूसरे कांग्रेस नेता, उनके संबंध ऐसी ताकतों से हैं जो देश को बांटना चाहती हैं।

जब भी राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो वे ऐसे लोगों से मिलते हैं जो भारत के खिलाफ काम करते हैं, चाहे वह जॉर्ज सोरोस हों या कोई और। हमें समझ नहीं आता कि राहुल गांधी असल में क्या चाहते हैं। इसीलिए कांग्रेस अपने सर्वनाश की ओर बढ़ रही है।उन्होंने दावा किया है कि तमिलनाडु में जब चुनाव होंगे तो हम यकीनन कह सकते हैं कि एनडीए चुनाव जीतकर सत्ता में आएगी।बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर उन्होंने कहा कि वहां की सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं की रक्षा करे। हमारी सरकार बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मुझे लगता है कि बहुत जल्द इस मामले का हल होगा।रेल मंत्री के बुलेट ट्रेन की घोषणा पर भाजपा सांसद ने कहा कि बुलेट ट्रेन एक सपना था जो साकार होने जा रहा है।

इसका सारा क्रेडिट पीएम मोदी के नेतृत्व को दिया जाना चाहिए।भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि साल 2026 शुरू हो गया है और हमारी सरकार में बड़े प्रशासनिक बदलाव हुए हैं। मैं कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस जिम्मेदार गवर्नेंस की बात की है, वह चांदनी चौक में लागू होगी। आज के जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को संबंधित विभागों ने नोट कर लिया है और उनकी एटीआर जल्द ही डीएम ऑफिस और मेरे ऑफिस में जमा की जाएंगी। इसके साथ विधायक और पार्षद स्थिति पर नजर रखेंगे। नागरिकों से भी अपील है कि वे सहयोग करें।भाजपा नेता पूनम भारद्वाज ने कहा कि हमारे इलाके के लोग हमारे सांसद प्रवीण खंडेलवाल और डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने अपना कीमती समय निकालकर जनसंवाद किया और लोगों की समस्याएं सुनीं।

'स्पिरिट' से 'जेलर 2' तक, हॉरर-कॉमेडी, एक्शन से भरपूर ये फिल्में 2026 में करेंगी दर्शकों का मनोरंजन

साल 2026 दक्षिण भारतीय सिनेमा के लिए यादगार साल होने वाला है। तेलुगू, तमिल और कन्नड़ की कई बड़ी फिल्में रिलीज होंगी, जिनमें एक्शन, हॉरर-कॉमेडी, गैंगस्टर ड्रामा और थ्रिलर समेत हर जॉनर की फिल्में शामिल हैं। प्रभास, थलापति विजय, यश और रजनीकांत जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में पैन इंडिया स्तर पर धमाल मचाएंगी। ये फिल्में मसाला, इमोशंस और विजुअल्स से थिएटर्स को हाउसफुल करने वाली हैं। साउथ इंडियन फिल्मों के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है कि इस साल एक-दो नहीं बल्कि कई फिल्में रिलीज होंगी।

इस लिस्ट में प्रभास की 'द राजा साब', थलापति विजय की 'जन नायगन' और रजनीकांत की 'जेलर 2' के साथ अन्य फिल्में शामिल हैं। द राजा साब : प्रभास स्टारर द राजा साब एक रोमांटिक हॉरर-कॉमेडी फैंटसी फिल्म है। फिल्म में प्रभास एक युवा उत्तराधिकारी की भूमिका में हैं, जो रॉयल विरासत के लिए विषम परिस्थितियों के बीच सामने आता है और राजा साब बनता है। प्रभास के साथ फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, संजय दत्त और रिद्धि कुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्देशक मारुति की यह फिल्म तेलुगू के अलावा हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी को रिलीज होगी।

जन नायकन : थलापति विजय की यह आखिरी फिल्म मानी जा रही है, इसके बाद वह राजनीति में पूरी तरह से फोकस करेंगे। यह पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर है, जिसमें विजय

जन नायक के रूप में न्याय और शक्ति की लड़ाई लड़ते नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज और प्रियमणि हैं। निर्देशक एच. विनोद की फिल्म भी 9 जनवरी को ही रिलीज होगी।

माना शंकर वारा प्रसाद गुरु: बहुप्रतीक्षित फिल्म में मेगास्टार चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ नयनतारा लीड हीरोइन हैं। यह फिल्म 12 जनवरी को संक्रांति पर रिलीज होगी। निर्देशक अनिल रविपुडी पहली बार चिरंजीवी के साथ काम कर रहे हैं।

भरता महासयुलकु विग्नयप्ति मास्टर: रवि तेजा की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन किशोर तिरुमाला ने किया है। यह फिल्म जनवरी में संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कम बजट में बनी यह फिल्म अपनी भावुक और दिल छूने वाली कहानी से दर्शकों का मनोरंजन करेगी। फिल्म में रवि तेजा अलग अंदाज में नजर आएंगे।

नारी नारी नडुमा मुरारी: यह मनोरंजक और हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन राम अब्बाराजू ने किया है। फिल्म की कहानी त्योहार के उत्साही माहौल में सेट है, जहां परिवार, रिश्ते और हंसी-मजाक की भरमार है। इसमें रोजमर्रा की जिंदगी की मजेदार स्थितियां और दिल छूने वाले पल दिखाए गए हैं। संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को रिलीज हो रही यह फिल्म पूरे परिवार के साथ देखने लायक है।

टॉक्सिक: यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा है। गोवा की ड्रग कार्टेल पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म एक्शन से भरपूर है। 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश के साथ ही छह भाषाओं में रिलीज होगी।

स्पिरिट: प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा की पहली जोड़ी वाली स्पिरिट एक हाई-वोल्टेज एक्शन ड्रामा है। फिल्म में प्रभास एक गुस्सैल पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं, जिसमें इंटेंस इमोशंस और रॉ एक्शन होगा। उनके साथ तृप्ति डिमरी लीड हीरोइन हैं, जबकि विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज अहम रोल में हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी की पैन इंडिया फिल्म की पहली झलक हाल ही में सामने आई है।

जेलर 2: साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों की बात करें तो रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी है, जो 12 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। साल 2023 की ब्लॉकबस्टर जेलर के सीक्वल जेलर 2 में रजनीकांत फिर से 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन के रोल में धमाल मचाएंगे। डार्क ह्यूमर और एक्शन से भरपूर फिल्म में रजनीकांत के साथ योगी बाबू, राम्या कृष्णन और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार की फिल्म में संगीत अनिरुद्ध का है।

फिल्म इक्कीस में अगस्त्य नंदा की एक्टिंग देख दर्शक बने फैन, धर्मेंद्र ने किया इमोशनल

अगस्त्य नंदा, सिमर भाटिया, जयदीप अहलावत और धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिलाजुला रिस्पांस देखने को मिल रहा है। दर्शकों को अगस्त्य नंदा की एक्टिंग पसंद आई, लेकिन फिल्म के पहले हॉफ को दर्शकों ने थोड़ा स्लो और बोरिंग बताया। तो चलिए जानते हैं कि फिल्म 'इक्कीस' देखकर आए दर्शकों का क्या कहना है। 'इक्कीस' देखकर आए एक दर्शक ने समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए कहा कि फिल्म अच्छी है और देशभक्ति के जज्बे को दिखाती है, लेकिन फिल्म का पहला पार्ट थोड़ा लंबा और स्लो है, जो फिल्म को बोरिंग बनाता है, लेकिन सेकेंड हॉफ में फिल्म बहुत इंटरेस्टिंग हो जाती है, क्योंकि सेकेंड हॉफ में वॉर के सीन्स को फिल्माया गया है, जो आंखें नम कर देने वाले थे। दर्शक ने बताया कि धर्मेंद्र की आवाज और अदाकारी ने इमोशनल कर दिया।एक अन्य दर्शक ने बताया कि धर्मेंद्र फिल्म की आत्मा हैं। दर्शक ने अगस्त्य नंदा की एक्टिंग की तारीफ कर कहा कि वे रोमांस और एक्शन दोनों ही मामलों में हीरो मटीरियल हैं और उनका फ्यूचर बहुत ब्राइट है। जयदीप अहलावत ने भी बहुत अच्छा काम किया है।एक महिला दर्शक ने बताया कि वे फिल्म सिर्फ धर्मेंद्र को देखने गई थीं, क्योंकि उनके निधन के बाद उन्हें स्क्रीन पर देखने का यह आखिरी मौका था। दर्शक अभिनेता से एक इमोशनल कनेक्शन फील करते हैं। महिला ने बताया कि फिल्म में निर्देशक श्रीराम ने वॉर के दृश्यों को बहुत अच्छे से दर्शाया है और फिल्म का डायरेक्शन भी बहुत अच्छा है।फिल्म 'इक्कीस' पहले दिसंबर के महीने में रिलीज होनी थी, लेकिन फिल्म 'धुरंधर' की वजह से फिल्म की रिलीज को टालना पड़ा। फिल्म तकरीबन 200 करोड़ के बजट में तैयार हुई है, और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म पहले दिन 5 करोड़ की ओपनिंग कर सकती है। माना ये भी जा रहा है कि फिल्म 'धुरंधर' आज भी सिनेमाघरों में देखी जा रही है और ये फिल्म 'इक्कीस' की कमाई पर असर डाल सकती है।

2026 में तहलका मचाने के लिए तैयार दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के लिए साल 2025 विवादों से घिरा रहा है, लेकिन साल 2026 में वे स्क्रीन पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिन पर वे लगातार काम कर रही हैं। मां बनने के बाद अभिनेत्री ने बीते साल पर्दे से दूरी बनाकर रखी थी, लेकिन अब वे साल 2026 को पूरी तरीके से अपने नाम करने के लिए तैयार हैं। दीपिका पादुकोण, विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित पौराणिक ड्रामा महावतार में एक अहम भूमिका निभाती दिख सकती हैं। फिल्म में उनके किरदार को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका का नाम फाइनल हो चुका है। वहीं, दीपिका पादुकोण एक बार फिर शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आने वाली हैं। फिल्म के टीजर और पोस्टर भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। दीपिका, शाहरुख खान की लगभग हर फिल्म में होती हैं, क्योंकि अभिनेता का मानना है कि दीपिका उनके लिए लकी हैं। टाइगर वर्सेस पठान साल 2026 की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है, क्योंकि फिल्म में करण-अर्जुन का मिलन होने वाला है। मतलब शाहरुख खान और सलमान खान लंबे समय के बाद स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का नाम सामने आ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका का नाम फाइनल हो चुका है, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट 2: देव में भी दीपिका पादुकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पहले फिल्म में दीपिका की छोटी सी झलक दिखाई गई थी, लेकिन दूसरे पार्ट में अभिनेत्री का नया वर्जन देखने को मिल सकता है।

शाहरुख की मचअवेटेड फिल्म पठान-2 भी साल 2026 में रिलीज होगी और एक बार फिर शाहरुख खान के साथ दीपिका नजर आने वाली हैं। फिल्म के पहले पार्ट में शाहरुख के साथ दीपिका ही थी। निर्देशक एटली कुमार अपने अगले प्रोजेक्ट एए22एे6 में अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अपोजिट दीपिका पादुकोण को साइन किया जा चुका है और फिल्म में जाह्नवी कपूर भी होंगी। यह साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। इसके नए नाम की घोषणा भी जल्द की जाएगी।

फिल्म धुरंधर लद्दाख में टैक्स-फ्री घोषित

साल 2025 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्मों में से एक 'धुरंधर' को अब केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में टैक्स-फ्री कर दिया गया है। लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने इसकी घोषणा की है। लद्दाख की स्थानीय सरकार भी फिल्म की लोकप्रियता और सिनेमाई महत्व को मान्यता दे रही है। इस फिल्म में दिखाए गए खूबसूरत नजारे और एक्शन सीक्वेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर अपार सफलता हासिल कर रही है, इसका निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं, जो हमजा नाम के एक रॉ एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसी प्रमुख हस्तियां नजर आ रही हैं। कहानी पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड, आतंकवाद और खतरनाक गैंगवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें आईबी एजेंट अजय सान्याल (आर. माधवन) की योजना के तहत हमजा दुश्मन के गढ़ में घुसपैठ करता है और आतंकवाद के नेटवर्क को ध्वस्त करने के मिशन को अंजाम देता है। फिल्म की कहानी और इसके किरदार दर्शकों को शुरुआत से ही बांधकर रखते हैं। हमजा का किरदार अपने मिशन के दौरान कई खतरों और चुनौतियों का सामना करता है। अक्षय खन्ना ने खतरनाक गैंगस्टर रहमान डकैत का किरदार निभाया है, जबकि संजय दत्त एसपी चौधरी असलम की भूमिका में हैं और अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है।'धुरंधर' फिल्म का एक बड़ा हिस्सा लद्दाख में शूट हुआ।

नीलम गिरी के प्यार में खेसारी लाल यादव

'बुलबुल' में दिखी जबरदस्त रोमांटिक केमिस्ट्री

भोजपुरी के जाने माने सिंगर खेसारी लाल यादव ने फैंस को 2 जनवरी की सुबह तोहफा दे दिया है, क्योंकि उनका बहुप्रतीक्षित गाना 'बुलबुल' रिलीज हो चुका है। सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने के लिए खेसारी लाल यादव के साथ गाने में नीलम गिरी बुलबुल बन खेसारी का दिल चुरा रही हैं। तो चलिए जानते हैं कि खेसारी के नए गाने में क्या खास है। खेसारी लाल यादव ने साल 2026 का पहला गाना 'बुलबुल' रिलीज कर दिया है। लव रोमांटिक सॉन्ग में खेसारी नीलम गिरी के प्यार में दीवाने दिख रहे हैं और उन्हें अपनी बुलबुल बता रहे हैं। खेसारी का कहना है कि उनकी बुलबुल को घास चुभ सकती है क्योंकि वे इतनी ज्यादा कोमल हैं। गाने में नीलम गिरी की अदाएं भी जबरदस्त हैं और दोनों की

केमिस्ट्री खूब जंच रही है। गाने को खेसारी लाल यादव और शिल्पी राज ने मिलकर गाया है, जबकि गाने के लिरिक्स छोटू यादव ने लिखे हैं और संगीत आर्य शर्मा का है।

सिंगर ने साल की शुरुआत ही रोमांटिक गाने से की है और उनके फैंस भी रोमांटिक गाना सुनकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने खेसारी की तारीफ कर लिखा, साल का पहला गाना हो तो ऐसा, बवाल पे बवाल सॉन्ग आ रहा है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, क्या बवाल सॉन्ग दिया है, बाबा रे। जनता पागल हो रही है। ये गाना सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाला है।

इससे पहले 'बुलबुल' सॉन्ग का टीजर और पोस्टर भी रिलीज हुआ था, जिसके बाद से ही फैंस गाने के रिलीज का इंतजार कर रहे थे। अब गाना रिलीज होते ही फैंस सोशल मीडिया पर गाने को अच्छा रिस्पांस दे रहे हैं। खबर लिखे जाने तक गाने पर 20 हजार व्यूज 1 घंटे होने से पहले आ चुके हैं।

खेसारी ने बीते साल भी कई सॉन्ग रिलीज किए, जिन्हें खूब पसंद किया गया था। उनका हालिया रिलीज सॉन्ग 'वो हिलाएगी कमर न्यू ईयर में' भी साल के आखिरी दिन रिलीज किया गया था, जिसमें उनके साथ रिया शारदाना थी। ये पार्टी सॉन्ग था, जिसका म्यूजिक कैची होने के साथ लिरिक्स भी हटकर थे।

जनवरी में चार ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नए साल के पहले महीने में कई प्रमुख ग्रहों का राशि परिवर्तन और चाल में बदलाव देखने को मिलेगा। जनवरी 2026 में कुल मिलाकर चार ग्रहों का राशि परिवर्तन होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 का पहला महीना ग्रह गोचर की दृष्टि से बहुत ही खास रहने वाला है। इस महीने में सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ- साथ मंगल, बुध और शुक्र ग्रह भी गोचर करेंगे। जनवरी महीने के ग्रह गोचर का असर सारी 12 राशियों पर पड़ेगा। कुछ राशि वालों के लिए जनवरी का ग्रह गोचर शुभ रहेगा। वहीं कुछ राशि के जातक को इस गोचर से सावधान रहने की आवश्यकता है।

ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि जनवरी 2026 में सूर्य 14 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल 16 जनवरी को मकर राशि में गोचर करेंगे। ग्रहों के राजकुमार बुध 17 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र ग्रह 13 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करेंगे। ऐसे में कुछ राशि के जातकों के लिए जनवरी के महीने में विशेष सावधानियां बरतनी होगी। ज्योतिष गणना के अनुसार जब कोई ग्रह राशि परिवर्तन करता है, तो उसका असर हर राशि के जातकों के जीवन पर पड़ता है।

सूर्य का गोचर

वर्तमान में सूर्य देव धनु राशि में विराजमान हैं। वे 13 जनवरी 2026 तक इसी राशि में रहेंगे। इसके बाद 14 जनवरी को सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के इस गोचर से कई राशियों के जातकों को नौकरी और कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग बनेंगे। इसी दिन मकर संक्रांति का पर्व भी मनाया जाएगा, जो नई शुरुआत और उन्नति का प्रतीक माना जाता है।

शुक्र का गोचर

सुख-सुविधाओं और ऐश्वर्य के कारक शुक्र देव 12 जनवरी तक धनु राशि में रहेंगे। इसके बाद 13 जनवरी 2026 को वे मकर राशि में गोचर करेंगे। शुक्र के इस परिवर्तन से कई राशियों के जातकों को भौतिक सुख, धन-लाभ और रिश्तों में मधुरता का अनुभव हो सकता है।

मंगल का गोचर

ग्रहों के सेनापति मंगल फिलहाल धनु राशि में हैं और 15 जनवरी 2026 तक वहीं रहेंगे। इसके बाद 16 जनवरी को मंगल मकर राशि में प्रवेश करेंगे और 22 फरवरी तक इसी राशि में स्थित रहेंगे। मंगल का यह गोचर करियर, साहस और आत्मविश्वास को मजबूत करेगा। कई लोगों को मनचाही सफलता और पद-प्रतिष्ठा मिलने के संकेत हैं।

बुध का गोचर

ग्रहों के राजकुमार बुध 17 जनवरी को मकर राशि में गोचर करेंगे। बुध का यह परिवर्तन व्यापार, निवेश और संचार से जुड़े क्षेत्रों में लाभ दिला सकता है।

शुभ प्रभाव - मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन

अशुभ प्रभाव - वृष, सिंह, तुला और कुंभ

मिलाजुला प्रभाव - मेष कर्क, कन्या और धनु

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

बीमारियों के इलाज में भी नए-नए आविष्कार होंगे। नई-नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी। कोरोना के नए वेरिएंट का नहीं होगा भारत पर बड़ा असर। दुर्घटनाएं अप्रिय घटनाएं हिंसा, प्राकृतिक आपदा होने की आशंका। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। शुक्र बुध और सूर्य के राशि परिवर्तन से व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आर-ोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

करें पूजा-पाठ और दान

ग्रहों के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

साल के पहले शनिवार करें ये पांच उपाय करने से पूरे वर्ष बनी रहेगी शनिदेव की कृपा

नए साल 2026 की शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान ग्रहों के कई बड़े बदलाव होंगे, जिससे सभी के जीवन में अलग-अलग प्रभाव देखने को मिलेगा। ऐसे में नए वर्ष की शुरुआत में अगर कुछ खास उपाय कर लिए जाएं तो इससे भाग्य का साथ मिल सकता है। हिंदू धर्म में शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में साल के पहले शनिवार को कुछ खास उपाय करने से जातक को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है और बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है। श्रद्धापूर्वक शनिवार के उपाय करने से तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं व धन संबंधी समस्याओं से भी मुक्ति मिल सकती है।

शनिवार को दीपक का उपाय

शनिदेव की कृपा प्राप्त करने और जीवन की बाधाओं को दूर करने के लिए शनिवार को एक सरल उपाय अवश्य करना चाहिए। इसके लिए स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करें। इसके पश्चात, शनि मंदिर में काली बाती से सरसों तेल का दीपक जलाएं। साथ ही, एक दीया पीपल के वृक्ष को भी जरूर दिखाएं। साल के पहले शनिवार के दिन इस उपाय को करने से जातक पर पूरे वर्ष शनिदेव की कृपा बनी रह सकती है। साथ ही, जरूरी कार्यों और जीवन में आने वाली बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है।

धन संबंधी समस्याएं दूर करने का उपाय

साल के पहले शनिवार के दिन दान करना बेहद पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को तिल से बनी चीजों का दान करना चाहिए। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और कुंडली में शनि की स्थिति मजबूत हो सकती है। साथ ही, शनिवार को दान करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है। ऐसे में घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगती है।

जीवन से नकारात्मकता दूर करने का उपाय

अगर आपको कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता प्राप्त नहीं हो रही है, तो शनिवार को एक सरल उपाय कर सकते हैं। इसके लिए साल के पहले शनिवार को एक लोहे के बर्तन में सरसों का तेल भर लें। अब इसमें अपना मुख देखें और तेल को लेजाकर किसी गरीब को दान कर दें। इस उपाय को करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है और तरक्की में आ रही बाधाएं भी दूर हो सकती हैं। शनिवार को सरसों तेल का यह उपाय जीवन से नकारात्मक

प्रभावों को दूर करता है और इससे सफलता के नए द्वार खुल सकते हैं।

जीवन के दुख दूर करने का उपाय

कई बार जीवन में एक के बाद एक कई दुख आने लगते हैं और प्रयासों के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। जीवन के दुखों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए पहले एक नारियल का मुंह काटकर उसमें शक्कर और आटा भर दें। अब शाम के वक्त नारियल को किसी सुनसान स्थान पर दबाएं। इस नारियल को कुछ ऐसे मिट्टी के अंदर दबाएं कि उसका मुंह थोड़ा ऊपर की ओर रहे। अब बिना पीछे मुड़े घर वापस लौट जाएं। इस उपाय से जीवन के कष्टों से मुक्ति मिल सकती है और भाग्य आपका साथ दे सकता है।

शनिदेव को प्रसन्न करने का उपाय

शनिवार के दिन सुबह स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके पश्चात, विधि-विधान से शनिदेव की पूजा करें और शनि मंदिर में सरसों के तेल का दीपक अवश्य जलाएं। साथ ही, इस दिन उपाय के तौर पर 21 बार शनि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और पूरे वर्ष उनकी कृपा जातक पर बनी रह सकती है। इस उपाय से शनि के प्रतिकूल प्रभावों से भी राहत मिल सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

पौष पूर्णिमा के सरल उपाय करने पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से मिलता है पुण्य फल

हिंदू धर्म में पौष पूर्णिमा व्रत का खास महत्व होता है। मान्यता है कि इस शुभ तिथि पर व्रत और विधि-विधान से पूजा करने से व्रती को बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान है। साथ ही, इसके अगले दिन स्नान, दान आदि कार्य करने से जीवन में सभी प्रकार के सुख प्राप्त हो सकते हैं। पौराणिक मान्यता है कि पौष पूर्णिमा का व्रत करने से जातक को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिल सकती है।

पौष माह शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 2 जनवरी, शुक्रवार को शाम के समय 6 बजकर 54 मिनट से हो गई और इसका समापन आज यानी 3 जनवरी, शनिवार को शाम के वक्त 5 बजकर 35 मिनट पर होगा। वहीं, स्नान-दान का शुभ समय आज 3 जनवरी को रहेगा।

पौष पूर्णिमा 2026 स्नान दान शुभ मुहूर्त पूर्णिमा व्रत के आज यानी 3 जनवरी, शनिवार के दिन सुबह के समय 7 बजकर 30 मिनट तक स्नान, दान आदि कार्य करना सबसे उत्तम रहेगा। हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि के दिन स्नान और दान का खास महत्व होता है। ऐसा करने से जातक को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, पापों से भी मुक्ति मिल सकती है।

पौष पूर्णिमा के उपाय

इस पवित्र तिथि पर शुभ मुहूर्त में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान शिव की पूजा भी अवश्य करनी चाहिए। इसके पश्चात, चंद्रदेव की पूजा करें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। पौष पूर्णिमा के दिन इस उपाय को करने से कुंडली में चंद्र दोष से राहत मिल सकती है। साथ ही, जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं।

पौष पूर्णिमा पर स्नान और दान करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में शुभ मुहूर्त में स्नान करने के बाद जरूरतमंदों को अनाज, कंबल, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। इस उपाय को करने से जातक को लक्ष्मीनारायण की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, पापों से मुक्ति मिल सकती है।

पूर्णिमा तिथि पर शाम के समय भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने एक घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। और मन में अपने मनोकामना बोलकर विधि-विधान से पूजा करें। ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आ सकती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मकर संक्रांति पर एकादशी तिथि का संयोग

सूर्यदेव और भगवान विष्णु दोनों की प्राप्त होगी कृपा

मकर संक्रांति के पर्व बेहद ही शुभ और धार्मिक और सांस्कृतिक रुप से बेहद ही खास माना गया है। मकर संक्रांति का पर्व हर साल तब मनाया जाता है जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन दान पुण्य स्नान और पूजा पाठ का विशेष महत्व है। लेकिन, इस बार मकर संक्रांति की तारीख को लेकर थोड़ा कंफ्यूजन बना हुआ है। साथ ही इस बार मकर संक्रांति पर एकादशी तिथि का संयोग भी है।

14 को मकर संक्रांति है लेकिन अबकी बार सूर्य दोपहर के बाद 3 बजकर 6 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश कर रहे हैं ऐसे में पुण्य काल का समय दिन में 8 बजकर 42 मिनट से शुरू होगा। अबकी बार मकर संक्रांति के दिन षटतिला एकादशी का भी संयोग बना है जिससे अबकी बार सूर्यदेव के साथ भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होगी। साथ ही इस बार मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को मनाया जाएगा।

क्या मकर संक्रांति पर इस बार कर पाएंगे चावल और खिचड़ी का दान ?

मकर संक्रांति पर इस बार एकादशी तिथि का संयोग भी है। ऐसे में इस दिन चावल का सेवन न करके आप चाहे तो दान कर सकते हैं। इसके बाद आप 17 जनवरी शनिवार के दिन खिचड़ी बनाकर खा सकते हैं और खिचड़ी का दान पुण्य भी कर सकते हैं।

मकर संक्रांति पर क्या करें

मकर संक्रांति के दिन इस बार एकादशी और संक्रांति है ऐसे में इस दिन तिल, गुड़, गरम कपड़े और खिचड़ी का दान करें। इस दिन दान पुण्य करने से पापों का नाश होता है।

मकर संक्रांति के दिन गंगा या किसी पवित्र नदी में जाकर स्नान करें। साथ ही इस दिन पितरों के नाम से तर्पण आदि करना चाहिए।

मकर संक्रांति का पौराणिक महत्व

पौराणिक कथाओं में भी मकर संक्रांति का उल्लेख मिलता है। महाभारत काल के अनुसार, भीष्म पितामह जब तीर की शय्या पर लेटे थे तो उन्होंने मकर संक्रांति तक उन्होंने अपने प्राण त्यागने का इंतजार किया था। भीष्म पितामह ने मकर संक्रांति के दिन ही अपने प्राण त्यागे थे। मकर संक्रांति (उत्तरायण) को बहुत ही पुण्यदायी माना गया है।

सूर्य, चंद्रमा और गुरु का शक्तिशाली समसप्तक राजयोग से निम्न राशियों को धन लाभ के संकेत

3 जनवरी 2026, शनिवार को सूर्य के साथ चंद्रमा और गुरु 180 डिग्री के कोण पर समसप्तक योग बन रहा है। ज्योतिष की नजर में इसे फलदायी और बेहद शुभ योग माना जाता है। इस दौरान चंद्रमा और गुरु मिथुन राशि में स्थित रहेंगे, जबकि सूर्य धनु राशि में विराजमान होंगे। गुरु और चंद्रमा की युति होने से व्यक्ति को धन और बड़ी सफलताएं मिलती हैं। जबकि, नवग्रहों के राजा सूर्य आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता प्रदान करते हैं। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को करियर में सफलता मिलती है, धन लाभ के अवसर प्राप्त होते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

मेष –राशि का स्वामी मंगल-सौम्य ग्रहों की संगति में है। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। रात्रि का समय प्रियजनों से भेंट व आमोद-प्रमोद में बीतेगा।

वृष –आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन –राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में उम्मीद के मुताबिक सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क –चन्द्रमा द्वादश भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

सिंह –राशि का स्वामी सूर्य धनु राशि पंचम पराक्रम भाव में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या –राशि स्वामी बुध चतुर्थ भाव पराक्रम वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी।

तुला –आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। प्रणय सम्बन्ध प्रगाढ़ता की ओर बढ़ेंगे।

वृश्चिक –आपकी राशि पर शनि की स्थिति पंचम संतान लक्ष्मी भाव में हो गई है। फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

धनु –आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात तक सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर –आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ –आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि उदय चल रहा है। ऐसे में बिना कारण शत्रुता पैदा हो सकती है। अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि से निराशा हो सकती है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े या विवाद से बचें।

मीन –आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का त्रिकोण योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है।

संपादकीय

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग-वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात-आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं।

कुछ अलग

महल में कमी

एक राजा था। वह एक संत के पास जाया करता और उनका सत्संग किया करता था। उस राजा ने अपने लिए एक महल बनाया। पहले उसके कई महल थे, पर अब ऐसा महल बनाया, जिसमें आराम की सब चीजें हों और उसमें ज्यादा ठाट-बाट से रहें। राजा ने सन्त से कहा कि महाराज! एक दिन आप चलो, हमारी कुटिया पवित्र हो जाए! सन्त उसको टालते गए। राजा ने बहुत बार कहा तो एक दिन सन्त बोले कि अच्छा भाई, चलो। राजा ने सन्त को महल दिखाना आरम्भ किया कि यह हमारे रहने की जगह है, यह हमारे पंचायती की जगह है, यह भोजन की जगह है, यह शौच-स्नान की जगह है, आदि-आदि। सन्त चुपचाप देखते रहे, कुछ बोले नहीं। अगर वाह-वाह करते हैं तो हिंसा लगती है। कारण कि मकान बनाने में बड़ी हिंसा होती है! बहुत-से जीव मरते हैं। चूहे, सांप, गिलहरी आदि के रहने और चलने-फिरने में आड़ लग जाती है, क्योंकि जितने हिस्से में मकान बना है, उतने हिस्से में वे जा नहीं सकते, स्वतन्त्रता से घूम नहीं सकते। पहले उतने हिस्से में सब जीवों का हक लगता था, पर अब केवल एक का ही हक लगता है। सन्त कुछ बोले नहीं तो राजा ने समझा कि महाराज को मकान पसन्द नहीं आया। राजा लोग चतुर होते हैं। राजा ने पूछ लिया कि महाराज! महल में कमी क्या है? सन्त बोले कि कमी तो इसमें बड़ी भारी है! राजा ने विचार किया कि बड़े-बड़े कुशल कारीगरों ने महल बनाया है। उन्होंने कोई कमी बाकी नहीं छोड़ी। जहां कमी दिखी, उसको पूरा कर दिया। परन्तु बाबा जी कहते हैं कि कमी है, और वह भी मामूली नहीं है, बड़ी भारी कमी है!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

ललित गर्ग

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी। दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़लिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है। भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है। हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा। नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं। साथ ही 'स्वदेशी' के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए। सामाजिक जीवन में भी नए संकल्पों की आवश्यकता है। नशा, दिखावा और आडंबर हमारी सामाजिक ऊर्जा को खोखला करते हैं। सादगी, संयम और मूल्यबोध को प्रोत्साहित करना समय की माँग है। विवाह और सामाजिक संस्कारों को बाज़ारू प्रदर्शन से मुक्त कर मानवीय संबंधों की गरिमा से जोड़ना होगा। यही नहीं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जल-संरक्षण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व-ये सभी नए साल के अनिवार्य संकल्प होने चाहिए। तकनीक और परंपरा के संतुलन के बिना इक्कीसवीं सदी का भारत आगे नहीं बढ़ सकता। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है, पर इस प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विकास का सही अर्थ वही है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सम्मानित और सुरक्षित महसूस करे। 2026 में हमें बड़े बदलाव के लिए छोटे-छोटे लेकिन ठोस कदम उठाने होंगे। नए संकल्पों के पौधे रोपने होंगे, विकास एवं विवेक के नए 'स्वास्तिक' रचने होंगे-पर इसके लिए मौसम और माहौल दोनों बनाना पड़ेगा। सकारात्मक सोच, सामाजिक विश्वास और राजनीतिक सद्भाव-यही वह वातावरण है, जिसमें परिवर्तन के बीज फलते-फूलते हैं। तैयारी के बिना संकल्प खोखले रह जाते हैं; इसलिए नीति, नियत और नियोजन-तीनों का समन्वय अनिवार्य है। अंततः नया साल 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास अवसर देता है, पर दिशा हमें स्वयं तय करनी होती है। यदि हम शांति को प्राथमिकता, लोकतंत्र को आचरण और समाधान को संस्कृति बना लें, तो यह वर्ष केवल एक कैलेण्डर नहीं, बल्कि एक युगांतकारी मोड़ सिद्ध हो सकता है। भारत यदि अपनी आत्मा-अहिंसा, सहअस्तित्व और करुणा के साथ आगे बढ़ता है, तो 2026 न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आशा और प्रकाश का वर्ष बनेगा। दुनिया को नयी दिशा एवं दृष्टि देने में सक्षम होगा।

दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़लिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है।

देश दुनिया से

छात्रों की फिटनेस पर सोचें अभिभावक-स्कूल

चालीस पार करते ही कई युवा बुढ़ापे की तरफ जा रहे हैं। जब इस बात का अध्ययन किया तो पता चलता है कि बचपन से लेकर अठारह वर्ष तक यानी विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम की कमी रही थी। साथ-साथ आजकल अपने आसपास पिछले एक वर्ष में दर्जनों युवाओं ने हृदयघात से दुनिया कोअलविदा कह दिया है। जब किशोर अवस्था में फिटनेस पर काम नहीं होगा तो ऐसे हालात आम देखने को मिलेंगे। जब मन का विकास स्कूल का काम है तो फिर विद्यार्थी के स्वास्थ्य का जिम्मेदार कौन? शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार चालीस प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए।

हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडना तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडने व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें स्कूली पाठ्यक्रम के साथ-साथ ही उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम देना होगा, तभी हम सही अर्थों में अपनी अगली पीढ़ी को संपूर्ण शिक्षित कर सकते हैं जो अपनी आगामी जिंदगी में बिल्कुल स्वस्थ रहकर देश व प्रदेश के लिए साठ वर्ष तक अपने हुनर की सेवाएं दे सकें।

आप का नज़रिया

हिमाचली उत्पादों की टोकरी

पारंपरिक कौशल को नए मुकाम तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिमला में होने जा रहा एमएसएमई फेस्ट, काफी उत्साहित और उम्मीदों भरी जिज्ञासा पैदा कर रहा है। थीम में एक जिला, एक उत्पाद की टोकरी में धरती की अमानत, परंपराओं की थाली और स्वावलंबन की उद्यमशीलता दिखाई देती है। मसलन चंबा रूमाल, कांगड़ा चित्रकला, पारंपरिक कुल्लू शॉल के अलावा नए हिमाचल की पहचान में कृषि उत्पाद प्रसंस्करण, आंवला प्रसंस्करण, स्टील फर्नीचर, पैकेजिंग, मशरूम, पर्यटन का तकनीकी उन्नयन, सीबकथार्न, चुल्ली तेल व कांगड़ा चाय अपनी खूबियों के साथ ई कॉमर्स और देश की मांग में व्यापारिक संबंधों की खेप बन पाएगा। उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए घरेलू, लघु व मध्यम उद्योगों को जाहिर तौर पर इससे प्रेरणा मिलेगी। हिमाचल के उत्पाद, बाजार और नए अंदाज को समझ लें, तो गांव की मिट्टी, नवाचार, स्वरोजगार की दरकार, स्टार्टअप की क्षमता और उद्योगों की विविधता सामने आएगी। मसलन ऊना का कत्था उद्योग का नाता पारंपरिक धंधे के अलावा ग्रामीण आर्थिकी व वन उत्पादों का एक संबल है। दियोटसिद्ध मंदिर के प्रसाद के रूप में बिकने वाला रोट अपनी खासियत और संभावना के साथ एक ऐसा व्यापारिक उत्पाद है, जो प्रदेश की अनूठी विरासत को भविष्य दिखा सकता है। इसी तरह ज्वालामुखी के पेड़े और धूप जैसे उत्पाद बाजार में अलग कतार बना लेते हैं। चंबा की चप्पल और चुख पर मेहनत की जाए, तो व्यापारिक करवटें बदल जाएंगी। इसी तरह हिमाचल के पारंपरिक आभूषणों की बनावट, सजावट तथा लागत को व्यापार के रास्ते उन्नत किया जाए, तो हर जिला से निकलेगा उत्पादों का खजाना। आभूषणों के कुछ बड़े ब्रांड हिमाचल के पारंपरिक गहनों को व्यापारिक रंगत में सजा सकते हैं, तो उद्योग विभाग के दखल से पारंपरिक बाजारों को इनकी नई क्षमता में पेश किया जा सकता है। खुशी की बात यह कि सरकार हर तरह के उत्पादों को संगठित करके बाजार को आवाज दे रही है। इस अभियान का नेतृत्व भले ही उद्योग विभाग कर रहा है, लेकिन ग्रामीण विकास, शहरी विकास तथा कबाइली विकास जैसे विभागों को इनके मूल स्रोतों को जिंदा रखना होगा। हिमाचल के पारंपरिक खान-पान में ही व्यापारिक ऊर्जा नहीं, बल्कि कुछ नुस्खों में शारीरिक हिफाजत के उत्पाद सामने आ सकते हैं। भले ही आगामी तीन से पांच जनवरी तक रिज पर कितने ही उत्पाद अपने-अपने जिला के लिए नाम कमाएंगे, लेकिन कवायद को असली संरक्षण व प्रचार प्रदान करना होगा। वस्तुएं दिखाई जा सकती हैं, लेकिन निर्माण पद्धति की सदियों को बचाने के लिए शिक्षा में इनके प्रति सरोकार चाहिएं। आज की तारीख में पूरा भरमौर नीचे उतर कर कांगड़ा पहुंच गया, किन्नौर ने सोलन-चंडीगढ़ में आशियाना खोज लिया, पांगी-लाहुल ने कुल्लू-मनाली की बहारों में धंधे आजमा लिए, तो पारंपरिक या जिला के उत्पादों को बढ़ावा देने की नीति और वकालत चाहिए। ऐसे सामुदायिक स्कूल व कालेज चाहिए जहां परिवेश के हर उत्पाद की रक्षा हो। उदाहरण के लिए नगरोटा सूरियां के कालेज को स्टेट कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना कर वहां इससे जुड़ी उद्यमशीलता को बढ़ावा मिले, तो वहां मत्स्य उद्योग से स्वावलंबन तथा बाजार विकसित होगा। अगर कुल्लू के हस्तशिल्प की संभावना में कालेज को डिजाइनिंग व उत्पादन के अंतरराष्ट्रीय पैमानों का प्रतीक बना दिया जाए, तो यह केवल शॉल-मफलर तक ही नहीं, हिमाचल से फैशन का एक नया चमत्कार होगा। हमारा मानना है कि उद्योगों और पारंपरिक उत्पादों की रूपरेखा में कुछ स्कूल व कालेजों को इनके अभिप्राय से जोड़ते हुए राज्य स्तरीय दर्जा देना चाहिए। बीबीएन क्षेत्र में एक राज्य स्तरीय इंडस्ट्रियल व प्रबंधन कालेज की शुरुआत करनी चाहिए, जबकि प्रदेश के हर विश्वविद्यालय के लक्ष्यों में केवल स्नातक और स्नातकोत्तर दर्जा नहीं, बल्कि स्वरोजगार के लिए प्रेरित, काबिल और प्रतिबद्ध युवा इस प्रदेश की आत्मनिर्भरता के लिए बाहर आएं।

हिमाचल के उत्पाद, बाजार और नए अंदाज को समझ लें, तो गांव की मिट्टी, नवाचार, स्वरोजगार की दरकार, स्टार्टअप की क्षमता और उद्योगों की विविधता सामने आएगी। मसलन ऊना का कत्था उद्योग का नाता पारंपरिक धंधे के अलावा ग्रामीण आर्थिकी व वन उत्पादों का एक संबल है। दियोटसिद्ध मंदिर के प्रसाद के रूप में बिकने वाला रोट अपनी खासियत और संभावना के साथ एक ऐसा व्यापारिक उत्पाद है, जो प्रदेश की अनूठी विरासत को भविष्य दिखा सकता है। इसी तरह ज्वालामुखी के पेड़े और धूप जैसे उत्पाद बाजार में अलग कतार बना लेते हैं। चंबा की चप्पल और चुख पर मेहनत की जाए, तो व्यापारिक करवटें बदल जाएंगी। इसी तरह हिमाचल के पारंपरिक आभूषणों की बनावट, सजावट तथा लागत को व्यापार के रास्ते उन्नत किया जाए, तो हर जिला से निकलेगा उत्पादों का खजाना। आभूषणों के कुछ बड़े ब्रांड हिमाचल के पारंपरिक गहनों को व्यापारिक रंगत में सजा सकते हैं, तो उद्योग विभाग के दखल से पारंपरिक बाजारों को इनकी नई क्षमता में पेश किया जा सकता है। खुशी की बात यह कि सरकार हर तरह के उत्पादों को संगठित करके बाजार को आवाज दे रही है।

दृष्टि कोण

कांग्रेस के पतन की जिम्मेवारी किसकी?

देश की राजनीति जो करवट ले रही है, उसे देखकर मुझे यह आकलन करना पड़ रहा है। लेकिन उससे पहले गांधी परिवार शब्द को स्पष्ट कर देना जरूरी है। दरअसल आज देश की राजनीति में जिस परिवार को गांधी परिवार के नाम से जाना जाता है, वह विस्तृत नेहरु परिवार है जिसे अंग्रेजी में एक्सटेंडेड नेहरु फैमिली कहा जाता है। यह दरअसल पंडित जवाहर लाल नेहरु की बेटी का परिवार है। इसका महात्मा गान्धी या उनके परिवार से कुछ लेना-देना नहीं है। नेहरु जी की बेटी इंदिरा गान्धी के दो बेटे राजीव गान्धी और संजय गान्धी थे। संजय गान्धी के परिवार की चर्चा आजकल विस्तृत नेहरू परिवार में नहीं होती। भारतीय राजनीति में जिसे नेहरु-गान्धी परिवार कह दिया जाता है वह भी दरअसल राजीव गान्धी का ही परिवार है। राजीव गान्धी के परिवार में उनका बेटा राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी हैं। राहुल गान्धी ने न जाने किन कारणों से ब्रह्मचर्य का व्रत ले लिया है इसलिए उसका आगे परिवार नहीं है। प्रियंका गान्धी की शादी एक पंजाबी बढेरा परिवार में हुई है जिसे अंग्रेजी में वाड्रा कहा जाता है। इसका कारण शायद उनके पति राबर्ड द्वारा ईसाई मजहब में मतान्तरित हो जाना कहा जाता है। कारण कोई भी हो, कुल मिला कर कहा जा सकता है कि भारतीय राजनीति में नेहरू-गान्धी परिवार के नाम पर राबर्ट वाड्रा का परिवार है जिसमें उसकी पत्नी प्रियंका गान्धी वाड्रा और उसके दो बच्चे हैं। उनके बेटे की सगाई किसी अबीवा बेग नामक लडक़ी से हो गई है, इसलिए अब प्रियंका गान्धी वाड्रा सास बनने की स्थिति में आ गई हैं और सोनिया गान्धी परदादी। यानी इस परिवार में अब दो परिवार हैं। राहुल गान्धी जो ब्रह्मचारी हैं और राबर्ट वाड्रा जिन्होंने पिछले दिनों कहा था कि देश की जनता वाड्रा परिवार की प्रियंका गान्धी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहती है। लेकिन राहुल गान्धी की मां सोनिया गान्धी की लम्बे समय से इच्छा रही है कि परिवार में गद्दी का वारिस राहुल है, बेटी जो पराया धन है, नहीं। इसलिए वो लम्बे समय से राहुल गान्धी को कांग्रेस की कमान इस आशा में दिए हुए हैं कि एक न एक दिन भारत के लोग पुनः सत्ता कांग्रेस को सौंप देंगे, तब राहुल गान्धी प्रधानमंत्री बन जाएंगे। कहा जाता है कि इटली की मानसिक चेतना में भी लडक़ों को लडक़ी के मुकाबले वरीयता दी जाती है। लेकिन सोनिया गान्धी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि समय मु_ी में से रेत की तरह निकला जा रहा है लेकिन भारत के लोग तथाकथित नेहरु-गान्धी परिवार को सत्ता सौंप देने की जल्दी में नहीं लगते। इधर वाड्रा परिवार का धैर्य भी चुक रहा है। जो कभी वाड्रा परिवार की बहू थी, वह सास बनने तक पहुंच गई है, लेकिन सत्ता दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही। कहीं हालत वाड्रा परिवार और राहुल गान्धी में ही रस्साकशी की तो नहीं बन रही? यदि ऐसा होता है तो सोनिया गान्धी किसके साथ खड़ी होंगी? यह प्रश्न भी भारतीय राजनीति में सिर उठाने लगा है। परिवार की इस लड़ाई का लाभ दूसरे राजनीतिक दल उठाने लगे हैं। सबसे पहले भारतीय राजनीति में से अस्त होते जा रहे कम्युनिस्ट समूह। वे राहुल गान्धी और सोनिया गान्धी के इर्द-गिर्द घेरा बांधे रहते हैं। सोनिया गान्धी और राहुल गान्धी का अब विचारधारा या भारतीय दृष्टि से कुछ लेना-देना नहीं हैं। उनको केवल सत्ता चाहिए। कम्युनिस्ट समूह समझ गए हैं कि वे भारत में सत्ता के शिखर तक नहीं पहुंच सकते। लेकिन उन्होंने गान्धी-नेहरु परिवार को किसी तरह समझा दिया है कि वे अपनी विचारक रणनीति से गान्धी नेहरु परिवार को सत्ता तक पहुंचा सकते हैं। यही कारण है कि राहुल गान्धी अब भारत को लेकर जो कुछ बोलते करते रहते हैं, उसका महात्मा गान्धी और पंडित जवाहर लाल नेहरु से भी कोई संबंध नहीं है। सोनिया गान्धी और कम्युनिस्ट समूहों के अपने अपने राजनीतिक स्वार्थ हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बदलती परिस्थितियों के कारण आप नई रणनीति अपनाएंगे। आपकी छवि में निखार आएगा। साझेदारी में आप में से कुछ लोग नया व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं। बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिलने की पूरी संभावना है। स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन पेट से संबंधित समस्याओं में सावधानी बरतें। प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी। आप में से कुछ के जीवन में प्रेम का प्रवेश हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अच्छी प्लानिंग और सोच-विचार से आपको बड़ा फायदा हो सकता है। सोचे हुए महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के योग हैं। नौकरी या दिनचर्या में बदलाव पर विचार कर सकते हैं। खरीदारी लाभदायक रहेगी। अपनी योजनाओं से आप दूसरों को प्रभावित करेंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है। धन लाभ के भी योग बन रहे हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। घर के लिए नया सामान खरीद सकते हैं। जीवनसाथी की मदद करेंगे। आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग हैं। नया कार्य शुरू करने का मन बनेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। किसी समस्या का समाधान तुरंत मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

निजी मामलों में आपके विचारों को समर्थन मिलेगा। मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन आत्मविश्वास बना रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए अवसर सामने आ सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा, जिससे आय के साधनों में वृद्धि होगी। नई नौकरी या व्यवसाय की रूपरेखा बन सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सिरदर्द या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं परेशान कर सकती हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। प्रयासों से लंबित कार्य पूरे होंगे। नया प्रोजेक्ट शुरू हो सकता है, जो भविष्य में लाभ देगा। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी और व्यवसाय में प्रगति होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऑफिस में कई मामलों में सफलता मिलेगी। करियर से जुड़े उलझे मामलों का समाधान मिलेगा। काम की सराहना होगी और प्रमोशन के योग हैं। उपहार मिल सकता है। नए मित्र बन सकते हैं। व्यवसाय में रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं। धन कहीं अटक सकता है और बढ़ता खर्च परेशान कर सकता है। जीवनसाथी के साथ हिल स्टेशन जाने की योजना बन सकती है। किसी काम में अधिक मेहनत लगेगी। रिश्तों में सुधार होगा। निर्णय सोच-समझकर लें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आत्मविश्वास बढ़ेगा और पारिवारिक स्थिति सामान्य रहेगी। पार्टी या पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। पढ़ाई और लेखन में मन लगेगा। पुराने मित्रों से भेंट होगी। कार्य की सराहना होगी और पुरस्कार मिलने के योग हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी और सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च सामने आ सकते हैं, सावधानी रखें। धर्म या समाज से जुड़ा कार्य कर सकते हैं। अनावश्यक यात्राओं से बचें। महिलाओं का सहयोग मिलेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य और नियमितता से की गई मेहनत का फल मिलेगा। पुराने मित्रों से बातचीत या मुलाकात होगी। जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक पूरी होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। कार्य और यात्रा को लेकर कई विकल्प मिल सकते हैं। ऑफिस में कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत संभव है। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कारोबार में नए लोग जुड़ सकते हैं। महिला मित्र का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। तकनीकी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है।
उपाय: शिवलिंग पर जल अर्पित करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आय में वृद्धि होगी। सौंदर्य संबंधी वस्तुओं पर खर्च हो सकता है। शारीरिक कष्ट के कारण बाधा संभव है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। सभी को संतुष्ट करना संभव नहीं होगा। वाणी की प्रभावशीलता से सफलता मिलेगी। व्यापारियों को अच्छा लाभ होगा। नई जगह जाने के योग हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 जनवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा सायं 03:34 तक
नक्षत्र : आर्द्रा सायं 05:28 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 09:05 तक
करण : बव सायं 03:34 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:42, सूर्यास्त 06:05 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पोष पूर्णिमा व्रत-पुण्य, शाकंभरी जयंती , माघ मास स्नान आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के सफल आयोजन से प्रदेश बनेगा आईटी हब : भजनलाल

जयपुर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी एवं आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस सहित नए उभरते हुए क्षेत्रों में तेजी से अग्रसर हो रहा है। राज्य सरकार पिछले 2 वर्षों में एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, एक्सटेंडेड रिएलिटी जैसे क्षेत्रों के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार करने के उद्देश्य से 4 नई नीतियां लेकर आई है। राजस्थान में मजबूत डिजिटल एवं डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए अब सरकार 4 से 6 जनवरी तक राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का आयोजन करने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन में योगदान देते हुए प्रदेश को आईटी-आईटीईएस हब बनाने के लिए लाई गई राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025, राजस्थान । राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 और राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी-2026 से प्रदेश में स्थानीय प्रतिभाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही अर्थव्यवस्था को और तेज गति मिलेगी।

जयपुर स्थित भामाशाह डेटा सेंटर 800 रैक वाला स्टेट ऑफ आर्ट टियर-4 डेटा सेंटर है। यह सरकारी स्वामित्व वाला देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर है। डेटा की बढ़ती उपयोगिता और डेटा स्टोरेज पर बढ़ती निर्भरता को देखते हुए अब राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 का लक्ष्य प्रदेश में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित कर राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र बनाना है। यह नीति डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावशाली बनाएगी। साथ ही, राज्य में डेटा प्रबंधन, प्रदर्शन और सुरक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने से संबंधित दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने में भी मदद करेगी।

इस नीति के तहत डेटा सेंटर सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं, जिनमें 10 वर्षों तक 10-20 करोड़ रुपये वार्षिक एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, 100 करोड़ से अधिक निवेश करने वाले पहले 3 डेटा सेंटर्स को 25 प्रतिशत अतिरिक्त सनराइज इंसेंटिव शामिल हैं। साथ ही, 5 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, बैंकिंग, ट्रांसमिशन व व्हीलिंग शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, भूमि संबंधी फ्लेक्सिबल भुगतान सुविधा, स्टांप ड्यूटी, भू-रूपांतरण व विद्युत शुल्क में छूट, तथा 10 करोड़ रुपए तक बाह्य विकास शुल्क से छूट के भी प्रावधान किए गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से निकटता, बेहतर कनेक्टिविटी, उच्च गुणवत्ता के कॉमर्शियल स्पेस की उपलब्धता, कुशल आईटी प्रोफेशनल्स की उपलब्धता, कम स्थापना लागत और व्यवसाय अनुकूल वातावरण के कारण ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की स्थापना हेतु आईटी-आईटीइएस क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए जयपुर एक आदर्श स्थान साबित हो सकता है। जीसीसी स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 लेकर आई है।

यह नीति वर्ष 2030 तक प्रदेश में 200 से अधिक जीसीसी स्थापित करने, 1.50 लाख रोजगार सृजित करने के साथ भारत के 100 अरब डॉलर के जीसीसी बाजार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लक्ष्य पर आधारित है। इस नीति के माध्यम से जयपुर, उदयपुर, जोधपुर जैसे शहरों को जीसीसी हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने निर्वस्त्र होकर बैठा कर्मचारी, मचा हड़कंप

खैरथल, 02 जनवरी (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक सरकारी कर्मचारी अचानक निर्वस्त्र होकर धरने पर बैठ गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मीडिया और पुलिस पहुंची। निर्वस्त्र होकर बैठे कर्मचारी ने अपनी पहचान जितेंद्र शर्मा के रूप में बताई।

मीडिया से बातचीत में जितेंद्र शर्मा ने कहा कि वे अपने द्वारा पहले किए गए गलत कार्यों और भविष्य में होने वाले संभावित गलत कार्यों के प्रायश्चित के लिए इस तरह से यहां बैठे हैं। घटना को लेकर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने कर्मचारी को न्यूसेंस फैलाने के आरोप में अपने साथ पुलिस थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। इस अचानक हुए घटनाक्रम से जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया और कर्मचारियों व आमजन में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। इधर, मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल सिंह जाट ने बताया कि कर्मचारी जितेंद्र शर्मा अचानक कार्यालय परिसर में पहुंचे और बाहर कपड़े उतारकर बैठ गए, जबकि उनकी ड्यूटी किशनगढ़ बास में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी की इस हरकत को देखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान युवा एवं खेल महोत्सव-2026

युवा मामले एवं खेल विभाग शासन सचिव ने महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

जयपुर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। विकसित भारत-विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु इस वर्ष भी 'राज्य युवा महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान युवा एवं खेल महोत्सव-2026 का राज्य स्तरीय समारोह 7 से 12 जनवरी तक जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होगा। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज के. पवन ने महोत्सव की तैयारियों को लेकर एसएमएस स्टेडियम में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी कर कार्यक्रम को भव्य व सफल बनाये। उन्होंने डीओआईटी तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को आवश्यक तकनीकी सहयोग और महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। शासन सचिव ने बताया कि महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिनमें प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी, युवाओं के लिए करियर काउंसलिंग व रोजगार मार्गदर्शन, विभिन्न प्रतियोगिताएँ, हॉट बाजार और कई अन्य गतिविधियाँ शामिल होंगी। इसके साथ ही साहसिक खेल गतिविधियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुलिस और एमजीडी बैंड वादन तथा स्टार्टअप आइडियाथॉन जैसे आयोजन भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

डॉ. पवन ने निर्देशित किया कि पंच गौरव योजना के तहत जयपुर जिले की उपज, प्रजाति, उत्पाद, खेल और पर्यटन से संबंधित प्रदर्शनी लगाकर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 50 हजार, द्वितीय स्थान पर 25 हजार और तृतीय स्थान पर 10 हजार रुपये के पुरस्कार दिए जायेंगे। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों को एक लाख रुपये का 'यूथ आइकॉन अवार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।

जोधपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह डीटीओ कार्यालय में प्रदर्शनी का शुभारंभ

जोधपुर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत गुरुवार को डीटीओ कार्यालय जोधपुर में सड़क सुरक्षा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 31 जनवरी तक चलेगा और जिले भर में विभिन्न जागरूकता और जनसहभागिता आधारित गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आकांक्षा बैरवा ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की थीम सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन निर्धारित की गई है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना, यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीक के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। डीटीओ कार्यालय परिसर में लगी प्रदर्शनी के माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों, सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग, गति सीमा का पालन, नशे में वाहन न चलाना और पैदल यात्रियों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी जा रही है।

प्रदर्शनी में आकर्षक पोस्टर, संदेशात्मक स्लोगन और दृश्य माध्यम के जरिए आमजन को सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह पहल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समाधान शिविरों की जानकारी विभिन्न माध्यमों से आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए : सैनी

चंडीगढ़, 02 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि समाधान शिविरों की जानकारी विभिन्न माध्यमों से आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुँचाई जाए, जिसमें लोगों को शिविरों के आयोजन का दिन और समय की पूरी जानकारी मिल सके, ताकि वे अपनी समस्याएँ दर्ज करवा सकें और उनका समाधान करवा सकें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश चंडीगढ़ में समाधान शिविर की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में सभी जिला उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों को जिला उपायुक्त अपनी स्पष्ट टिप्पणी के साथ आगे भेजें। साथ ही जब तक किसी शिकायत का पूर्ण समाधान नहीं हो जाता, तब तक उसे जिला स्तर पर पेंडिंग रखा जाए।

बैठक में बताया गया कि जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 तक पिछले छह महीनों में कुल 17,699 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। समाधान शिविरों में तय समय सीमा में हल की गई शिकायतों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में भी समाधान शिविरों में आने वाली सभी शिकायतों का तय समय सीमा में निपटान सुनिश्चित करें। प्रदेश के सभी जिला उपायुक्त और उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) कार्यालयों में प्रत्येक सप्ताह सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें नागरिक अपनी समस्याओं से संबंधित शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं।

लाडो लक्ष्मी योजना से सरकार का विश्वासघात : सैलजा

चंडीगढ़, 02 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना के नाम पर महिलाओं के साथ जो विश्वासघात किया है, वह बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई थी, लेकिन आज भाजपा सरकार ने इसे शर्तों और अंकों की बेड़ियों में जकड़ दिया है। यह बात सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार अपने ही संकल्प से मुकर गई है। जिन महिलाओं को बिना भेदभाव आर्थिक सहयोग मिलना चाहिए था, आज उनसे उनके बच्चों के नंबर पूछे जा रहे हैं। क्या अब माँ की योग्यता रिपोर्ट कार्ड से तय होगी।

जनहित में दवाओं की कीमतों पर सख्त निगरानी कर रही सरकार : आरती सिंह

चंडीगढ़, 02 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार आम जनता को सस्ती और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से हरियाणा में दवाओं की कीमतों पर सख्त निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी स्तर पर अधिक कीमत वसूलने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत हरियाणा में प्राइस मॉनिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अंतर्गत सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। यह इकाई यह सुनिश्चित कर रही है कि आम नागरिकों को दवाएं सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध हों। आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जीवन रक्षक दवाएं हर नागरिक को उचित और नियंत्रित कीमतों पर उपलब्ध हों। यह सभी कदम प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए उठाए जा रहे हैं।

फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के आयुक्त मनोज कुमार ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 के दौरान हरियाणा में दवाओं की अधिक कीमत वसूलने के 33 मामले सामने आए, जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए एनपीपीए, नई दिल्ली भेजा गया है। यह राज्य सरकार की सख्त और पारदर्शी नीति को दर्शाता है, जिसके तहत जनता के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में पीएमआरयू हरियाणा द्वारा तीन दवाओं में ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के उल्लंघन का पता लगाया गया, जिनमें पैक पर अंकित एमआरपी, निर्धारित कीमत से अधिक पाई गई। इन मामलों में संबंधित कंपनियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मनोज कुमार ने कहा कि सरकार प्रवर्तन के साथ-साथ जन-जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दे रही है। वर्ष

2025 में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 13 सूचना, शिक्षा एवं संचार (खएउ) कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीएमआरयू के ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर्स तथा फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स द्वारा गत दिसंबर माह के दौरान कैथल, यमुनानगर और सिरसा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। इनके माध्यम से केमिस्टों और आम जनता को दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने, कोल्ड चेन प्रबंधन, उचित रिकॉर्ड संधारण और केमिस्ट दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के बारे में जागरूक किया गया।

फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के आयुक्त ने आम जनता से अपील की कि वे सतर्क रहें और दवाओं की सही कीमत की जानकारी के लिए फार्मा सही दाम मोबाइल एप का उपयोग करें। यदि कहीं अधिक कीमत वसूली जाती है, तो उसकी शिकायत सीधे सरकार तक पहुंचाई जा सकती है। इसके अलावा, नागरिक पीएमआरयू हरियाणा के टोल-फ्री नंबर 1800-180-2413 पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर -कम - सदस्य सचिव पीएमआरयू , एफडीए हरियाणा ललित कुमार गोयल ने बताया कि हरियाणा में प्राइस मॉनिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट हरियाणा के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में काम कर रही है। इस यूनिट की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल तथा एग्जीक्यूटिव कमेटी के चेयरपर्सन एफडीए के आयुक्त मनोज कुमार हैं।

इनके अलावा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर ज्योति मल्होत्रा और परजिंदर सिंह, असिस्टेंट स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर हरियाणा की देखरेख में दो फील्ड इन्वेस्टिगेटर पीएमआरयू में काम कर रहे हैं।

सभी विभाग समय से आवंटन बजट का करें इस्तेमाल, न हो कोई लापरवाही : योगी

लखनऊ,02 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्रावधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय आदि की अद्ययावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्रावधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया। सीएम योगी ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वे इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें।

उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें।

वहीं सीएम योगी ने वित्त विभाग को निर्देश दिए कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी इनोसेटिव लें। सीएम ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिन्हित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें। सीएम योगी ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिए कि आगामी अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें। आगामी बजट को विभाग आवंटित करने से पहले उनके पिछले पांच वर्ष के खर्च के आकलन की समीक्षा करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि वित्त विभाग नई कार्ययोजना को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दे। वहीं केंद्र सरकार से आगामी बजट आवंटन को लेकर बेहतर समन्वय बनाए ताकि समय से केंद्र सरकार से बजट मिल सके।

इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों पर मायावती का तीखा हमला, सरकार को ठहराया जिम्मेदार

लखनऊ,02 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों और कई अन्य लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की खबर ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। इस दर्दनाक घटना पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे अत्यंत दुखद, चौंकाने वाला और सरकारी गैर-जिम्मेदारी का नतीजा बताया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश राज्य के इन्दौर शहर में प्रदूषित पानी पीने से अनेक निर्दोष नागरिकों की मौत तथा अन्य अनेक लोगों के बीमार हो जाने की अति-दुखद एवं चौंकाने वाली खबर काफी चर्चा में है तथा ऐसी सरकारी गैर-जिम्मेदारी व उदासीनता को लेकर लोगों में स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में व्यापक आक्रोश भी स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, वैसे तो लोगों को खासकर साफ हवा और पानी आदि मुहैया कराना हर सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है, किन्तु यहां अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की तरह ही बुनियादी जनसुविधा के सम्बंध में भी सरकारी लापरवाही व भ्रष्टाचार आदि काफी घातक साबित हो रहा है तथा परिवार उजड़ रहे हैं, यह अति-दुखद व अति-चिंतनीय है। इस प्रकार की नागरिकों के जान से खिलवाड़ करने की शर्मनाक घटना की रोकथाम के लिये राज्य सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाते रहने की जरूरत है।मायावती ने आगे कहा कि केंद्र की सरकार को भी इसका उचित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई जरूर करनी चाहिए, ताकि देश के किसी अन्य राज्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं ना होने पाएं।

बता दें कि इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से 7 लोगों की मौत और 40 से अधिक लोगों के बीमार पड़ने का मामला सामने आया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इस घटना को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

इस घटना में हुई मौतों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे हैं। सरकारी आंकड़ों में 4-7 मौतें बताई जा रही हैं, जबकि स्थानीय निवासी और कुछ रिपोर्ट्स में 10-13 तक का दावा किया गया है, जिसमें एक 6 महीने का मासूम बच्चा भी शामिल है। 100 से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां डायरिया, उल्टी और अन्य जलजनित बीमारियों के लक्षण पाए गए हैं।

शाहजहांपुर में फर्जी फर्म बनाकर 1.59 करोड़ की धोखाधड़ी, 3 आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर,02 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक युवक के नाम पर फर्जी फर्म बनाकर 1 करोड़ 59 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के दो युवकों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला आतिशीबाजान निवासी मोईद अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी शोएब ने उन्हें एक अच्छी आमदनी का झांसा देकर उनके नाम पर फर्म खोलने का सुझाव दिया। शोएब की बातों में आकर मोईद अली ने अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड और मोबाइल नंबर खुदागंज निवासी सीए भूपेंद्र को दे दिए। पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उनके मोबाइल पर कई ओटीपी आए, जिन्हें उन्होंने शोएब को दे दिया। आरोप है कि इन दस्तावेजों और ओटीपी का दुरुपयोग करते हुए आरोपियों ने 'प्लेटीनम राइट होम प्रिल' नाम से एक फर्जी फर्म बना दी और इसके कागजात मोईद अली को सौंप दिए। इसके बाद आरोपियों ने मोईद अली के नाम पर कई बैंकों में लिमिटेड खाता खुलवाया और फिर उसे दिल्ली ले जाकर इन खातों के माध्यम से करोड़ों रुपये का फर्जी लेन-देन किया।जब मोईद अली को इस धोखाधड़ी का पता चला और उन्होंने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर शोएब, नागेंद्र, भूपेंद्र, राजस्थान निवासी अजहरुद्दीन, अजबदीन, अलीशा फरदीन सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

जीपीएस युक्त वाहनों से यूपी में खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

5 हजार से अधिक वाहनों के माध्यम से गोदाम से दुकान तक निगरानी की मजबूत चेन

लखनऊ,02 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में जनवितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न को चोरी, लीकेज और गड़बड़ी मुक्त करने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम एक गेम चेंजर बनकर उभरा है। 5 हजार से अधिक वाहनों के माध्यम से अनाज डिपो से उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही अब पूरी तरह डिजिटल निगरानी में है। सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था और जीपीएस ट्रैकिंग की वजह से खाद्यान्न की एक-एक बोरी पर नजर रखी जा रही है, जिससे चोरी और कालाबाजारी पर रोक लगी है। प्रदेश में खाद्यान्न के उठान कार्यों में लगे 5000 से अधिक वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे भारतीय खाद्य निगम के डिपो से उचित दर दुकानों तक होने वाला पूरा परिवहन रियल टाइम ट्रैक किया जा रहा है। वाहन कहां से चला, कहां रुका और तय समय में गंतव्य तक पहुंचा या नहीं, हर जानकारी कंट्रोल सिस्टम में दर्ज हो रही है। रास्ते में खाद्यान्न की हेराफेरी, डायवर्जन और कालाबाजारी लगभग समाप्त हो गई है।

खरीफ विपणन सत्र 2025-26 में धान खरीद के दौरान जीपीएस ट्रैकिंग व्यवस्था अनिवार्य है। सभी जनपदों में क्रय केन्द्रों से राइस मिलों तक धान परिवहन में प्रयुक्त 3773 वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की गई है। मोटे अनाज मक्का, ज्वार और बाजरा के परिवहन के लिए 1428 वाहनों को भी जीपीएस से जोड़ा गया है सरकारी खरीद से लेकर भंडारण डिपो तक की पूरी सप्लाई चेन पारदर्शी हो गई है।प्रदेश में ब्लॉक गोदामों की व्यवस्था समाप्त कर सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी मॉडल लागू किया गया। भारतीय खाद्य निगम के डिपो से सीधे उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। यह पूरा कार्य ई-टेंडर के माध्यम से नियुक्त ठेकेदारों से कराया जा रहा है जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम हुआ है और जवाबदेही तय हुई है। जीपीएस ट्रैकिंग के साथ यह मॉडल जनवितरण प्रणाली में पारदर्शिता की रीढ़ बन गया है।प्रदेश में चयनित लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक 8.03 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न और मोटे अनाजों का आवंटन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अंत्योदय लाभार्थियों हेतु 36850.35 मीट्रिक टन चीनी का आवंटन किया जा चुका है। जीपीएस ट्रैकिंग व्यवस्था के कारण हो रहा है कि यह खाद्यान्न बिना चोरी, बिना कटौती और सही समय पर लाभार्थियों तक पहुंचे। योगी आदित्यनाथ सरकार का स्पष्ट संदेश है कि सरकारी खाद्यान्न रास्ते में गायब नहीं होगा। तकनीक के सहारे निगरानी, जवाबदेही और पारदर्शिता ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और स्मार्ट सिस्टम से खाद्यान्न चोरी जैसे पुराने संकट को भी जड़ से खत्म किया जा सकता है।

न्यूयॉर्क मेयर के शपथग्रहण के बाद भारत में छिड़ी बहस, संतों ने गीता-रामायण पर हाथ रख शपथ की मांग उठाई

मथुरा/वाराणसी,02 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी द्वारा कुरान पर हाथ रखकर शपथ लेने के बाद भारत में शपथ परंपरा को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस मुद्दे पर देश के कई संत-महंतों ने अपनी राय रखते हुए भारत में भगवद्गीता और रामायण पर हाथ रखकर शपथ लेने की मांग की है। मथुरा में शंकराचार्य अधोक्षजानंद देव ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा कि भारत में शपथ भगवद्गीता पर ली जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म दुनिया की सबसे प्राचीन व्यवस्था है। जो जिस धर्म को मानता है, उसे उसी धर्मग्रंथ पर निष्ठा होती है और उसी पर शपथ लेना स्वाभाविक है। भारत में धर्मग्रंथों के नाम पर शपथ लेना सत्य, निष्ठा और न्याय का प्रतीक माना जाता है। यहां गीता और वेद पर शपथ लेने की परंपरा शुरू होनी चाहिए। जगत गुरु परमहंस आचार्य ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील करते हुए कहा कि भारत में यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि ग्राम प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक, सभी जनप्रतिनिधि शपथ लेते समय रामायण और गीता पर हाथ रखें। उन्होंने कहा कि जब महात्मा गांधी का निधन हुआ तो उनके मुख से 'हे राम' निकला, जिसे सभी राजनीतिक दल स्वीकार करते हैं। ऐसे में प्रभु श्रीराम को राष्ट्र देवता घोषित किया जाना चाहिए।

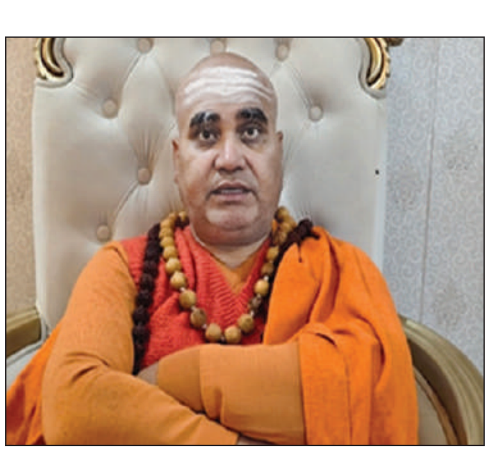

जगत गुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि रामायण और गीता पर शपथ लेने की परंपरा शुरू होने से भारतीय संस्कृति का परचम पूरी दुनिया में लहराएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वैदिक संस्कृति ही भारतीय संस्कृति है, जिसका संपूर्ण दर्शन रामायण और गीता में मिलता है।

मथुरा के ही महंत सीताराम दास ने भी मांग की कि भारत में जनप्रतिनिधियों को रामायण और गीता पर हाथ रखकर शपथ लेनी चाहिए। वहीं विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सदस्य शरद शर्मा ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता को संविधान में भी शामिल किया जाना चाहिए और शपथ का आधार गीता को बनाया जाना चाहिए।

उधर वाराणसी में जगद्गुरु बालक देवाचार्य महाराज ने इस पूरे मुद्दे पर अलग दृष्टिकोण रखा। उन्होंने कहा कि असली सवाल यह नहीं है कि शपथ किस ग्रंथ पर ली जा रही है, बल्कि यह है कि व्यक्ति की आस्था कितनी मजबूत है। अगर कोई गलत काम करना चाहता है तो वह किसी की सहमति के बिना भी करेगा। वहीं जो व्यक्ति ईमानदारी से जीवन जीना चाहता है, वह बिना किसी दबाव के भी सत्य के मार्ग पर चलता है।

एनसीआर में प्रदूषण से आंशिक राहत के संकेत लेकिन ठंड और कोहरे की चुनौती बरकरार

नोएडा,02 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों के लिए नए साल की शुरुआत में मौसम और प्रदूषण के अलग-अलग आंकड़े सामने आ रहे हैं। एक ओर तेज हवाओं के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में कुछ सुधार देखने को मिल रहा है, तो दूसरी ओर कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ताजा आंकड़े बताते हैं कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट के अनुसार 2 जनवरी को सुबह के समय अत्यंत घना कोहरा रहने की संभावना जताई गई है। इस दिन अधिकतम तापमान करीब 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 3 जनवरी को भी हालात बहुत ज्यादा नहीं बदलेंगे और सुबह के वक्त घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। तापमान 17 डिग्री अधिकतम और 7 डिग्री न्यूनतम रह सकता है। वहीं 4 जनवरी को कोहरे की तीव्रता कुछ कम होकर मध्यम कोहरा रहने का अनुमान है, अधिकतम तापमान 18 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

अगर वायु गुणवत्ता की बात करें तो दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में तेज हवाओं के कारण एक्यूआई में गिरावट आई है और कुछ क्षेत्र ऑरेंज जोन में पहुंच गए हैं। हालांकि अभी भी कई इलाके रेड जोन में बने हुए हैं। दिल्ली के आंकड़ों पर नजर डालें तो नेहरू नगर (341), ओखला फेज-2 (328), पटपड़गंज (314), पंजाबी बाग (308), पुसा (322), आर.के. पुरम (319) और रोहिणी (315) जैसे इलाके रेड जोन में दर्ज किए गए हैं। वहीं, एनएसआईटी द्वारका (423) और सिरीफोर्ट (342) में हालात और भी गंभीर बने हुए हैं। गाजियाबाद में स्थिति कुछ हद तक बेहतर दिखी है। इंदिरापुरम (227) ऑरेंज जोन में है, जबकि लोनी (295) और संजय नगर (295) भी ऑरेंज जोन के करीब हैं।

जीरो पावर्टी की ओर यूपी, योगी सरकार का मॉडल ले रहा आकार

लखनऊ,02 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गरीबी उन्मूलन अब महज नीतिगत घोषणा नहीं रह गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित 'जीरो पावर्टी' मिशन ने प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन को जोड़ते हुए सशक्त मॉडल प्रस्तुत किया है। इस अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है, हर पात्र परिवार को योजनाओं से जोड़ा जाए। दो चरणों में किए गए व्यापक अभ्यास से साफ हो गया है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर ध्यान केंद्रित है। लखनऊ के गोसाईगंज में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू जीता जगता उदाहरण हैं, जिन्हें योजना के तहत मकान, पानी, सड़क, बिजली, राशन समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से लैस किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा जीरो पावर्टी अभियान के तहत लखनऊ के गोसाईगंज में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू को मकान, पानी, सड़क, बिजली, राशन समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश भर में वंचितों को चिन्हित कर सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। लाभार्थी योगी सरकार की तारीफ करते नहीं थक रहे। इनका कहना है कि योगी सरकार का जीरो पावर्टी मिशन केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि भोजन, स्वास्थ्य, आवास, शिक्षा, जल, ऊर्जा और आजीविका से जुड़े समग्र समाधान का नाम है। यह अभियान उत्तर प्रदेश को समावेशी विकास और सामाजिक सुरक्षा के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक पहल है।जीरो पावर्टी अभियान के प्रथम चरण में 8 प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया। जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार राशन योजना में 97 प्रतिशत पात्र परिवारों तक लाभ पहुंच चुका है, जो खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

यूपी बन रहा है देश का उभरता दूरसंचार पावरहाउस

मोबाइल कनेक्टिविटी में उत्तर प्रदेश पूर्व और पश्चिम बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

लखनऊ,02 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में दूरसंचार क्षेत्र की तेजी से प्रगति हो रही है। प्रदेश में मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं का विस्तार शहरी के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में मजबूती से हो रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा कारण सरकारी नीतिगत समर्थन और निजी निवेश है, जिससे प्रदेश में औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र का त्वरित गति से दायरा बढ़ता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि देश के अग्रणी दूरसंचार बाजारों में उत्तर प्रदेश का नाम प्रमुखता से शामिल है। योगी सरकार के विकास मॉडल से प्रदेश के डिजिटल क्षेत्र को नया आयाम मिल रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में देश भर में वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन रही। अक्टूबर 2025 में यह संख्या 1171.87 मिलियन था। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व और उत्तर प्रदेश पश्चिम दोनों लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्रों की भागीदारी विशेष रही है। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बना हुआ है। नवंबर 2025 तक उत्तर प्रदेश पूर्व में 1.97 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 1.35 मिलियन पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़े यह दर्शाते हैं कि प्रदेश में मोबाइल सेवाओं की मांग अधिक है।फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस विशेष कर 5-जी आधारित सेवाओं में उत्तर प्रदेश की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है।

नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ताओं की संख्या 10.41 मिलियन दर्ज की गई है। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व में 0.79 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं। केवल एक महीने के भीतर इन दोनों क्षेत्रों में हजारों नए उपभोक्ताओं का जुड़ना यह संकेत देता है कि सरकार की डिजिटल कनेक्टिविटी नीति का लाभ आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। दूर-दराज के गांवों में भी हाई स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसर खोल रही है।वायरलाइन सेवाओं के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही। उत्तर प्रदेश में सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और शहरी आवासीय क्षेत्रों में वायरलाइन कनेक्शन की मांग बनी हुई है। योगी सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस सेवाओं को व्यापक रूप से लागू किए जाने से विश्वसनीय और सुरक्षित कनेक्टिविटी की आवश्यकता बढ़ी है जिससे वायरलाइन नेटवर्क को मजबूती मिली है। सक्रिय मोबाइल उपभोक्ताओं के मामले में भी प्रदेश की स्थिति सशक्त बनी हुई है। अक्टूबर की तुलना में नवंबर 2025 तक में देश भर में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं में से 1090.91 मिलियन उपभोक्ता सक्रिय पाए गए।

अश्विन ने सीएससके को दी सलाह, आईपीएल में सरफराज को अंतिम ग्यारह में शामिल करें

चेन्नई,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

अनुभवी भारतीय आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सलाह दी है कि वह आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाज सरफराज खान को अंतिम ग्यारह में शामिल करे। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार का शानदार प्रदर्शन सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में किया है।

उसको देखते हुए उसे अंतिम ग्यारह में नहीं रखना भूल होगी। अश्विन ने कहा कि सीएसके को बेहतर स्कोर बनाने सरफराज को हर मैच में जगह देने का प्रयास करना चाहिये। अश्विन का मानना है कि सरफराज जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह चयन समिति के सामने मजबूती से अपना पक्ष रख रहे हैं। विजय हजारे ट्राफी में गोवा के खिलाफ सरफराज ने केचल 75 गेंदों में ही 157 रनों की आक्रामक पारी खेलकर दिखा दिया कि वह सीमित ओवरों के लिए भी उपयोगी हैं। अश्विन के अनुसार सीएसके को सरफराज के अच्छे फार्म का पूरा लाभ उठाना चाहिये।

सरफराज इन दिनों अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजर रहे हैं। गोवा के खिलाफ अपनी पारी में उन्होंने 9 चौके और 14 छक्के जड़े और केवल 56 गेंदों में ही अपना शतक बना दिया था। वहीं इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में भी उन्होंने 7 मैचों में 203.08 की स्ट्राइक रेट और 65.80 की औसत से 329 रन बनाए थे।

अश्विन ने सोशल मीडिया में सरफराज की तकनीक की विशेष रूप से प्रशंसा की है। अश्विन के अनुसार, सरफराज की सबसे बड़ी ताकत बीच के ओवरों में स्पिन गेंदबाजी पर हावी होना है। वह स्वीप और स्लाग स्वीप का इतनी चतुराई से इस्तेमाल करते हैं कि स्पिनर अपनी लाइन-लेंथ भूल जाते हैं। अश्विन के अनुसार सरफराज का यह कौशल उन्हें टी20 क्रिकेट के मध्यक्रम के लिए एक आदर्श बल्लेबाज बनाता है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेशी क्रिकेटर को खरीदने पर शाहरुख की हो रही आलोचना बचाव में भी आए लोग

लखनऊ। बालीवुड के बादशाह और सुपरस्टार शाहरुख खान एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। वजह है

उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को खरीदना। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के बीच इस फैसले को लेकर राजनीतिक नेता, धर्मगुरु और अन्य लोग शाहरुख पर निशाना साध रहे हैं। कुछ ने उन्हें देशद्रोही तक करार दिया है, जबकि कुछ उनके पक्ष में खड़े हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विवाद की शुरुआत तब हुई जब कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने इस मुद्दे पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही ज्यादतियों के समय में बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना सही नहीं है। इसके बाद मामला और तूल पकड़ गया। यूपी के बीजेपी नेता संगीत सोम ने भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा शाहरुख खान ने देश के साथ गद्दारी की है। सोम के इस बयान ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया और विवाद को और हवा दे दी। वहीं नागपुर पहुंचे स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने भी शाहरुख पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान तो ऐसा करेंगे ही, वे कोई हीरो नहीं हैं। उनका कोई चरित्र नहीं है। उनकी हरकतें देशद्रोही जैसी रही हैं। हालांकि, सभी लोग शाहरुख के खिलाफ नहीं हैं। बरेली के मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने शाहरुख खान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख का मकसद गलत नहीं है। उन्हें गद्दार या आतंकी कहना शर्मनाक और गलत है। मौलाना ने कहा कि बांग्लादेश भारत का मित्र देश है। देवकीनंदन ठाकुर और संगीत सोम के बयान सरासर गलत और अन्यायपूर्ण हैं।

बीबीएल में धीमी बल्लेबाजी के कारण निशाने पर आये बाबर आजम

सिडनी। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के खराब प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। अब

आजम आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी असफल रहे हैं। इस कारण वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। आजम बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए तेजी से रन बनाने में भी विफल रहे हैं। मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ वह 46 गेंदों पर 58 रन ही बना पाये। अपनी धीमी बल्लेबाजी के कारण वह लोगों के निशाने पर हैं। यहां तक कि आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने भी उनकी जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बाबर आक्रामक बल्लेबाजी नहीं करते पर उन्हें इस लीग में खेलते समय कुछ गति अवश्य लानी होगी। वह ऐसा नहीं कर सकते कि एक ही रन बनाये और साथी बल्लेबाज पर ही बड़े शाट लगाने की जिम्मेदारी थोप दें। लीग के 18वें मुकाबले में मेलबर्न स्टार्स और सिडनी सिक्सर्स की टीमें आमने-सामने थीं। इसमें बाबर के नाबाद अर्धशतक से सिडनी सिक्सर्स ने मेलबर्न को 6 विकेट से हराया। मेलबर्न ने सिक्सर्स को जीत के लिए 165 रन का लक्ष्य दिया था जिसे सिडनी ने तय ओवरों से भी कम में हासिल कर लिया। इस मैच में सिडनी सिक्सर्स ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी की। वहीं मेलबर्न स्टार्स ने 9 विकेट पर 164 रन बनाए। सिडनी सिक्सर्स की ओर से सीन एबाट ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए। जेक एडवर्ड्स, बेन ड्वारशुईस, और हेडेन केर ने 2-2 विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी सिक्सर्स की ओर से बाबर आजम ने नाबाद 58 रन बनाये।

अपमान के कारण पाकिस्तान टीम का कोच पद छोड़ा : गिलेस्पी

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेसन गिलेस्पी ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कोच

पद उन्होंने लगातार हो रही बेइज्जती के कारण छोड़ा था। गिलेस्पी को साल 2024 में पाकिस्तान टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था पर केवल आठ माह में ही उन्हें अपना पद छोड़ दिया। पद से इस्तीफे के बाद गिलेस्पी ने कहा कि पाक क्रिकेट बोर्ड में काफी घोटाले हैं और उसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी मनमानी करते हैं। गिलेप्सी ने कहा कि कोच रहते उन्हें कई बार अपमान सहना पड़ा। उन्होंने कहा, मेरे कार्यकाल के दौरान कोच गैरी कर्स्टन ने टीम चयन को लेकर एक आइडिया दिया था। पाक क्रिकेट टीम के सभी अधिकारी उस बैठक में शामिल हुए पर नकवी ने उसमें आनलाइन भाग लिया। लाहौर में रहते हुए भी वह बैठक के लिए नहीं पहुंची जबकि हम अपने देश से पहुंचे थे। ये अजीब बात थी। पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज के अनुसर कोच के रहते उनका कार्यकाल शुरुआत से ही कठिन रहा था। बांग्लादेश के खिलाफ टीम की हार के बाद भी परेशानी बढ़ी। गिलेस्पी ने कहा, मैं पाकिस्तान टेस्ट टीम का कोच था। पीसीबी ने हमारे सीनियर असिस्टेंट कोच को बिना मुझसे कोई बात किए हटा दिया। मुख्य कोच के तौर पर मुझसे इस मामले में बात तक नहीं की गयी। उन्होंने कहा, ऐसी कई और बातें थीं जिनसे मुझे लगा की बेइज्जती हो रही है। टीम में एक अलग की तरह की मनमानी थी। प्रबंधनक कोच को महत्व नहीं दे रहा था। ऐसे में मेरा वहां रहना ठीक नहीं लगा, जिसके कारण मैंने इस्तीफा दे दिया।' गौरतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम में हमेशा ही विवाद रहे हैं और एक कोच बोब वूल्मर की इसी कारण मौत भी हो गयी थी।

संन्यास से पहले बोले ख्वाजा – आज भी उन रूढ़िवादी सोच से लड़ रहा हूं, जिनका सामना पूरे करियर में किया

सिडनी,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के अंतिम पड़ाव पर क्रिकेट में मौजूद नस्लीय पूर्वाग्रह (रेशियल स्टीरियोटाइप) को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है। सिडनी टेस्ट से ठीक दो दिन पहले मीडिया को दिए गए लगभग एक घंटे लंबे भावुक संबोधन में ख्वाजा ने कहा कि वह आज भी उन रूढ़िवादी सोच से लड़ रहे हैं, जिनका सामना उन्होंने पूरे करियर में किया। 39 वर्षीय ख्वाजा, जो आस्ट्रेलिया के पहले मुस्लिम टेस्ट क्रिकेटर हैं, ने संकेत दिए कि एशेज सीरीज़ के पहले टेस्ट से पहले उनकी तैयारी को लेकर जो आलोचना हुई, उसमें नस्लीय सोच की झलक साफ दिखाई देती है।

एशेज के पहले टेस्ट से पहले ख्वाजा के गोल्फ खेलने को लेकर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद पीठ में ऐंठन (बैक स्पैज़्म) के कारण वह दोनों पारियों में ओपनिंग नहीं कर सके और ब्रिस्बेन टेस्ट से भी बाहर रहे। इस पर मीडिया और कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े किए।

ख्वाजा ने कहा, यह मेरी परफार्मेंस की बात नहीं थी, बल्कि मुझ पर निजी हमले किए गए। कहा गया कि मैं टीम के प्रति कमिटेड नहीं हूं, स्वार्थी हूं, मेहनत नहीं करता, आलसी हूं। ये वही नस्लीय स्टीरियोटाइप हैं, जिनके साथ मैं बचपन से बड़ा हुआ हूं।

उन्होंने आगे कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम में किसी और खिलाड़ी के साथ इस तरह का व्यवहार उन्होंने कभी नहीं देखा।

उन्होंने कहा, कई खिलाड़ी टेस्ट से एक दिन पहले गोल्फ खेलते हैं, कई लोग रात को शराब पीते हैं, लेकिन अगर उन्हें चोट लग जाए तो कोई कुछ नहीं कहता। उन्हें आस्ट्रेलियन लैरिकिन्स' कहा जाता है। लेकिन जब मुझे चोट लगी, तो मेरी ईमानदारी और मेरे चरित्र पर सवाल उठाए गए।

ख्वाजा ने खुलासा किया कि उन्होंने भारत के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज़ के दौरान ही संन्यास के बारे में सोचना शुरू कर दिया था। हालांकि, अंतिम फैसला उन्होंने पिछले महीने एडिलेड टेस्ट के दौरान किया, जब आस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज़ अपने नाम कर ली।

एडिलेड टेस्ट में शुरुआती तौर पर टीम से बाहर रखे जाने के बावजूद, स्टीव स्मिथ के चोटिल होने के बाद उन्हें अंतिम समय में टीम में शामिल किया गया। उस मैच में उनकी 82 और 40 रन की पारियां निर्णायक साबित हुईं।

जूनियर क्रिकेट में नस्लवाद का अनुभव

इस्लामाबाद में जन्मे और बचपन में सिडनी आए ख्वाजा ने जूनियर क्रिकेट के दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय क्रिकेट श्वेत-प्रधान (व्हाइट डामिनेटेड)' था और वहां नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बोलने के कारण वह आलोचना के केंद्र में रहे हैं। दो साल पहले आईसीसी द्वारा उनके जूतों पर लिखे संदेशों को पहनने से रोके जाने का मामला भी चर्चा में रहा था।

बदलाव की कोशिश और भविष्य की उम्मीद

ख्वाजा क्रिकेट आस्ट्रेलिया की मल्टीकल्चरल एक्शन प्लान (2023) को आकार देने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उनका मानना है कि आस्ट्रेलियाई क्रिकेट पहले से बेहतर जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी सफर बाकी है।

उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया एक मल्टीकल्चरल देश है। क्रिकेट में खासकर सबकान्टिनेंट के खिलाड़ियों की बड़ी भागीदारी है, लेकिन यह हमेशा राष्ट्रीय टीम में नजर नहीं आती। टीम में जगह पाना मुश्किल है, और किसी को गिफ्ट नहीं दी जानी चाहिए, लेकिन कहीं न कहीं अब भी चुनौतियां मौजूद हैं। मेरी उम्मीद है कि अगले उस्मान ख्वाजा का सफर थोड़ा आसान हो, और आने वाली पीढ़ियों में ऐसा समय आए जब किसी उस्मान ख्वाजा का सफर किसी जान स्मिथ जितना ही सामान्य हो।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया का समर्थन

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ टाड ग्रीनबर्ग ने ख्वाजा की बातों से सहमति जताते हुए कहा, एक खेल और एक समाज के तौर पर हमें अभी और काम करना है, लेकिन हम सही दिशा में हैं। उस्मान ने क्रिकेट को पहले से बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

ग्रीनबर्ग ने आगे कहा कि ख्वाजा की विरासत सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा, वह एक शानदार क्रिकेटर रहे हैं, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि उन्होंने खेल के बाहर जो योगदान दिया है, वह बेहद गहरा है। उनका प्रभाव आने वाले समय में भी क्रिकेट में महसूस किया जाएगा।

सिडनी टेस्ट के साथ उस्मान ख्वाजा का अंतरराष्ट्रीय सफर खत्म होगा, लेकिन क्रिकेट को अधिक समावेशी और समान बनाने की उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

वीनस विलियम्स को आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

मेलबर्न,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स को 18 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होने वाले आस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की।

45 वर्षीय वीनस विलियम्स लगभग 28 साल बाद मेलबर्न पार्क में वापसी करेंगी। उन्होंने यहां पहली बार 1998 में खेला था, जब उन्होंने दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स को हराया था। हालांकि, क्वार्टरफाइनल में उन्हें अमेरिका की ही लिंडसे डेवनपोर्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह आस्ट्रेलियन ओपन से दो हफ्ते पहले आकलैंड (न्यूजीलैंड) में खेलने उतरेंगी, जहां उन्हें भी वाइल्ड कार्ड मिला है। इसके अलावा, आस्ट्रेलियन ओपन से ठीक पहले वह होबार्ट (आस्ट्रेलिया) में होने वाले एक टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेंगी। वीनस विलियम्स आखिरी बार 2021 में मेलबर्न में खेलती नजर आई थीं। वह आस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल में दो बार उपविजेता रह चुकी हैं— 2003 और 2017 में, जब दोनों ही बार उन्हें फाइनल में बहन सेरेना से हार मिली थी। वीनस ने कहा, मैं आस्ट्रेलिया लौटकर बेहद उत्साहित हूं और आस्ट्रेलियन समर के दौरान प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्सुक हूं। यहां मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं और उस जगह पर लौटने का मौका मिलना मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखता है। मेलबर्न पार्क में वीनस का रिकार्ड 54 जीत और 21 हार का रहा है। 2026 में यह 22वीं बार होगा जब वह आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रा में नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों के अनुसार, वीनस विलियम्स आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रा में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले यह रिकार्ड जापान की किमिको डेटे के नाम था, जिन्होंने 2015 में 44 साल की उम्र में यहां मुकाबला खेला था।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में भाग लेते हुए सुदरलैंड और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी।

प्रशंसकों को पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

मुम्बई,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष ओर महिला क्रिकेट टीमों को इस बार कई अहम मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी की दोनो ही टीमें इनमें जीत दर्ज करेंगी। भारतीय क्रिकेट के लिए बीता साल टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं रहा था। वहीं इस साल प्रशंसकों को टीम से इस लंबे प्रारुप में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा प्रशंसकों को उम्मीद रहेंगी कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप में जीत दर्ज कर खिताब बरकरार रखे। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की में खेला जाएगा। पुरुष क्रिकेट में अब तक कोई भी टीम टी20 विश्वककप का खिताब बरकारार नहीं कर पाई है। अब देखना होग कि इस बार टीम इसे बरकरार रख पाती है या नहीं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नजरें भी एकदिवसीय विश्वकप के बाद टी20 विश्वकप जीतने पर रहेंगी।

12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाला महिता टी20 विश्व कप 2026 जीतकर भारतीय टीम खेल में अपना दबदबा बनाना चाहेगी।

वहीं भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका और नवंबर में न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में छठे स्थान पर है। ऐसे में अगर उसे फाइनल की दौड़ में बने रहना है, तो इन दोनों टेस्ट सीरीज में बड़ी जीत हासिल करनी होग।

इसके अलावा जापान में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में भी भारतीय पुरुष और महिला टीम जीत हासिल करना चाहेंगी। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 2023 में यहां दोनो वर्गों में खिताब जीते थे।

सजोर्ड मारिजने बने भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच

टोक्यो ओलंपिक की ऐतिहासिक सफलता से जुड़े डा. वेन लोम्बार्ड भी सपोर्ट स्टाफ में शामिल

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

हाकी इंडिया ने शुक्रवार को सजोर्ड मारिजने को भारतीय महिला हाकी टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की। डच कोच सजोर्ड मारिजने एक बार फिर भारतीय सेटअप में लौटे हैं।

इससे पहले उनके कार्यकाल में भारतीय महिला हाकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था, जो 36 वर्षों में ओलंपिक में टीम की दूसरी भागीदारी थी।

मारिजने के साथ सहयोगी स्टाफ में अर्जेंटीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मटियास विला को एनालिटिकल कोच नियुक्त किया गया है। विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और 2000 सिडनी तथा 2004 एथेंस ओलंपिक में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व किया था। वे पिछले दो दशकों से कोचिंग से जुड़े रहे हैं।

इसके अलावा, टोक्यो ओलंपिक में टीम की फिटनेस और प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाने वाले डा. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और हेड आफ एथलेटिक परफार्मेंस के रूप में भारतीय हाकी में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ रोडेट यिला और सियारा यिला भी साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा होंगे।

भारत वापसी पर सजोर्ड मारिजने ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, भारत लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद मैं नई ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ वापस आया हूं। मेरा लक्ष्य टीम के विकास में योगदान देना और खिलाड़ियों को विश्व मंच पर अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करना है।

मुख्य कोच के रूप में मारिजने की पहली बड़ी चुनौती एफआईएच महिला हाकी विश्व कप क्वालिफायर होगी, जो 8 से 14 मार्च 2026 तक हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित की जाएगी। वे 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोचिंग शिविर 19 जनवरी से ह्र्व बेंगलुरु में शुरू होगा।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने कहा, हम सजोर्ड मारिजने और पूरे सपोर्ट स्टाफ का भारतीय हाकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के आभारी हैं, जिन्होंने समय पर नियुक्ति सुनिश्चित की ताकि विश्व कप क्वालिफायर की तैयारियों में कोई बाधा न आए। फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है, जो टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन का अहम कारण रहा था।

वहीं हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हम सजोर्ड मारिजने और उनके सपोर्ट स्टाफ को शुभकामनाएं देते हैं। सजोर्ड टीम को अच्छी तरह समझते हैं और कोर ग्रुप के कई खिलाड़ी पहले उनके साथ खेल चुके हैं। हमें उम्मीद है कि यह टीम एशियाई खेलों और विश्व कप क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन करेगी।

जीएसटी कलेक्टशन ने भर दिया सरकार का खजाना, दिसंबर में 6.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 1.74 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

सरकार ने जारी किए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से केंद्र सरकार की आय में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है। सरकार ने गुरुवार, 1 जनवरी 2026 को दिसंबर 2025 के जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए, जो उत्साहजनक रहे। साल के आखिरी महीने में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 6.1 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये था।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बड़े पैमाने पर जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद राजस्व संग्रह में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिसंबर 2025 में घरेलू लेन-देन से प्राप्त ग्रॉस रेवेन्यू 1.2 फीसदी बढ़कर 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं, आयातित वस्तुओं से मिलने वाला राजस्व तेजी से बढ़ा और इसमें 19.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे यह 51,977 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

इस दौरान जीएसटी रिफंड में भी उल्लेखनीय उछाल देखने को मिला। दिसंबर महीने में रिफंड की राशि 31 फीसद बढ़कर 28,980 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने के बाद नेट जीएसटी रेवेन्यू 1.45 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा, जो पिछले साल की तुलना में 2.2 फीसदी अधिक है।

हालांकि, सेस कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई है। दिसंबर 2025 में सेस कलेक्शन घटकर 4,238 करोड़ रुपये रह गया, जबकि दिसंबर 2024 में यह 12,003 करोड़ रुपये था। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका मुख्य कारण कंपन्सेशन सेस के दायरे में बदलाव है।

जीएसटी रेट कट का दिखा असर - रिपोर्ट के अनुसार, 22 सितंबर 2025 से सरकार ने करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की थी। इस फैसले से रोजमर्रा के लगभग 99 फीसदी सामान सस्ते हुए, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली। हालांकि, दरों में कमी का असर राजस्व वृद्धि की रफ्तार पर पड़ा है। अब कंपन्सेशन सेस केवल तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर ही लगाया जा रहा है, जबकि पहले यह लग्जरी और अन्य सिन प्रोडक्ट्स पर भी लागू था।

न्यूज ब्रीफ

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एक्स 70 एयर प्रो जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। मोटोरोला कंपनी जल्द ही अपना नया स्मार्टफोन मोटोरोला एक्स 70 एयर प्रो लॉन्च कर सकती है। कंपनी द्वारा जारी किए गए लेटेस्ट टीजर ने यूजर्स की उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि यह फोन मोटोरोला सिग्नेचर या एज 70 अल्ट्रा का रीब्रैंडेड वर्जन हो सकता है। टीजर पोस्टर में फोन का रियर कैमरा मॉड्यूल दिखाया गया है, जिसमें ट्रिपल कैमरा सेटअप नजर आता है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इसमें पेरिस्कोप टेलिफोटो सेंसर मिलेगा, जो एडवांस जूम फोटोग्राफी की सुविधा देगा। इसके साथ ही फोन में एआई आधारित इमेजिंग फीचर्स और स्मार्ट फोटो एडिटिंग टूल्स मिलने की उम्मीद है, जिससे कैमरा परफॉर्मेंस और बेहतर होगी। लीक रिपोर्ट्स के मुताबिक फोन में 6.7 इंच का ओलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है, जो 1.5के रेजॉल्यूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर, 16जीबी तक रैम और एंड्राएड 16 आउट ऑफ द बॉक्स मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का प्राइमरी सेंसर, 50 एमपी अल्ट्रावाइड लेंस और 50एमपी पेरिस्कोप टेलिफोटो कैमरा शामिल हो सकता है। चार्जिंग की बात करें तो मोटोरोला एक्स 70 एयर प्रो को 3सी सर्टिफिकेशन मिल चुका है और यह 90डब्ल्यू वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

नई स्पोर्ट्स बाइक केटीएम आरसी 160 जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में केटीएम अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक केटीएम आरसी 160 को जल्द लॉन्च कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केटीएम आरसी 160 की एक्स-शोरूम कीमत 1.85 लाख से 1.90 लाख रुपये के बीच हो सकती है और इसे आने वाले हफ्तों में पेश किया जा सकता है। डिजाइन की बात करें तो केटीएम आरसी 160 का लुक काफी हद तक आरसी 200 से मिलता-जुलता है। शार्प फेयरिंग, स्पोर्टी ग्राफिक्स और एग्रेसिव स्टांस इसे एक फुल-फ्लेज्ड सुपरस्पोर्ट बाइक का अहसास देते हैं। इसमें 164.2सीसी का लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलेगा, जो करीब 18.7बीएचपी की पावर और 15.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। सस्पेंशन के लिए इसमें डब्ल्यूपी एपेक्स इन्वर्टेड फ्रंट फोर्क और रियर मोनोशॉक दिए जाने की उम्मीद है। ब्रेकिंग सेटअप में 320एमएम फ्रंट और 230 एमएम रियर डिस्क ब्रेक के साथ ड्यूल-चैनल एबीएस मिल सकता है। बाइक में हल्के एलॉय व्हील्स और एलसीडी इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिए जाने की संभावना है। केटीएम आरसी 160 का सीधा मुकाबला यामाहा आर15 4वी से होगा, जो इस सेगमेंट की सबसे पॉपुलर स्पोर्ट्स बाइक है।

नए साल की शुरुआत में कई नई एसयूवी होंगी लॉन्च

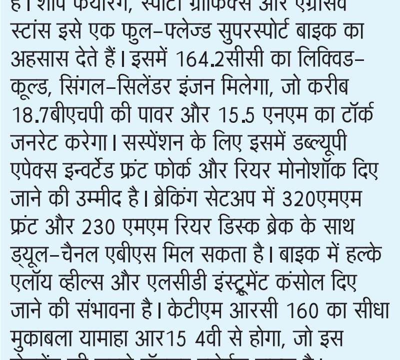

नई दिल्ली। भारतीय ऑटो बाजार में नए साल की शुरुआत में कई नई एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं। सितंबर में जीएसटी कटौती के बाद इस सेगमेंट में तेजी से ग्रोथ देखने को मिली है, जिसका फायदा उठाने के लिए कंपनियां नए मॉडल पेश करेंगी। हुंडई और किआ अगले साल कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत करने की तैयारी में हैं। किआ की ओर से सबसे पहले किआ सिरोस ईवी को लॉन्च किए जाने की उम्मीद है, जो 2025 की पहली छमाही में भारतीय शोरूम में दस्तक दे सकती है। यह कंपनी की पहली नई कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी। इसमें कवर्ड ग्रिल, एक्टिव एयर फ्लैप, 17-इंच एलॉय व्हील्स और स्पोर्टी जीटी-लाइन एलिमेंट्स मिल सकते हैं। इसमें एलएफपी बैटरी पैक मिलने की संभावना है। वहीं हुंडई 2026 की दूसरी तिमाही में एक्सटर का फेसलिफ्टेड वर्जन पेश कर सकती है, जिसमें नया ग्रिल, अपडेटेड बंपर और बदला हुआ इंटीरियर मिलेगा। इसके अलावा 2026 की तीसरी तिमाही में हुंडई बेयन को भारत में लॉन्च किया जा सकता है, जो मारुति फ्रोंक्स को टक्कर देगी। बेयन में 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और भविष्य में हाइब्रिड विकल्प मिलने की उम्मीद है।

नए साल की रात क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर ऑर्डरों की बारिश

अंगूर से लेकर बिरयानी तक, घर बैठे जश्न ने बनाया 31 दिसंबर सबसे व्यस्त रात

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

देशभर में नए साल 2026 का स्वागत पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। जैसे ही आधी रात की उलटी गिनती शुरू हुई, वैसे ही क्विक कॉमर्स और फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर ऑर्डरों की बाढ़ आ गई। 31 दिसंबर की रात इन प्लेटफॉर्म के लिए साल की सबसे व्यस्त रातों में से एक रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर 2025 के आखिरी घंटे यानी रात 11 से 12 बजे के बीच पार्टी से जुड़े सामान, स्नैक्स और पेय पदार्थों की मांग में जबरदस्त उछाल देखा गया। सबसे अधिक मांग अंगूरों की रही, जिनके ऑर्डर में 15 गुना वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद केक (7 गुना), बारबेक्यू आइटम (6 गुना) और पेय पदार्थ (3.5 गुना) शामिल रहे।

स्विगी के एक अधिकारी के अनुसार, केवल सुबह के समय अंगूरों के लिए 2.35 लाख सर्च दर्ज की गईं। स्विगी पर केक, पिज्जा और खासतौर पर बिरयानी की भारी मांग रही। शाम 7:30 बजे से पहले ही बिरयानी के 2.18 लाख से अधिक ऑर्डर दर्ज किए गए। रात 8 बजे के आसपास ऑर्डर प्रति मिनट की संख्या 1,300 से अधिक पहुंच गई। डेजर्ट में रस मलाई, गाजर का हलवा और गुलाब जामुन सबसे ज्यादा पसंद किए गए। ऑर्डरों का यह उछाल केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। लोनावला, करीमनगर, सहारनपुर, दावणगेरे और पटियाला जैसे शहरों में भी मजबूत मांग देखने को मिली। पटना, सूरत, जयपुर, पुणे और इंदौर जैसे शहरों में फूड डिलिवरी ऑर्डर तेजी से बढ़े।

डेनमार्क ने 400 साल पुरानी डाक सेवा बंद की, डिजिटल युग की ओर कदम

डेनमार्क। डेनमार्क ने अपनी सरकारी डाक सेवा को पूरी तरह बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। यह सेवा साल 1624 से चल रही थी और अब लगभग 400 साल बाद औपचारिक रूप से समाप्त हो चुकी है। डाक कंपनी पोस्टनार्ड ने घोषणा की है कि अब वह घर-घर जाकर पत्र नहीं पहुंचाएगी और केवल पार्सल डिलीवरी तथा डिजिटल सेवाओं पर ध्यान देगी। पिछले 25 वर्षों में कागजी पत्रों की संख्या में 90 प्रतिशत से अधिक कमी आई है। नागरिक अब संवाद के लिए ईमेल, डिजिटल मेलबॉक्स और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। कम पत्र और बढ़ते खर्च के कारण डाक सेवा कंपनी के लिए यह आर्थिक रूप से बोझ बन गई थी। डेनमार्क की सड़कों की पहचान बने ऐतिहासिक लाल मेलबॉक्स भी हटाए जा रहे हैं। दिसंबर में इन्हें चैरिटी के लिए बेचा गया, शुरुआती कीमत लगभग 1500-2000 डेनिश क्रोनर (करीब 18,000-24,000 रुपये) थी। लोगों ने इन्हें यादों और भावनाओं के चलते ऊंची कीमत पर खरीदा। डेनमार्क अकेला नहीं है। दुनिया के कई विकसित देशों में भी डाक वितरण में बदलाव हो रहे हैं और डिजिटल माध्यम तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि पारंपरिक पत्रों का स्थान अब ईमेल और ऑनलाइन सेवाओं ने ले लिया है।

अमेरिकी कंपनी टेस्ला की 4680 बैटरी टेक्नालॉजी संकट के दौर में

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिकी कंपनी टेस्ला की 4680 बैटरी टेक्नोलॉजी अब गंभीर संकट के दौर से गुजरती नजर आ रही है। दक्षिण कोरिया की बैटरी मटेरियल सप्लायर कंपनी एल एंड एफ कंपनी के साथ टेस्ला की बहुचर्चित सप्लाई डील लगभग खत्म हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2.9 बिलियन डॉलर की यह डील घटकर अब महज कुछ हजार डॉलर रह गई है, जिससे टेस्ला की बैटरी रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। यह डील 2023 में 4680 बैटरी के लिए हाई-निकल कैथोड मटेरियल सप्लाई को लेकर हुई थी। डील में आई भारी गिरावट इस ओर इशारा करती है कि टेस्ला ने या तो 4680 बैटरी का प्रोडक्शन काफी हद तक कम कर दिया है या फिर इस प्रोजेक्ट को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। मौजूदा समय में 4680 बैटरी का इस्तेमाल सिर्फ सायबरट्रक में हो रहा है, लेकिन इस इलेक्ट्रिक ट्रक की बिक्री कंपनी की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। टेस्ला ने बैटरी डे 2020 में 4680 सेल को लागत कम करने और लंबी रेंज देने वाला गेमचेंजर बताया था, लेकिन पांच साल बाद भी ये वादे पूरी तरह साकार नहीं हो सके। दूसरी ओर, बीएमडब्ल्यू, रिवियन और सीएटीएल जैसी कंपनियां इसी तरह की बैटरी टेक्नोलॉजी को ज्यादा बेहतर स्केल पर लागू कर चुकी हैं। ऐसे में 4680 बैटरी टेस्ला के लिए फिलहाल बड़ी उपलब्धि की बजाय एक चुनौती बनती दिख रही है। सालाना लाखों यूनिट उत्पादन की क्षमता के मुकाबले वास्तविक बिक्री बेहद सीमित रही, जिससे बैटरी की मांग भी घट गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओल्ड सिटी कब...

अधिग्रहण किया जा सका है। शेष संपत्तियों को लेकर कानूनी और स्वामित्व संबंधी विवाद उत्पन्न हो गए हैं, जिससे काम की गति धीमी पड़ गई है।

धार्मिक स्थल और ऐतिहासिक ढांचे: अधिग्रहण की पेचीदगियां

ओल्ड सिटी मेट्रो प्रोजेक्ट में सबसे बड़ी समस्या भूमि विवाद हैं। सैकड़ों संपत्ति मालिकों ने अपनी संपत्तियों को बचाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। इस मार्ग पर कई ऐतिहासिक और धार्मिक निर्माण मौजूद हैं, जिन्हें लेकर विशेष सावधानी बरतने और संवेदनशील समाधान निकालने की बात कही गई थी, लेकिन जमीनी स्तर पर ये रुकावटें अभी भी बरकरार हैं।

सरकार का लक्ष्य पिछले सितंबर तक सभी संपत्तियों को अधिग्रहित करने का था, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए अब मार्च या अप्रैल 2026 तक ही संपत्ति संग्रह पूरा कर तोड़फोड़ का काम शुरू होने की उम्मीद है। जब तक अदालतों में लंबित भूमि विवाद सुलझ नहीं जाते, तब तक मेट्रो कार्यों के पटरी पर लौटने के आसार कम ही दिखाई दे रहे हैं।

नए प्रबंधन के सामने चुनौतियों का पहाड़

हैदराबाद मेट्रो को नया एमडी मिलने के बाद भी कार्यान्वयन के स्तर पर गंभीर कठिनाइयाँ आ रही हैं। प्रशासन द्वारा समस्याओं के समाधान पर पर्याप्त ध्यान न दिए जाने के कारण स्थानीय लोगों और व्यापारिक संगठनों में भी चिंता बढ़ रही है। जहाँ एक तरफ सरकार तेजी से काम पूरा करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ केवल उन्हीं क्षेत्रों में तोड़फोड़ की जा रही है, जहाँ संपत्तियां पहले ही सौंपी जा चुकी हैं। पूरे 7.5 किलोमीटर के स्ट्रेच पर एक साथ काम शुरू होना फिलहाल असंभव लग रहा है।

मूसी साफ करो...

सरकार से तीखे सवाल पूछते हुए ओवैसी ने पूछा कि क्या मूसी नदी की सफाई का कार्य विकाराबाद से शुरू होगा या गंडीपेट से? उन्होंने आरोप लगाया कि शहर का सारा गंदा पानी और कचरा इनमें बहाए जाने के कारण मूसी और ईसा नदियाँ अब नदियाँ नहीं रहीं, बल्कि खुले सीवेज लाइनों में तब्दील हो गई हैं।

प्रदूषण में दुनिया में 8वें स्थान पर मूसी

अकबरुद्दीन ओवैसी ने सरकार से सवाल किया कि आखिर मूसी की सफाई वास्तव में कहाँ से कहाँ तक की जाएगी? उन्होंने पूछा, ''क्या सफाई विकाराबाद से शुरू होगी या बीच के किसी हिस्से से? विकाराबाद से गंडीपेट तक सरकार की क्या योजना है?'' उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया कि मूसी नदी प्रदूषण के मामले में दुनिया में 8वें स्थान पर है।

उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि मूसी अब कोई नदी नहीं रह गई है, बल्कि यह एक विशाल 'सीवेज प्लांट' में तब्दील हो गई है। शहर का सारा गंदा पानी और कचरा इसमें मिल रहा है, और यहाँ तक कि गंडीपेट जलाशय में भी सीवेज का पानी प्रवेश कर रहा है।

ओवैसी ने मांग की कि दशकों पहले बने उस्मान सागर और हिमायत सागर जलाशयों की गाद निकाली जाए ताकि उनकी जल भंडारण क्षमता बढ़ाई जा सके। उन्होंने तर्क दिया कि यदि इन जलाशयों की क्षमता बढ़ती है, तो भविष्य में गोदावरी के पानी को यहाँ आसानी से डायवर्ट किया जा सकता है। उन्होंने सरकार से इन जलाशयों के 'कैचमेंट एरिया' की सुरक्षा और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी जवाब माँगा।

हैदराबाद में...

रंगारेड्डी रूरल (फ्यूचर सिटी): फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट के दायरे को ग्रामीण जिला बनाया जाएगा। इसमें शादनगर, शमशाबाद ग्रामीण, चेवेल्ला, अमनगुल, कंदुकुर और महेश्वरम जैसे मंडलों को शामिल किया जाएगा।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के अनुसार, जनगणना-2027 (हाउसिंग सेंसस) अप्रैल 2026 से शुरू होनी है, इसलिए राज्य सरकार अगले साल जनवरी के अंत तक इस पुनर्गठन प्रक्रिया को पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। हाल ही में सरकार ने आउटर रिंग रोड के भीतर आने वाली 20 नगर पालिकाओं और 7 नगर निगमों को त्रक्क्वउ में शामिल कर हैदराबाद की सीमाओं का विस्तार पहले ही कर दिया है।

सरकार ने आउटर रिंग रोड (ORR) और रीजनल रिंग रोड (RRR) के बीच के क्षेत्र को भविष्य के विकास केंद्र के रूप में चुना है। 'फोर्थ सिटी' के इसी जोन में आकार लेने के कारण, बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। शहर के नियोजित विस्तार के उद्देश्य से इस क्षेत्र को एक विशेष 'ग्रोथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

सैटेलाइट टाउनशिप और लॉजिस्टिक हब को हरी झंडी

सरकार के विजन डॉक्यूमेंट के अनुसार, इस कॉरिडोर में सैटेलाइट टाउनशिप की स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

परिवहन क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए लॉजिस्टिक हब को प्रमुख परियोजनाओं के रूप में प्रस्तावित किया गया है। HMDA (हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी) के तत्वावधान में इनके डिजाइन और कार्यान्वयन की योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

हालांकि पूर्व में पटेनचेरु के अंतर्गत लकड़ाराम और पटेनचेरु क्षेत्रों में लॉजिस्टिक पार्क के प्रस्ताव आए थे, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए थे। अब नए विजन के साथ इन्हें फिर से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

लॉजिस्टिक हब में आने वाली प्रमुख सुविधाएं

इन विकास क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जाएगा, जिसमें शामिल हैं- कंटेनर डिपो और कंटेनर स्टेशन, फ्री वेयरहाउसिंग जोन और फ्रेट विलेज, आधुनिक गोदाम और कोल्ड स्टोरेज यूनिट, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, माल प्रसंस्करण (Processing) और पैकिंग इकाइयां। इन सभी सुविधाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की गई है।

ट्रैफिक में कमी और परिवहन प्रणाली में बड़े बदलाव

वर्तमान में हैदराबाद शहर के भीतर माल ढुलाई के कारण ट्रैफिक का बोझ लगातार बढ़ रहा है। इसके समाधान के रूप में, लोडिंग और अनलोडिंग गतिविधियों को शहर के बाहरी इलाकों में स्थानांतरित करने का विचार है, जिसमें ये लॉजिस्टिक हब रीढ़ की हड्डी साबित होंगे।

वर्तमान में बाटासिंगाराम और मंगलपल्ली क्षेत्रों में पहले से ही दो हब मौजूद हैं। HMDA का लक्ष्य महानगर के चारों ओर कम से कम दस लॉजिस्टिक हब उपलब्ध कराना है। 'ब्लू ग्रीन मोबिलिटी' अवधारणा के आधार पर सार्वजनिक परिवहन और माल ढुलाई के लिए विशेष मार्ग तैयार किए जाएंगे।

रियल एस्टेट में उछाल और रोजगार के बड़े अवसर

इन परियोजनाओं के प्रभाव से ORR और RRR के बीच के क्षेत्रों में जमीन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है। सैटेलाइट टाउनशिप, वेयरहाउस जोन और औद्योगिक इकाइयों के आने से रियल एस्टेट की मांग तेजी से बढ़ेगी, जिससे आवासीय परियोजनाओं और वाणिज्यिक स्थानों के लिए एक बेहतर बाजार तैयार होगा।

आरएसएस कोई ...

संघ का काम समाज को जोड़ना और उसमें नैतिक व चारित्रिक गुणों को मजबूत करना है।

इतिहास का उल्लेख करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि अंग्रेज भारत पर आक्रमण करने वाले पहले विदेशी नहीं थे। उन्होंने कहा कि बार-बार ऐसा हुआ कि दूर-दराज से आए, भारत से कम समृद्ध और कम शक्तिशाली लोग यहां आकर हमें पराजित करने में सफल रहे।

उन्होंने कहा कि ऐसा सात बार हुआ और अंग्रेज आठवें आक्रांता थे। सवाल यह है कि आज़ादी की स्थायी गारंटी क्या है? हमें यह सोचना होगा कि ऐसा बार-बार क्यों हुआ।

अपने संबोधन के अंत में मोहन भागवत ने समाज से आत्ममंथन का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जब समाज स्वार्थ से ऊपर उठकर एकजुट होगा और उसमें गुण व सद्गुण विकसित होंगे, तभी देश का भविष्य सही मायनों में बदलेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 03 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

14 माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माताजी का 16वां जागरण आज

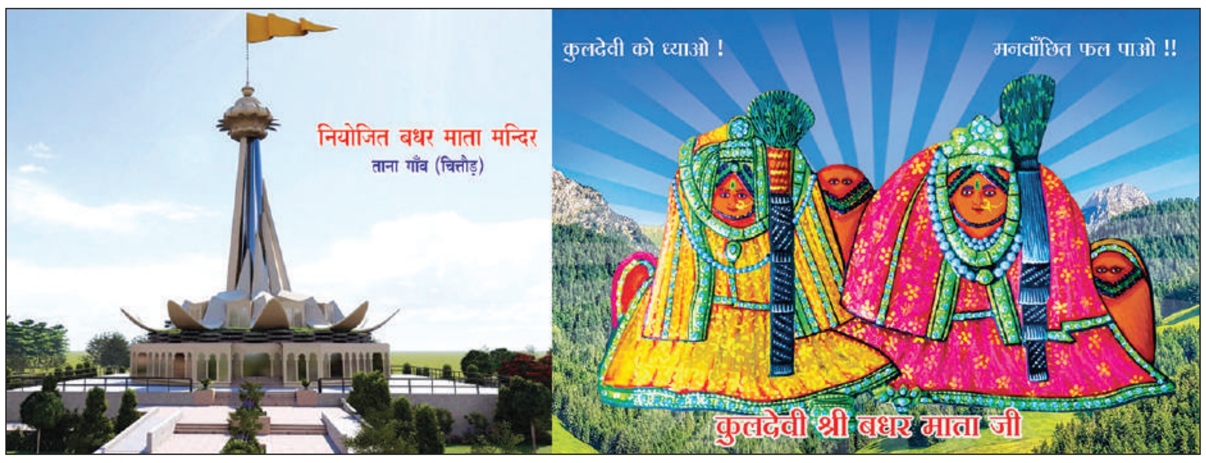

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमानी, मर्दा, बागड़ी, छापरवाल, मक्कड़, गदिया सहित 14 माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माताजी का 16वां जागरण शनिवार दि. 03 जनवरी को माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार, हैदराबाद में श्रद्धा एवं भक्ति भाव से आयोजित किया जाएगा।

यह आयोजन बधर माहेश्वरी सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा विगत 15 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कुलदेवी बधर माता के परिवार को एक मंच पर लाना है। समिति का संचालन अध्यक्ष राजेश सोमानी के नेतृत्व में सुचारू रूप से किया जा रहा है।

समिति के सचिव गोविंद सोमानी ने बताया कि कार्यकारिणी के सभी सदस्य नियमित रूप से मासिक बैठकें करते हैं। समिति द्वारा सभी भक्तों के सहयोग से बधर माता धाम, निर्माण में निर्माणाधीन भक्त निवास में 11 लाख रुपये के अनुदान से एक कमरा बनवाया गया है।

भक्तों को अपने खुशी के अवसर पर कुलदेवी को भेंट अर्पित करने हेतु किटी बैंक के डब्बे वितरित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त समिति अध्यक्ष राजेश सोमानी द्वारा कुलदेवी बधर माता की फोटो निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है।इस वर्ष 16वें जागरण में हैदराबाद की जय भवानी कीर्तन मंडल के विजय जाजू द्वारा रात्रि 8:30 बजे से भव्य जागरण की प्रस्तुति दी जाएगी।

कार्यक्रम में अपराह्न 3:00 बजे: माताजी का हवन, शाम 6:30 बजे: कुलदेवी की पूजा, रात्रि 8:30 बजे से : जागरण आयोजित किया जा रहा है।

हवन एवं पूजा में कुलदेवी के सभी भक्त भाग ले सकते हैं। इसके लिए आवश्यक संपूर्ण सामग्री समिति द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी तथा इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

इस वर्ष बधर माता परिवार की सम्पूर्ण जानकारी युक्त पुस्तिका प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया है। जागरण में पधारने वाले भक्तों से जानकारी युक्त फॉर्म एवं पासपोर्ट साइज फोटो देने की विनती की गई है।पिछले वर्ष जिन भक्तों ने कुलदेवी के दान हेतु किटी बैंक के डब्बे लिए थे, वे डब्बे साथ लाएं अथवा स्वयं राशि लाकर रसीद प्राप्त कर रुपये जमा करवा सकते हैं।

ड्रेस कोड (ऐच्छिक): महिलाएं: लाल रंग की चुनरी और पुरुषों के सफेद कुर्ता-पायजामा है। जागरण का सीधा प्रसारण बधर माता के यू-ट्यूब चैनल एवं बीआरएस राजस्थानी चैनल पर किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रमेश मर्दा, शाम सोमानी, हनूमान सोमानी, राजगोपाल मर्दा, विष्णु गोपाल मर्दा, विट्ठल सोमानी, पुरुषोत्तम सोमानी (झंडा वाला), सुनील सोमानी, रामगोपाल मर्दा, मदन गोपाल सोमानी, प्रदीप सोमानी, सुरेश सोमानी, सी.ए. नंदगोपाल सोमानी, अजय मर्दा एवं राधेश्याम सोमानी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

नाम्पल्ली स्थित उदय ओमनी अस्पताल में इंडियन मेडिकल एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिलीप भानुशाली से भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए फाइट फॉर राइट के संयोजक रिद्धिश जागीरदार।

अग्रवाल समाज गच्चीबौली शाखा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबौली शाखा की कार्यकारिणी बैठक केंद्रीय समिति सदस्य एडवोकेट सुरेश अग्रवाल के निवास स्थान हिल रिज स्प्रिंग्स, गच्चीबौली में संपन्न हुई। बैठक की जानकारी शाखा के उपाध्यक्ष प्रवीण गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

बैठक का शुभारंभ अग्रसेन भगवान की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से नव वर्ष 2026 एवं मकर संक्रांति पर्व को दिनांक 17 जनवरी 2026 को उत्साहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। सभी सदस्यों ने आयोजन को भव्य रूप देने पर सहमति जताई।

सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित एएसटी सुपर सिंगर प्रतियोगिता में शाखा गच्चीबौली के चार सदस्यों द्वारा भाग लेने पर एक स्वर से उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। द्वितीय राउंड में श्रीमती कमलेश अग्रवाल के चयन पर उनके प्रयासों को सराहा गया। वहीं फाइनल राउंड में अनूप अग्रवाल एवं श्रीमती शिखा अग्रवाल के प्रवेश करने पर सभी सदस्यों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

कार्यकारिणी सदस्यों ने कहा कि अनूप अग्रवाल एवं शिखा अग्रवाल ने न केवल गच्चीबौली शाखा का नाम रोशन किया है, बल्कि अग्रवाल समाज तेलंगाना को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

शाखा के कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल द्वारा क्रिकेट मैच आयोजन का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। यह निर्णय लिया गया कि यह मैच जनवरी माह में आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर केंद्रीय समिति सदस्य एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, संतोष टाटिया, उपाध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, सदस्य वीरेश अग्रवाल, महिला विंग की केंद्रीय सदस्य कमलेश अग्रवाल एवं मीतू अग्रवाल उपस्थित रहे।

अंत में एडवोकेट सुरेश अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उपस्थित सदस्यों को जलपान हेतु आमंत्रित किया।

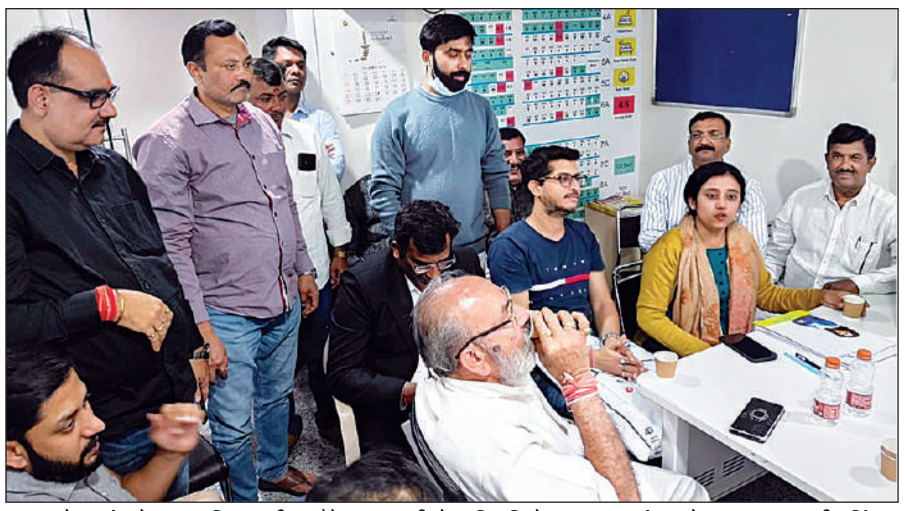
जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्था के अध्यक्ष आर.पी. सिंह के नेतृत्व में जन सेवा संघ का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अस्पताल प्रबंधन से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने श्रीमती साधना सिंह के बेहतर एवं समुचित इलाज को लेकर अस्पताल प्रबंधन से विस्तृत चर्चा की। इस पर अस्पताल प्रबंधन ने श्रीमती साधना सिंह को अच्छे से अच्छा इलाज उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

सौ. धारीणी एवं पारस रमेश जागीरदार के वैवाहिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उनका अभिनंदन करते हुए प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन अध्यक्षा जया जागीरदार। साथ में हैं नवकार मंडल मुंबई की सरलाबेन लोडाया, उर्मिला शाह एवं भरत मोता, उर्वशी-हिरेन दंड, तोरल-रिद्धीश जागीरदार ।

बंडारू दत्तात्रेय ने नूतनकल का दौरा किया

एचएमडीए मास्टर प्लान से प्रभावित किसानों को दिया आश्वासन

मेडचल, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ नेता बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे मेडचल-मल्काजगिरि जिले के मेडचल मंडल के अंतर्गत आने वाले नूतनकल गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय किसानों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना।

इस अवसर पर, श्री दत्तात्रेय ने विशेष रूप से उन किसानों के साथ बातचीत की, जिनकी जमीनें एचएमडीए मास्टर प्लान के तहत लैंड यूज जोन के कारण प्रभावित हुई हैं। किसानों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि मास्टर प्लान के मौजूदा ज़ोनिंग नियमों के कारण उन्हें अपनी जमीन के उपयोग, विकास और बिक्री में कई कानूनी और प्रशासनिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व राज्यपाल ने प्रत्येक किसान की भूमि संबंधी समस्याओं और चिंताओं को व्यक्तिगत रूप से सुना।

किसानों की समस्याओं पर सहानुभूति व्यक्त करते हुए बंडारू दत्तात्रेय ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस गंभीर विषय को जल्द ही राज्य के मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा कि वह एचएमडीए मास्टर प्लान से जुड़ी विसंगतियों और एचएमडीए सीमाओं के भीतर भूमि उपयोग क्षेत्रों में आवश्यक बदलाव की आवश्यकता पर मुख्यमंत्री के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे ताकि किसानों के हितों की रक्षा की जा सके।बैठक के समापन पर श्री दत्तात्रेय ने कहा कि विकास ऐसा होना चाहिए जिससे स्थानीय भूमि मालिकों और अन्नदाताओं का नुकसान न हो। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि वह प्रशासन के साथ मिलकर इन तकनीकी मुद्दों का स्थायी समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। इस बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों और क्षेत्रीय नेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी शिकायतों के दस्तावेज भी उन्हें सौंपे।

पहाड़ी श्याम मंदिर में नए साल की शुरुआत सांवरे के साथ भजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में सांवरे के बावरे द्वारा आयोजित ङ्गनए साल की शुरुआत सांवरे के साथफ भजन कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में निखिल0श्याम, राजनांदगांव द्वारा प्रस्तुत भजनों ने उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया।भजन कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक भक्तिमय प्रस्तुतियों से मंदिर परिसर श्याम नाम के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने भजनों का आनंद लेते हुए सांवरे श्याम के चरणों में अपनी आस्था प्रकट की।

इस अवसर पर भजन गायकों, विशिष्ट अतिथियों एवं सांवरे के बावरे के सदस्यों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में मंदिर अध्यक्ष अरुण डकोतिया, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे।

इसके साथ ही सांवरे के बावरे से जुड़े अमन सारडा, कपीश अग्रवाल, गोपाल द्विवेदी, मोहित शर्मा, मोहित अग्रवाल, उदय राम, निखिल जैन, तनिष्क अग्रवाल, गर्व अग्रवाल, नीतीश अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, विकास, कारण, भूपेश एवं बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तगण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एएसटी सुपर सिंगर का ग्रांड फिनाले कल

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा राजेश कॉर्पोरेशन के तत्वावधान में आयोजित एएसटी सुपर सिंगर प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले कल रविवार, 4 जनवरी को भारतीय विद्या भवन, किंग कोटी में संपन्न होगा। समाज कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 5:00 बजे महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ किया जाएगा।

15 प्रतिभागी लेंगे फिनाले में हिस्सा, विजेताओं का होगा चयन

ग्रांड फिनाले में 45 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के कुल 15 महिला-पुरुष प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार- 45 वर्ष तक की आयु श्रेणी में चयनित 5 प्रतिभागियों में से 3 विजेता और 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 10 प्रतिभागियों में से 3 विजेता चुने जाएंगे।

गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में प्रारंभ में कुल 80 महिला-पुरुष प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

22 दिसंबर को हुए दूसरे ऑडिशन में 20 प्रतिभागी प्रतियोगिता से बाहर हुए। इस प्रकार कुल 15 प्रतिभागी ग्रांड फिनाले में पहुंचने में सफल रहे।

समाज के अधिकृत एप का होगा शुभारंभ

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, सचिव विकास केशान, सह-सचिव डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अधिकृत एप का विधिवत शुभारंभ भी किया जाएगा।

प्रख्यात निर्णायक करेंगे प्रतिभागियों का मूल्यांकन

ग्रांड फिनाले के निर्णायक मंडल में वीणा समूह के अध्यक्ष के.सी. मालू (जयपुर), प्रख्यात ग़ज़ल एवं भजन गायक शरद गुप्ता, प्रख्यात ग़ज़ल गायिका पूर्वा गुरु शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों के साथ परामर्शदाता, पूर्व अध्यक्ष, विभिन्न शाखाओं के सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहेंगे। एएसटीएसएस आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी, को-चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल एवं अशोक जिंदल ने बताया कि इस कार्यक्रम में निर्धारित प्रवेश पत्र के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा।

भद्राद्री कोत्तागुडेम में निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की बस पलटी, कई छात्र घायल

कोत्तागुडेम, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के अश्वपुरम मंडल के मोंडीकुंटा वन क्षेत्र में शुक्रवार को एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की बस सड़क से उतरकर गड्ढे में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में बस में सवार कई छात्र घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बस पलनुचा के केएलआर इंजीनियरिंग कॉलेज की थी, जो छात्रों को लेकर मनुगुर से पलनुचा की ओर जा रही थी।श

हादसे के समय बस में लगभग 50 छात्र सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस सड़क से नीचे उतर गई और पास के एक गहरे गड्ढे में जा गिरी। चीख-पुकार सुनकर वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और राहत कार्य में मदद की।

इस दुर्घटना में एक छात्रा का हाथ टूट गया क्योंकि वह बस की सीटों के बीच फंस गई थी, जबकि कई अन्य छात्रों को मामूली चोटें आई हैं और शरीर से खून बहने की खबरें भी मिली हैं।

हादसे के तुरंत बाद राहगीरों और पुलिस की मदद से घायल छात्रों को इलाज के लिए भद्राचलम के सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिस छात्रा का हाथ टूट गया था, उसे बेहतर इलाज के लिए खम्मम स्थानांतरित कर दिया गया है।

अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, अधिकांश छात्रों की हालत स्थिर है, लेकिन वे इस अचानक हुए हादसे से गहरे सदमे में हैं।

दुर्घटना का स्पष्ट कारण अभी तक पूरी तरह से साफ नहीं हो पाया है, हालांकि प्राथमिक तौर पर चालक की लापरवाही या तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या बस में क्षमता से अधिक छात्र सवार थे या वाहन की फिटनेस में कोई कमी थी।

नव वर्ष पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट

तेलंगाना के विकास और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए साल पर गणमान्य व्यक्तियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान डॉ. शहर यार अली खान एवं मुख्तार अहमद भी उपस्थित रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री के साथ राज्य की प्रगति पर विचार साझा किए गए। यह रेखांकित किया गया कि पिछले दो वर्षों में उनके नेतृत्व में तेलंगाना ने हर क्षेत्र में तीव्र और सर्वांगीण विकास देखा है। मुख्यमंत्री के विजन और शासन की शैली ने राज्य को विकास की एक नई ऊंचाई पर पहुँचाया है, जिसकी चर्चा बैठक के दौरान प्रमुखता से की गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया और राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

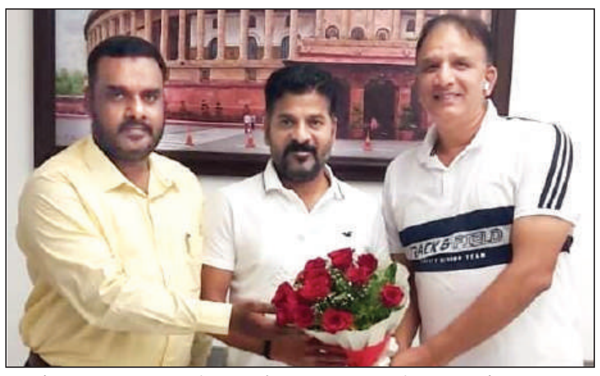

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क में अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में ग्रुप के सक्रिय सदस्यों मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, राजकुमार अग्रवाल, रविंदर गुप्ता, रणधीर, विजया लक्ष्मी कुंछल, द्रिति कुंछल, निकुंज कुंछल एवं हर्षा कुंछल ने सेवा भाव के साथ सहभागिता की।

इनके साथ राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी सहयोग किया।

गीत चाँदनी का विदा-2025 एवं स्वागत-2026 कवि सम्मेलन भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय एवं सक्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में वर्ष 2025 की विदाई तथा नववर्ष 2026 के स्वागत के उपलक्ष्य में गीत चाँदनी के 44वें वर्ष का कवि सम्मेलन हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।यह कवि सम्मेलन गीत चाँदनी की संयोजिका, सुप्रसिद्ध कहानीकार, शिक्षाविद् एवं कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव के आतिथ्य में उनके निवास स्थान शांति निकेतन अपार्टमेंट, प्रथम तल, चिराग अली लेन, कृष्णा-वेणी हाई स्कूल के सामने, आबिड्स, हैदराबाद में आयोजित किया गया।

विशेष अतिथि के रूप में श्री अंजनी कुमार गोयल एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री अनुप कुमार मंचासीन रहे।

ङ्गगीत चाँदनीफ की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी साहित्यप्रेमियों, कवियों एवं अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में ङ्गगीत चाँदनीफ के कार्यदर्शी, गोलकोंडा दर्पण के संपादक एवं कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कवि सम्मेलन की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की, जबकि संचालन स्वयं गोविंद अक्षय ने किया। उन्होंने संस्था की 44 वर्षों की साहित्यिक यात्रा एवं गतिविधियों की जानकारी दी।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य की स्वरचित सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का मंगलारंभ हुआ।वर्ष 2025 की प्रमुख घटनाओं तथा नववर्ष 2026 के स्वागत में नगरद्वय के कवियों ने भावपूर्ण काव्य-पाठ प्रस्तुत किया।

काव्य-पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री ठाकुर दिनेश सिंह, शिवकुमार तिवारी कोहिरी, शोभा देशपांडे, उमेशचंद श्रीवास्तव ङ्गनवांकुरफ, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर, गोविंद अक्षय, सत्यनारायण काकड़ा, चंपालाल बैद, अनिल कुमार गुप्ता, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, राजकुमार यादव, पूनम जोधपुरी, ममता मिश्रा, सुनील मिश्रा, अंजनी कुमार गोयल एवं अनुप कुमार प्रमुख रहे।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित कवियों में से ड्रा द्वारा चयन कर डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव को भाग्यशाली कवि-2025 के रूप में सम्मानित किया गया। उन्हें गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा एवं कवयित्री रत्नकला मिश्र द्वारा प्रदत्त 10 ग्राम का रजत पदक प्रदान किया गया।संस्था के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद के करकमलों द्वारा उन्हें रजत पदक, शॉल, साफा एवं मोतियों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया।विशेष अतिथि श्री अंजनी कुमार गोयल ने नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि गीत चाँदनी हिंदी साहित्य की निरंतर सेवा करने वाली एक अनुकरणीय संस्था है। उन्होंने कहा कि कीर्तिशेष श्री नेहपाल सिंह वर्मा द्वारा वर्ष 1982 में स्थापित यह संस्था आज कवि गोविंद अक्षय के समर्पण एवं अनुशासित नेतृत्व में निरंतर प्रगति कर रही है।विशेष अतिथि श्री अनुप कुमार ने कहा कि ङ्गगीत चाँदनीफ पिछले 44 वर्षों से तेलुगु प्रदेश में हिंदी कविता की समृद्धि हेतु महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने युवाओं से संस्था से जुड़ने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री चंपालाल बैद ने कहा कि ङ्गगीत चाँदनीफ निरंतर सफलता की नई ऊँचाइयों को छू रही है और सभी कवियों को नववर्ष 2026 के लिए सुख, शांति, समृद्धि एवं रचनात्मक ऊर्जा की शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम में विजय नारायण मिश्र (सोनू), विश्वनाथ पेंढारकर, बंसीलाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।अंत में संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, कवियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्हीं की ओर से भोजन की सुंदर व्यवस्था की गई थी।कार्यक्रम का समापन दीप प्रज्ज्वलन के साथ नववर्ष 2026 के स्वागत द्वारा हुआ।

सत्य शक्ति महिला समिति टीवी टावर शाखा का नववर्ष कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नववर्ष के शुभ अवसर पर सत्य शक्ति महिला समिति, टीवी टावर शाखा द्वारा समाज-सेवा एवं आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण एक सराहनीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति ने जरूरतमंदों की सहायता के साथ नववर्ष की मंगलकामनाओं का संदेश देते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व का सुंदर निर्वहन किया।कार्यक्रम के अंतर्गत समिति द्वारा सरकारी स्कूल, पुराना पुल (जियागुड़ा मंदिर के पास) एवं वृद्धाश्रम, मालकपेट में कुल 150 कंबलों का वितरण किया गया। इसके साथ ही सभी लाभार्थियों को अल्पाहार भी प्रदान किया गया, जिससे ठंड के मौसम में उन्हें राहत मिल सके और नववर्ष की शुरुआत स्नेह व सहयोग के भाव के साथ हो।नववर्ष के उपलक्ष्य में समिति की सदस्यों ने जियागुड़ा मंदिर में दर्शन कर समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस आध्यात्मिक पहल ने कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बना दिया।इस सेवा कार्य को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल के मार्गदर्शन में श्रीमती निर्मल सिंघल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, जगदम्बा जी, लक्ष्मी जी एवं पूनम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी सदस्यों के समर्पण एवं टीमवर्क से यह कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति द्वारा किए गए इस सेवा प्रयास की स्थानीय स्तर पर भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है तथा यह पहल समाज के अन्य वर्गों को भी सामाजिक सेवा के लिए प्रेरित कर रही है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने तिरुपति बालाजी में नववर्ष पूजा की

हैदराबाद, 02 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नए साल के शुभ अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्यों ने तिरुपति बालाजी मंदिर में भक्ति-पूजा का आयोजन किया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने भगवान बालाजी के चरणों में विशेष अर्चना कर सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।समूह के सदस्यों ने बताया कि नववर्ष की शुरुआत सेवा, श्रद्धा और भक्ति के साथ करना राधे-राधे ग्रुप की परंपरा है। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से समाज सेवा और धर्म के मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, अंजया सेट, मधु, सुनीता जी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण भी किया।

इस अवसर पर समूह ने न केवल भगवान बालाजी के चरणों में भक्ति अर्पित की, बल्कि नए वर्ष में सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सौभाग्य की कामना भी की। राधे-राधे ग्रुप की यह परंपरा समाज में सेवा और संस्कार के महत्व को बढ़ावा देती है और सदस्यों में सामूहिक भक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती है।

नए साल का जश्न मातम में बदला

आरटीसी बस की चपेट में आने से दंपत्ति की मौत

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में नए साल का जश्न मनाने जा रहे एक दंपत्ति की गुरुवार रात (1 जनवरी, 2026) एक भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना मूसारामबाग में हुई, जहाँ तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान 50 वर्षीय तिरुपति राव और 45 वर्षीय वेंकटम्मा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सूर्यपेट जिले के निवासी थे। यह दंपत्ति हैदराबाद के कोठापेट, दिलसुखनगर में रहने वाली अपनी बेटी से मिलने आए थे।

पुलिस के अनुसार, रात करीब 9 बजे यह दंपत्ति दुपहिया वाहन पर सवार होकर नए साल का जश्न मनाने के लिए टैंक बंड (ढरपङ्म ईीपव) की ओर जा रहे थे। यात्रा के दौरान, तिरुपति राव ने कथित तौर पर अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे वाहन पर से उनका नियंत्रण खो गया और दोनों सड़क पर गिर पड़े।

मलकपेट के एसीपी के. सुब्बा रामी रेड्डी ने बताया कि गिरने के कारण वे पीछे से आ रही दिलसुखनगर डिपो की आरटीसी बस के पिछले पहियों की चपेट में आ गए। दोनों पीड़ितों को घातक चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हृदयविदारक बात यह है कि दंपत्ति की बेटी और दामाद एक अन्य दुपहिया वाहन पर उनके आगे चल रहे थे और वे इस पूरी घटना के प्रत्यक्षदर्शी बने। इस हादसे ने शहर में नए साल की खुशियों पर मातम का साया फैला दिया है।

एसीपी ने स्पष्ट किया कि इस दुर्घटना के लिए बस चालक जिम्मेदार नहीं था और यह हादसा दुपहिया वाहन चालक की लापरवाही (अचानक ब्रेक लगाने) के कारण हुआ। बस चालक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मलकपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा और सतर्क ड्राइविंग के महत्व को रेखांकित करती है, विशेष रूप से उत्सव के अवसरों के दौरान जब सड़कों पर भीड़ अधिक होती है।

शमशाबाद श्री आईमाता मंदिर में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

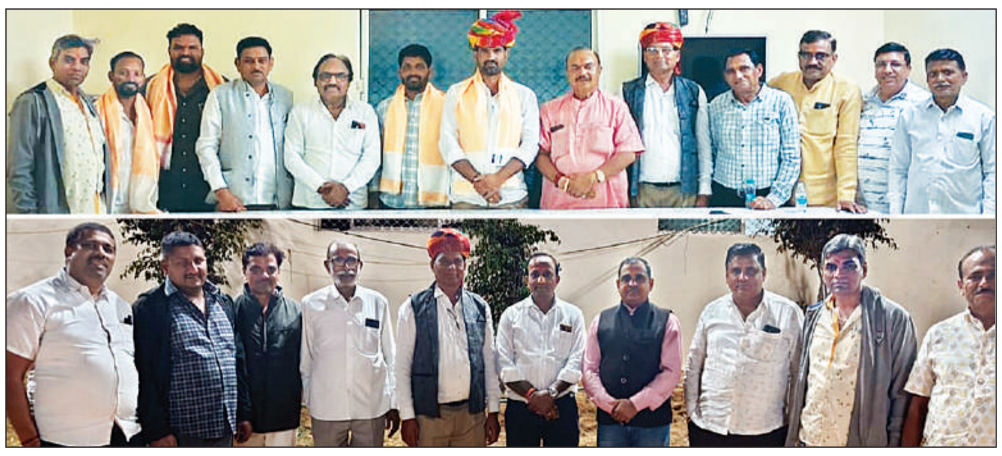

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद स्थित श्री आईमाता मंदिर में काग परिवार के तत्वावधान में एक स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीरवी समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी, समाजसेवी एवं वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आयोजक के रूप में अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रांतीय अध्यक्ष श्री हरजीराम काग की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ गणपत काग, श्री कृष्ण गोपाल पंवार, दिनेश पंवार, सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड़ भी उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त शमशाबाद शिक्षा समिति के सचिव भीखाराम काग, कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, बाबूलाल पंवार, सलाहकार भूराराम परिहार तथा वरिष्ठ सदस्य मलाराम पंवार ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में सीरवी समाज कोरेमुला के अध्यक्ष कालुराम काग, सह सचिव राजाराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार उपस्थित रहे।

वहीं सीरवी समाज वडेर संगा रेड्डी के अध्यक्ष रुघाराम परिहारिया, लिकमाराम, मोहनलाल, चंद्राराम ने सहभागिता निभाई।

इसके साथ ही सीरवी समाज बडेर मणिकोंण्डा के अध्यक्ष बाबूलाल भायल, सीरवी समाज बडेर शादनगर के अध्यक्ष कैलाश बफा, भंवरलाल सैणचा भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

सीरवी समाज युवा संगठन की ओर से केसाराम सोलंकी, पुनाराम पंवार, मोहनलाल सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समस्त सीरवी समाज बंधुओं ने आपसी सौहार्द, एकता और सामाजिक समरसता का परिचय दिया। स्नेह मिलन कार्यक्रम आपसी परिचय, संवाद और सामाजिक एकजुटता के वातावरण में सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

कांग्रेस नेता एन.के. सिंह की माता स्व.सावित्री देवी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर दि. 2 जनवरी 2026 को साहेब नगर स्थित शांति निकेतन अनाथ आश्रम में मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं दिव्यांग लोगों के लिए भोजन सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आश्रम में रह रहे लोगों को ससम्मान भोजन कराया गया। इस सेवा कार्यक्रम में एन.के. सिंह, नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, राजेंद्र तिवारी एवं निखिल विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

विशेष मुख्य सचिव सी. वी. आनंद से भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं व मंदिर प्राणप्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव एवं गृह विभाग के प्रमुख सी. वी. आनंद से उनके सचिवालय कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की गई। इस अवसर पर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दी गईं।

भेंट के दौरान शशिकांत अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल एवं विकास मोदी द्वारा सी. वी. आनंद को आगामी मंदिर प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम में पधारने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया गया। मुलाकात सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के महत्व पर भी संक्षिप्त चर्चा की गई।

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ नेता बंडारू दत्तात्रेय को नूतन वर्ष 2026 की शुभकामनाएं देते हुए रामदेव नागला, कचरूलाल शर्मा।

नर्सिंग मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुस्लिम जंग पुल स्थित नर्सिंग मंदिर, सिटी कॉलेज में अंग्रेजी कैलेंडर नववर्ष के उपलक्ष्य में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।महोत्सव के दौरान भक्तों ने अन्नकूट प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। मंदिर परिसर में भक्ति, सेवा और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।कार्यक्रम में रामपाल पाण्डेय, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, सचिव नीरज तिवारी, प्रदीप कुमार पाण्डेय, आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री, सुरेंद्र गौतम, मनीष द्विवेदी, उमेश पाण्डेय, संदीप शुक्ला, अखिलेश पाण्डेय, सुशील द्विवेदी, महेंद्र तिवारी, अजय शुक्ला, देवेन्द्र महाराज सहित अन्य अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, HYDERABAD: AT: HYDERABAD.
OS. NO.551 OF 2015.
BETWEEN :
Smt Saloni Mathur, W/o. Giridhar Lal, ...Plaintiff
AND
Smt. Suresh Kishori Mathur & 8 Others ....Defendants
To,
1.Smt. Suresh Kishori Mathur W/o. Late. K.K. Mathur, Resident of H.No. 22-5-313, Fatheullah Baig Lane, Charminar, Hyderabad.
2.Sharma Mathur, D/o. Late K.K. Mathur, Aged about 45 years, Occ: Housewife, Resident of Flat no. 402, Janapriya Apartments, Attapur, Rangareddy Dist, T.S.
3.Shalini Mathur, D/o. Late K. K. Mathur Aged about Major, Resident of H.No. 22-5-313, Fatheullah Baig Lane, Charminar, Hyderabad, Telangana State. ---Defendant no.1, 4 & 5

Please take notice that, the above said Plaintiff i.e., Smt Saloni Mathur, W/o. Giridhar Lal, has filed a IA.NO. 2108 OF 2025, IA. No. 2109 of 2025 IN OS. No.551 of 2015, before the Hon'ble 1st Senior Civil Judge, City Civil Court Hyderabad , seeking to implead the interested parties i.e., proposed Defendant no. 6, 7, 8 & 9 in the above said main suit, and the same is initially dismissed for default, and as such the above said Petitioner/Plaintiff field above said IA's seeking for restoration. The said IA's were posted for hearing for your appearance. But you no. 1, 4 and 5 could not appear before the above said Hon'ble court repeatedly. Thereby the above said Hon'ble court was pleased to permit the Petitioner /plaintiff for issuing of paper publication under substitute service to you all and the said case is posted for your appearance on 7-1-2026.Therefore make it convenient to appear before the Hon'ble Ist Senior Civil Judge, City Civil Court, Hyderabad at Hyderabad on 7-1-2026 at 10.30 A.M. either personally or through your advocates. Failing which the matter will be heard exparte.
// By Court Order//
M/s. M.V. Swamy & Associates
Office: SRT 733, Sanathnagar, Hyd-18, Cell: 9346507505.

प्रेमलता अग्रवाल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से की मुलाकात, नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नव वर्ष के शुभ अवसर पर, श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने महिला एवं बाल विकास तथा कल्याण से जुड़े सदस्यों के साथ तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी गारू से मुलाकात की और उन्हें नए साल की हार्दिक बधाई दी।

भारत स्टील–2026 के लिए इस्पात मंत्रालय को मीडिया भागीदारों की आवश्यकता

नई दिल्ली, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 16317 अप्रैल 2026 को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारत स्टील नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय आयोजन भारत के इस्पात नीति–निर्माताओं, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, निवेशकों एवं अंतरराष्ट्रीय हितधारकों को एक वैश्विक मंच प्रदान करेगा, जहाँ इस्पात उद्योग के भविष्य पर व्यापक विचार–विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत की इस्पात दृष्टि, नीतिगत दिशा और निवेश क्षमता को प्रदर्शित करना है, साथ ही भारत सरकार और वैश्विक स्टील इकोसिस्टम के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। इस सम्मेलन में केंद्र सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व, प्रमुख मंत्रालयों, राज्य सरकारों, भारत एवं विश्व की अग्रणी खनन कंपनियों के सीईओ, प्रौद्योगिकी कंपनियां, वित्तीय संस्थान, व्यापार संगठन तथा अंतरराष्ट्रीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों की भागीदारी अपेक्षित है।

भारत स्टीलउ2026 के दौरान महत्वपूर्ण नीतिगत विमर्श, उद्योग से जुड़ी घोषणाएं, व्यापारिक सहयोग एवं नॉलेज शेयरिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनका फोकस स्थिरता, नवाचार और इस्पात उद्योग की दीर्घकालिक प्रगति पर रहेगा।

आयोजन के व्यापक स्तर, महत्व और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को देखते हुए, भारत स्टीलउ2026 से राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर व्यापक रुचि उत्पन्न होने की संभावना है। इसी परिप्रेक्ष्य में इस्पात मंत्रालय अग्रणी मीडिया संस्थानों को मीडिया पार्टनर बनाने का इच्छुक है, ताकि कार्यक्रम की समग्र एवं प्रभावी कवरेज विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सुनिश्चित की जा सके।

इस्पात मंत्रालय भारत स्टीलउ2026 के लिए अलग–अलग श्रेणियों में मीडिया पार्टनर्स को आमंत्रित करता है, जिनमें– डिजिटल मीडिया पार्टनर, प्रिंट मीडिया पार्टनर (अखबार एवं पत्रिका), इलेक्ट्रॉनिक एवं टीवी मीडिया पार्टनर शामिल हैं। मीडिया सहयोगियों के जिम्मे सम्मेलन से निकलने वाले अहम संदेशों, नीतिगत पहलों और औद्योगिक दृष्टिकोण को व्यापक स्तर तक पहुँचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

सहयोग के प्रस्तावित दायरे में वेब एवं डिजिटल प्रचार, विशेष बैनर, सोशल मीडिया पोस्ट, प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों का प्रकाशन, संपादकीय कवरेज तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं टेलीविज़न प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रोमोशनल कंटेंट, साक्षात्कार, पैनल चर्चा और कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों का प्रसारण शामिल होगा। कार्यक्रम से पूर्व, कार्यक्रम के दौरान और कार्यक्रम के पश्चातइन सभी चरणों में कवरेज की परिकल्पना की गई है, ताकि निरंतर दृश्यता और सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

भारत स्टीलउ2026 के साथ साझेदारी करने वाले मीडिया संगठनों को व्यापक दृश्यता, सरकार और उद्योग जगत के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच, विशेष सामग्री, साक्षात्कार, प्रेस ब्रीफिंग और ऑन–ग्राउंड कवरेज के अवसर प्राप्त होंगे। यह साझेदारी मीडिया संस्थानों को इस्पात क्षेत्र में सरकार के नेतृत्व वाले सबसे महत्वपूर्ण मंचों में से एक के साथ निकटता से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करेगी।

मीडिया पार्टनर बनने के इच्छुक मीडिया संस्थान अपनी संगठनात्मक प्रोफ़ाइल निम्नलिखित ईमेल पतों पर साझा कर सकते हैं:

Ï bhaA°at-steelgov.in
Ï
coA°pcomnmdc.co.in
Ï siddhaA°thgautam-tantA°aa.net

अधिक जानकारी अथवा किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए– सिद्धार्थ प्रहलादन: +91 99117 73993, सिद्धार्थ गौतम: +91 98991 34806 से संपर्क कर सकते हैं।

विश्वास वेलफेयर सोसायटी (उत्साही युवाओं का संगठन) के तत्वावधान में नव वर्ष के उपलक्ष्य में, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिटी कॉलेज सरकारी प्रसूति गृह के पास चाय एवं बिस्किट का वितरण किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य नव वर्ष के अवसर पर जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं आमजन के साथ स्नेह और सेवा का संदेश साझा करना रहा। इस अवसर पर संदीप जायलवाल, विठ्ठल शर्मा, आकांति संजीव, किशोर भाई, अशोक कुमार अग्रवाल, विवेक जोशी, महेंद्र उपाध्याय, कपिल भाई, संजय बजाज, कमल शर्मा, टी. किशोर सिंह, एम. श्याम सुन्दर, सुजारामजी सहित अन्य सहयोगियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सेवा कार्य और तेज होंगे : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने नववर्ष के अवसर पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए साल में सेवा कार्यों को और अधिक ऊर्जा, समर्पण और व्यापक स्तर पर किया जाएगा।

बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यद्यपि यह अंग्रेजी नववर्ष है, जबकि हमारा पारंपरिक नववर्ष चैत्र मास से प्रारंभ होता है, फिर भी यह समय आत्ममंथन और नए संकल्प लेने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप के सभी सदस्यों ने बीते वर्ष निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्य किए हैं और नए साल में इससे भी बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया गया है। राधे रानी की कृपा से ग्रुप समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वंश अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, पूजा संघी, जेविका संघी एवं अर्चना सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, V.KRISHNA VANI Spouse of SC NO. 14593505-Y, Rank: EX-HAV, Name: V. LAXMI NARAYANA, resident of 17-154/90/1, Netaji Defence Colony, J.J.Nagar Colony, Medchal- Malkajgiri District, Telangana. have changed my name from V. KRISHNA VANI to V KRISHNA VENI vide Affi Dt: 02-01-2026 before Advocate and Notary C.SAMUEL, Secunderabad Telangana

CHANGE OF NAME
I, Sashank Kumar Dwivedi, Son of Mr Deep Narayan Dwivedi resident of Vill-Matima, Post-Medni Pur, Teh- Raghurajnagar, Dist-Satna, State-MP, Pin Code - 485005 have changed my name from SASHANK KUMAR DWIVEDI to SASHANK DWIVEDI vide affidavit dated 30 DEC 2025 before 1st Class Magistrate, High Court of Telagana State, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, BRIJLATA, Wife of Mr Deep Narayan Dwivedi, resident of Vill-Matima, Post-Medni Pur, Teh-Raghurajnagar, Dist-Satna, State-MP, Pin Code-485005 have changed my name from BRIJLATA to BRIJLATA DWIVEDI vide affidavit dated 30 Dec 2025 before 1st Class Magistrate, High Court of Telagana State, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, PRAMILA Spouse of Service No. 15813929Y Nk MUKESH KUMAR of Unit 54 Infantry DoU, Secunderabad, Telangana have changed my name from PRAMILA to PRAMILA DEVI vide affidavit dt:02-01-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15826198P L/Nk BASAVARAJ BALU CHOUGULE of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name is changed from RENUKA to RENUKA BALU CHOUGULE.

CHANGE OF NAME & DOB
I, DULU MONI PAWE spouse of Service No. 6946289N Hav JYOTI PAWE, Resident of Vill:Chamoguri, P.O:Mermukh, Teh:Narayanpur, Dist:N Lakhimpur, Assam-784164 have changed my name and DOB from DULU MONI PAWE, DOB:10-09-1987 to DULU PAWE, DOB:01-02-1989 vide affidavit dt:02-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

कांग्रेस ने भाजपा के कॉर्पोरेट-परस्त कानून की आलोचना की

मनरेगा को गरीबों के लिए मूक क्रांति बताया

हैदराबाद, 2 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को उन पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कमजोर करके श्रमिकों, गरीबों और मध्यम वर्ग को कॉर्पोरेट ताकतों के हवाले करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

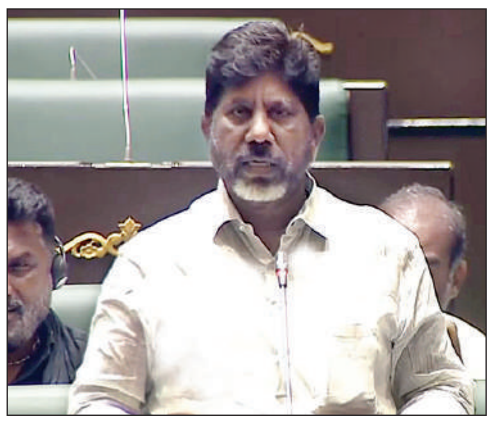

विधानसभा में एक गरमागरम बहस में भाग लेते हुए, भट्टी ने जोर देकर कहा कि यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई मनरेगा योजना एक मूक क्रांति थी। इसने बिना किसी हिंसा या आंदोलन के लाखों लोगों को रोजगार, सम्मान और आर्थिक स्थिरता की गारंटी देकर ग्रामीण आजीविका को बदल दिया। उन्होंने याद दिलाया कि इस योजना के माध्यम से बिना किसी लाठीचार्ज या विरोध के श्रमिकों की मजदूरी में 100 की सीधी वृद्धि हुई थी।

उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस और भाजपा के बीच वैचारिक अंतर को उजागर करते हुए कहा कि जहाँ कांग्रेस के कानून सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के उद्देश्य से थे, वहीं भाजपा की नीतियां गरीबों की कीमत पर कॉर्पोरेट हितों को लाभ पहुँचाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नया कानून श्रमिकों की सौदेबाजी की शक्ति को कम करता है और ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को खतरे में डालता है।

भट्टी विक्रमार्क ने राष्ट्रीय नेताओं की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का रक्त इस देश की मिट्टी में मिला हुआ है। उन्होंने सोनिया गांधी के राष्ट्रीय एकता के प्रयासों और राजीव गांधी के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए भाजपा की नैतिक अधिकारिता पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या भाजपा के किसी नेता ने राष्ट्र के लिए ऐसा कोई बलिदान दिया है?

उन्होंने भारत राष्ट्र समिति की भी आलोचना की और उन पर गरीबों के प्रति चिंता की कमी और राजनीतिक सुविधा चुनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस में भाजपा के कानून का विरोध करने का साहस नहीं है और वह अप्रत्यक्ष रूप से तेलंगाना के हितों को नुकसान पहुँचाने वाली नीतियों का समर्थन कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने केंद्र से मांग की कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के लिए पहले की तरह 100 प्रतिशत फंडिंग बहाल की जाए, न कि 60:40 के अनुपात का बोझ राज्यों पर डाला जाए। उन्होंने क्षेत्रीय असमानताओं का हवाला देते हुए कहा कि तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्य देश के सकल घरेलू उत्पाद में अधिक योगदान देने के बावजूद कम धन प्राप्त कर रहे हैं।उन्होंने सवाल किया, क्या देश की जीडीपी में अधिक योगदान देना कोई अपराध है? उन्होंने विधानसभा से गरीबों के समर्थन में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित करने और उसे केंद्र को भेजने का आह्वान किया। भट्टी ने चेतावनी दी कि यदि जन-हितैषी कानूनों को खत्म करने का प्रयास किया गया, तो तेलंगाना की मप्रजा सरकारफ इसके खिलाफ लड़ती रहेगी।

ओवैसी ने तेलंगाना में शिक्षा की पहुंच और मानकों को बेहतर बनाने की वकालत की

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने शहर में एक पाठ्यक्रम विकास समारोह को संबोधित करते हुए शैक्षिक मानकों को बढ़ाने और स्कूली शिक्षा तक पहुंच को व्यापक बनाने का पुरजोर समर्थन किया।

पाठ्यक्रम विकास और विमोचन समारोह में सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि सालार-ए-मिल्लत एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रयास सामूहिक प्रकृति के हैं, जिनका उद्देश्य पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में लाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा तो केंद्रीय विषय है ही, लेकिन साथ ही छात्रों को स्ट्रीट स्मार्ट और आत्मविश्वासी बनाने की भी सख्त जरूरत है।उन्होंने साझा किया कि शुरुआत में सबसे बड़ी चुनौती परिवारों को बच्चों का नामांकन कराने के लिए राजी करना था, जबकि शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त दी जा रही थी। झुग्गी-बस्तियों में उन बच्चों की पहचान करने के लिए टीमें भेजी गईं जो कभी स्कूल नहीं गए थे, साथ ही उन लड़कियों की भी पहचान की गई जिन्होंने 10वीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी।

कई मोहल्लों में घर-आधारित छोटे प्ले स्कूल स्थापित किए गए, ताकि खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाई से परिचित कराया जा सके। उच्च शिक्षा के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए ओवैसी ने चिंताजनक आंकड़े साझा किए। उन्होंने बताया कि केवल 9% इंजीनियरिंग छात्र ही बिना किसी बैकलॉग के अगले वर्ष में प्रोन्नत हुए, जबकि बैकलॉग वाले अन्य 50% छात्रों को अगले सेमेस्टर में भेजा गया। उन्होंने बताया कि अब इंजीनियरिंग छात्रों को भी ट्यूशन की सुविधा दी जा रही है।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पूरब पर्व कल भव्य स्तर पर मनाया जाएगा

हैदराबाद, 2 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। खालसा पंथ के संस्थापक और सिखों के दसवें व अंतिम गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पूरब 04 जनवरी, 2026 (रविवार) को सिकंदराबाद में बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा। यह आयोजन दुनिया भर में चल रहे गुरु पर्व समारोहों का एक हिस्सा है।

इस पावन अवसर पर, गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद की प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में सिकंदराबाद के टिवोली गार्डन में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक एक विशाल दीवान (सामूहिक समागम) आयोजित किया जाएगा। प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एस. बलदेव सिंह बग्गा, महासचिव एस. जगमोहन सिंह और सचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी ने विवरण देते हुए बताया कि इस समागम में सैकड़ों सिख श्रद्धालुओं के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों के भी शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान गुरबानी कीर्तन और गुरबानी विचार के माध्यम से सिख गुरुओं की शिक्षाओं और बलिदानों पर प्रकाश डाला जाएगा। देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिष्ठित रागी जत्थों को विशेष रूप से शब्द कीर्तन और आध्यात्मिक प्रवचन के लिए आमंत्रित किया गया है। इनमें शामिल होने वाले मुख्य व्यक्तित्व हैं- भाई सरबजीत सिंह (पटना साहिब वाले), सिंह साहिब ज्ञानी जसविंदर सिंह (पूर्व मुख्य ग्रंथी, श्री दरबार साहिब, अमृतसर) , ज्ञानी जगदेव सिंह, भाई वरजिंदर सिंह और अन्य प्रख्यात रागी जत्थे।

वक्ताओं ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समानता, साहस, बलिदान और मानवता की सेवा का संदेश फैलाना है, जैसा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखाया है।

तेलंगाना इंटर परीक्षा 2026: हॉल टिकट सीधे अभिभावकों के व्हाट्सएप पर भेजे जाएंगे

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजीबीआईई) ने शुक्रवार, 2 जनवरी को एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए छात्रों के हॉल टिकट अब सीधे अभिभावकों के पंजीकृत व्हाट्सएप नंबर पर भेजे जाएंगे। यह कदम परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने और अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

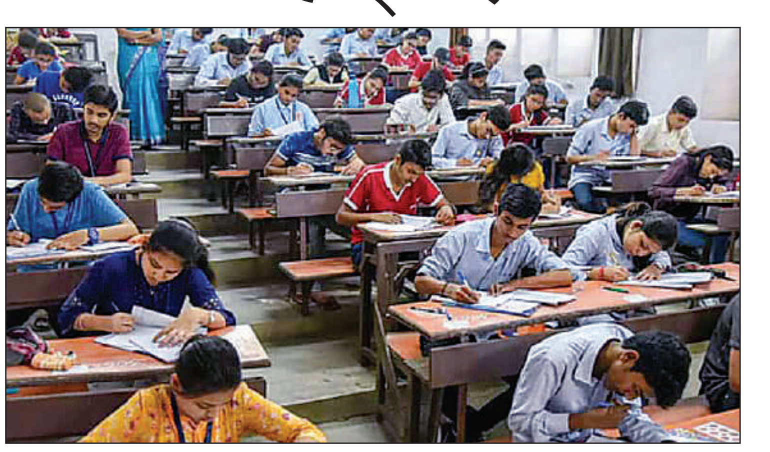

बोर्ड के अनुसार, हॉल टिकट अभिभावकों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप पर एक डाउनलोड लिंक के माध्यम से भेजे जाएंगे। इससे अभिभावक हॉल टिकट का पूर्वावलोकन कर सकेंगे और अंतिम उपयोग से पहले उसमें दर्ज सभी विवरणों की जांच कर पाएंगे।

इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के छात्र अपने एसएससी रोल नंबर और जन्मतिथि दर्ज करके हॉल टिकट प्राप्त कर सकेंगे, जबकि द्वितीय वर्ष के छात्रों को अपने पिछले वर्ष के हॉल टिकट नंबर और जन्मतिथि का उपयोग करना होगा।

द्वितीय वर्ष के छात्रों के हॉल टिकट के पूर्वावलोकन में पिछले वर्ष की मार्कशीट भी शामिल होगी। इसके साथ ही अभिभावक अपने बच्चे के प्रथम वर्ष के प्राप्तांक, उन विषयों की जानकारी जिनमें छात्र अनुत्तीर्ण हुआ था, तथा परीक्षा कार्यक्रम भी देख सकेंगे।बोर्ड ने कहा कि आधिकारिक हॉल टिकट में इस प्रकार की जानकारी शामिल करने से अभिभावकों को छात्र की शैक्षणिक स्थिति को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलेगी।

अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे पूर्वावलोकन हॉल टिकट में छपी सभी जानकारियों ` जैसे विषय, माध्यम, समूह, फोटो, हस्ताक्षर और व्यक्तिगत विवरण ` की सावधानीपूर्वक जांच करें।यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि या विसंगति पाई जाती है, तो इसकी सूचना संबंधित कॉलेज के प्रधानाचार्य, जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी (डीआईईओ) या जिले के नोडल अधिकारी को तत्काल सुधार के लिए दी जानी चाहिए।

बोर्ड ने कहा कि चूंकि अधिकांश अभिभावकों के पास स्मार्टफोन उपलब्ध हैं, इसलिए हॉल टिकटों तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए यह व्हाट्सएप आधारित संचार प्रणाली शुरू की गई है।उन्होंने आगे कहा कि इस नई व्यवस्था से छात्रों, अभिभावकों, कॉलेजों और जिला अधिकारियों के बीच समग्र समन्वय में उल्लेखनीय सुधार होगा।

मध्यवर्ती स्तर की व्यावहारिक परीक्षाएं 2 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी।प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अंग्रेजी की व्यावहारिक परीक्षा बुधवार, 21 जनवरी को होगी।

द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए नीतिशास्त्र और मानवीय मूल्यों की व्यावहारिक परीक्षा गुरुवार, 22 जनवरी को आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, नीतिशास्त्र और मानवीय मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा के लंबित प्रैक्टिकल क्रमशः 23 और 24 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे।

पुराने शहर में अवैध पिस्तौल रखने के आरोप में व्यवसायी गिरफ्तार

हैदराबाद, 02 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुराने शहर क्षेत्र में अवैध हथियार रखने के मामले में पुलिस ने एक व्यवसायी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई है, जिसे कथित तौर पर जनता को डराने के उद्देश्य से रखा गया था। पुलिस ने बुधवार, 31 दिसंबर को चारमीनार क्षेत्र के रहने वाले और हाल ही में सऊदी अरब से लौटे 29 वर्षीय अमजद खान को गिरफ्तार किया।

पुलिस को उसके पास से 0.7 मिमी की देसी पिस्तौल बरामद हुई, जिसके बाद उसे हिरासत में लिया गया।पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हथियार कई महीने पहले मध्य प्रदेश से बिचौलियों के माध्यम से 80,000 रुपये में खरीदा गया था। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने इस पिस्तौल को अवैध रूप से अपने पास रखा हुआ था और इसका उपयोग लोगों को भयभीत करने के इरादे से किया जाना था।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस अवैध पिस्तौल की आपूर्ति में दो अन्य व्यक्ति शामिल थे, जो फिलहाल फरार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.